* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

30 जून, 2024
आषाढ़, कृष्ण पक्ष, नवमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
रविवार, वर्ष 09, अंक 250

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

1 जुलाई 2024 से देश में लागू होने वाले नए कानूनी प्रावधानों को जानें

सजग नागरिक बनें

न्याय की नई परिभाषा

श्री चम्पाई सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

आप कहीं से भी किसी भी थाने में जाकर FIR दर्ज करवा सकते हैं, वहां से संबंधित थाने में इसे भेज दिया जाएगा। **आप ऑनलाइन या ई-मेल से भी प्राथमिकी दर्ज करवा सकते हैं।**

प्राथमिकी के बाद **अनुसंधान में क्या प्रगति हुई है, इसकी जानकारी जांच अधिकारी को पीड़ित या सूचक को देनी होगी।** पहले थाने में जाकर जानकारी लेनी पड़ती थी।

संगठित अपराध, झपटमारी और मॉब लिंचिंग को भी नए अपराध में शामिल किया गया है। छोटे अपराधों के लिए सीधे जेल की जगह आरोपी से सामाजिक/सामुदायिक सेवा करने का भी दण्ड दिया जा सकता है।

पहले जहां अपराध के बाद केवल दण्ड आधारित न्याय व्यवस्था थी, वहीं **अब दण्ड की जगह न्याय व्यवस्था पर जोर है** यानी दण्ड ही केवल ना हो, यह ज्यादा महत्वपूर्ण हो कि पीड़ित को न्याय भी मिले।

18 साल से कम आयु की महिला के साथ **सामुहिक दुष्कर्म के अपराधियों को मृत्युदण्ड भी दिया जा सकता है।** जबकि 18 साल से अधिक आयु की महिला के साथ सामुहिक दुष्कर्म के अपराधियों को 20 साल से आजीवन कारावास तक की सजा दी जा सकती है।

नए कानूनी प्रावधानों के अनुसार, **महिला से विवाह करने के झूठे वचन देकर शारीरिक संबंध बनाने के दोषी के लिए अब 10 वर्ष तक की सजा है।** दुष्कर्म पीड़िता का मेडिकल रिपोर्ट अब चिकित्सक को 7 दिन के भीतर देने होंगे।

नए कानूनी प्रावधानों में बालक (child) को परिभाषित किया गया है जो IPC में नहीं था। **महिला एवं बालकों के विरुद्ध अपराध को लिंग तटस्थ (Gender Neutral) बना दिया गया है, इसमें उभयलिंगी (Transgender) को भी सम्मलित किया गया है।**

इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के व्यापक इस्तेमाल पर जोर दिया गया है, **इसमें ऑडियो-वीडियो संसाधनों के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक सूचना माध्यम का भी इस्तेमाल किया जा सकेगा।**

समन, तामिला का सबूत, दस्तावेजी समन के लिए इलेक्ट्रॉनिक सूचना माध्यम का प्रयोग एवं **साक्ष्य केवल लिखित नहीं, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक साधनों जैसे: ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग कर रखा जा सकेगा।**

तलाशी या जब्ती की प्रक्रिया में **ऑडियो-वीडियो संसाधनों का भी इस्तेमाल किया जा सकेगा।** इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख या रिकॉर्ड को विधिक दस्तावेज के रूप में मान्यता होगी।

फोरेंसिक जांचकर्ता को **अपराध स्थल पर जाकर साक्ष्य संकलन करने की बाध्यता होगी।** चिकित्सक अभियुक्त का जैविक परीक्षण कर चिकित्सीय साक्ष्य एकत्रित करेंगे ।

नए कानूनी प्रावधानों के तहत अब **कम समय में अनुसंधान और न्यायिक प्रक्रिया सम्पन्न करने की व्यवस्था है।**

आपराधिक न्याय प्रणाली की दिशा में तीन नए आपराधिक कानून- भारतीय न्याय संहिता (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA) लागू होंगे...
ये कानून भारतीय दंड संहिता (IPC), दंड प्रक्रिया संहिता (CrPC) और 1872 के भारतीय साक्ष्य अधिनियम के स्थान पर लागू होंगे।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

P.R. 328214 (IPRD) 24-25

आजाद सिपाही
रांची, रविवार, 30 जून, 2024
www.azadsipahi.in

हेमंत सोरेन के जेल से रिहा होने के बाद बदला राजनीतिक परिदृष्य

अब झामुमो करेगा सवाल, भाजपा को देना होगा जवाब

- हेमंत के पक्ष में हाइकोर्ट के फैसले ने धो दिया तथाकथित कलंक
- इडी के कंधे पर बंदूक रख कर आरोप लगा रही भाजपा को तलाशना होगा रास्ता
- विधानसभा चुनाव में भाजपा और झामुमो की सीधी टक्कर
- झामुमो सहित इंडी गठबंधन का लोकसभा चुनाव के बाद से बढ़ गया है मनोबल
- हेमंत की रिहाई ने गठबंधन के कार्यकर्ताओं का उत्साह कर दिया है दोगुना
- लोस चुनाव में बढ़त वाली 52 विस सीटों पर भी अब भाजपा के लिए नहीं होगी राह आसान

आजाद सिपाही विशेष

इतिहास के पन्नों पर झारखंड के लिए 30 जून अति महत्वपूर्ण है। आदिवासी इतिहास का 30 जून 1855 वह स्वर्णिम दिन है, जब साहिबगंज के भोगनाडीह में हजारों की संख्या में जुटे संताल आदिवासियों ने अपने-अपने हाथों में तीर-धनुष को लहराते हुए अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ बगावत का खुला एलान किया था। इस एलान के साथ ही सिदो को अपना राजा, कान्हू को मंत्री, चांद को प्रशासक और भैरव को सेनापति के रूप में इस उलगुलान को आगे बढ़ाने की जिम्मेवारी सौंपी गयी थी। आज वही 30 जून है। इससे दो दिन पहले राज्य की सियासत में एक नये बदलाव का बीजारोपण हो चुका है। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को शुक्रवार को हाइकोर्ट से जमानत मिली। सिर्फ जमानत ही नहीं मिली, हाइकोर्ट का फैसला भी ऐसा आया कि प्रवर्तन निदेशालय (इडी) से लेकर विपक्षी भाजपा तक को मुंह पर ताला लगाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा। कोर्ट ने साफ कहा कि हेमंत सोरेन पर जो आरोप लगाये गये हैं, वह संभावनाओं पर आधारित हैं, उनके खिलाफ कोई ठोस सबूत नहीं है। जिस इडी के कंधे पर बंदूक रख कर हेमंत सोरेन के जरिए सरकार और इंडी गठबंधन को भाजपा अब तक निशाने पर ले रही थी, उसे अब मुंह की खानी पड़ी है। पिछले पांच-छह महीने से भाजपा भ्रष्टाचार, जमीन घोटाला, हेमंत सोरेन को जेल होने आदि को मुद्दा बनाये हुई थी। लोकसभा चुनाव में इन बातों को खूब उछाला गया। हाइकोर्ट के फैसले के बाद अब भ्रष्टाचार के आरोप की हवा निकल चुकी है। अब भाजपा को हेमंत सोरेन या सरकार को लपेटने के लिए दूसरे मुद्दे की तलाश करनी होगी। वहीं, हेमंत सोरेन और इंडी गठबंधन का मनोबल हाइकोर्ट के फैसले से हाइ हो गया है। जो तथाकथित कलंक हेमंत सोरेन पर लगे थे, वे धुल गये हैं। ऐसे में अब हेमंत समेत इंडी गठबंधन के नेता भाजपा पर सवाल दागेंगे। भाजपा को इसका जवाब देना होगा। हेमंत के जेल से बाहर आने के बाद झारखंड का पूरा राजनीतिक परिदृष्य एक बार फिर बदल गया है। हेमंत सोरेन संभवतः 30 जून को भोगनाडीह से नयी राजनीतिक रणनीति का उलगुलान करेंगे। इस बदलते परिदृष्य और आने वाले विधानसभा चुनाव की राजनीति का आकलन करती **आजाद सिपाही के राजनीतिक संपादक प्रशांत झा की रिपोर्ट।**

प्रशांत झा

आषाढ़ का महीना चल रहा है। झारखंड में मानसून दस्तक दे चुका है। आदिवासी, किसान, खेतिहर, मजदूर आदि खेती-किसानी में लग गये हैं। बीज बुआई शुरू हो गयी। जिस तरह आषाढ़ की धूप में तपिश बहुत होती है, वैसे ही झारखंड की राजनीति में तपिश भी धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शुक्रवार को पांच महीने बाद जेल से बाहर आ गये। उनके बाहर आते ही राजनीतिक फिजां बदलने लगी है। जैसे आषाढ़ में बादल आकाश में मंडराते-घुमड़ते हैं, वैसे ही राजनीतिक दलों के नेताओं के दिमाग में चुनावी चौसर की बिसात पर गोटी फिट करने का सोच गहराने लगा है। दरअसल, राज्य में अक्तूबर-नवंबर तक विधानसभा चुनाव होना है। खेती-किसानी की तरह चुनाव के लिए भी अब बीजारोपण होने लगा है। राजनीतिक दल हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव के परिणाम का आकलन कर चुके हैं। विधानसभावार भी वोटों का आकलन किया गया है। कहां किस दल को बढ़त मिली, इसका आंकड़ा सामने आ चुका है। अब विधानसभा की 81 सीटों को समेटने के लिए रणनीति बनाने की तैयारी चल रही है।

इंडी गठबंधन का हाथ ऊपर

इस वक्त इंडी गठबंधन का हाथ ऊपर है, क्योंकि हेमंत सोरेन जेल से बाहर आ गये हैं। कांग्रेस भले ही राष्ट्रीय दल हो, लेकिन राज्य में झामुमो का नेतृत्व है। यहां गठबंधन के नेता झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ही हैं। इंडी गठबंधन ने उनके बिना लोकसभा चुनाव लड़ा था। हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन समेत अन्य नेताओं ने काफी मेहनत की। सभी ने एकजुटता दिखायी। इसका परिणाम भी अच्छा रहा। इंडी गठबंधन को तीन सीटों का फायदा हुआ। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के पास 14 में 12 सीटें थीं और गठबंधन के पास दो सीटें थीं। वहीं, 2024 के चुनाव में भाजपा को नुकसान हुआ और वह नौ सीटों पर सिमट गयी, तो इंडी गठबंधन ने पांच सीटों पर कब्जा जमा लिया। अब सामने विधानसभा चुनाव है। इस चुनाव में अब हेमंत का नेतृत्व होगा। लोकसभा चुनाव के परिणाम से उत्साहित इंडी गठबंधन के नेता और कार्यकर्ताओं का उत्साह 28 जून से और बढ़ गया है। इंडी कार्यकर्ता तो बोलने भी लगे हैं कि जब हेमंत के बिना लोकसभा में अच्छा प्रदर्शन किया, तो उनके साथ होने के बाद विधानसभा में क्या होगा खुद ही सोच लें। हेमंत पर भाजपा जितने भी आरोप लगा रही थी, हाइकोर्ट ने उसे खारिज कर दिया। हेमंत बेदाग हैं। भाजपा अब क्या बोलेगी जनता को? जनता के सामने सच आ गया है। अब भाजपा जब जनता के बीच जायेगी, तो उसको उन आरोपों का जवाब देना होगा। इन बातों में नेताओं और कार्यकर्ताओं का मनोबल और उत्साह दिखाता है। वह यह सबित करता है कि फिलहाल इंडी गठबंधन का हाथ ऊपर है।

हेमंत के जेल से बाहर आने का मिलेगा फायदा

जेल से निकलते ही हेमंत सोरेन के बयान से साफ है कि वह रिहाई के बाद और आक्रामक होंगे। उन्होंने कहा कि मुझे झूठे आरोपों में पांच महीने जेल के अंदर रखा गया। झारखंड की जनता को इस बारे में सोचना होगा। सुनियोजित तरीके से लोगों की आवाज दबायी जा रही है। हाइकोर्ट ने जो फैसला दिया है, उसको देखना-पढ़ना चाहिए। उनकी रिहाई ने झामुमो के साथ-साथ इंडी गठबंधन को नयी ऊर्जा दी है। विधानसभा चुनाव में एक नया जोश दिखने को मिलेगा। गठबंधन के नेता हेमंत की गिरफ्तारी को लेकर केंद्रीय एजेंसी, केंद्र की सरकार और विपक्षी दल भाजपा को घेर सकेंगे। एजेंसियों के दुरुपयोग की बात को मजबूती से रख सकेंगे। हेमंत का कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद हो सकेगा। वहीं, हेमंत सोरेन अगर चुनाव से पहले मुख्यमंत्री का पद फिर नहीं संभालते हैं, फिर भी सरकार में चीजों को व्यवस्थित करने, झारखंड के हित में योजनाएं बनाने और उन योनाओं का चुनावी फायदा उठाने की रणनीति आसानी से बना सकेंगे। उधर, गठबंधन को मजबूती भी मिलेगी। इसका उदाहरण है कि जेल से हेमंत के निकलते ही कांग्रेस सांसद सह लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उन्हें फोन किया। शरद पवार ने उन्हें संदेश भेजा। ममता बनर्जी ने हेमंत सोरेन को शाबाशी दी। इसका सीधा अर्थ यही है कि अब हेमंत सोरेन का उपयोग इंडी गठबंधन देश स्तर पर करेगा। हेमंत सोरेन से इंडी गठबंधन को मजबूती मिलेगी। देश स्तर पर उसे आदिवासी नेता के रूप में एक बड़ा चेहरा मिलेगा। गठबंधन दलों के बीच चीजें और स्पष्ट रहेंगी। झामुमो-कांग्रेस-राजद के बीच विधानसभा चुनाव में सीट शेयरिंग से लेकर चुनावी रणनीति पर सही तरीके से विचार हो सकेगा। यानी कुल मिला कर गठबंधन को भी मजबूती मिलेगी।

भाजपा को पूरी रणनीति पर करना होगा विचार

लोकसभा चुनाव में भाजपा अपने हाथ से तीन सीट निकलने के बाद भी थोड़ी राहत महसूस कर रही थी, क्योंकि विधानसभावार पार्टी का प्रदर्शन अच्छा था। राज्य में 14 लोकसभा सीटों के अधीन आनेवाली 81 विधानसभा सीटों में से 52 सीटों पर भाजपा और सहयोगी दल आजसू के उम्मीदवारों ने बढ़त हासिल की थी। यह बढ़त दिखा रही है कि विधानसभा में बहुमत के लिए 42 सीट से कहीं अधिक है। भाजपा केवल इन बढ़त वाली 52 सीटों पर ही फोकस रखती तो शायद विधानसभा चुनाव जीत कर सरकार बनाने की स्थिति में आ जाती। लेकिन अब हेमंत सोरेन के मैदान में आ जाने के बाद उसके लिए ये सीटें आसान नहीं हैं। कारण साफ है, लोकसभा चुनाव में विधानसभा की 23 आदिवासी सीटों पर भाजपा बुरी तरह पिछड़ गयी है। इसके बाद भी भाजपा के लिए 52 सीटों की वजह से आगामी चुनाव थोड़ा आसान दिख रहा था। अब परिस्थितियां बदल गयी हैं। हेमंत सोरेन के जेल से बाहर आने के बाद इन सीटों पर भी समीकरण बदलने की बात को सिरे से नहीं नकारा नहीं जा सकता है। क्योंकि भाजपा 31 जनवरी 2024 को हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद ज्यादा आक्रामक हो गयी थी। इसके बाद से लोकसभा चुनाव तक हेमंत पर लगे भ्रष्टाचार का आरोप और उनके जेल जाने को खूब भुनाया। अगर यों कहें कि लोकसभा चुनाव में भाजपा का मुख्य मुद्दा और केंद्र बिंदु में 'हेमंत' थे, तो गलत नहीं होगा। इस बार विधानसभा में यह नहीं चलेगा। इसके उलट भाजपा को इंडी गठबंधन द्वारा केंद्रीय एजेंसियों के दुरूपोयग, हेमंत सोरेन को जेल भेजने समेत अन्य मुद्दों को उठाने पर जवाब देना होगा। लिहाजा भाजपा को नये सिरे से अपनी रणनीति बनानी होगी।

2019 विधानसभा चुनाव की स्थिति

पार्टी	चुनाव लड़	जीती	हानि/फायदा
झामुमो	41	30	+11
कांग्रेस	31	16	+10
राजद	7	1	+1
भाजपा	79	25	-12
आजसू	53	2	-3
झाविमो	81	3	-5
एनसीपी	7	1	+1
सीपीआई (एमएल)	14	1	+1

विधानसभा चुनाव में लोकसभा से मुद्दा होगा जुदा

लोकसभा चुनाव भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे, केंद्र की योजनाओं, राज्य सरकार की विफलता, पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी, भ्रष्टाचार आदि मुद्दों को लेकर लड़ा था। वहीं, भाजपा के पास 2019 को विधानसभा चुनाव में तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास के कार्यकाल में किये गये गये काम को गिनाने के लिए था। डबल इंजन की सरकार की बात थी। उस वक्त भाजपा की सरकार थी। हालांकि इसके बाद भी 2014 की बहुमत वाली भाजपा 2019 के चुनाव में 25 सीटों पर सिमट गयी थी। इस बार भाजपा न ही राज्य में सरकार में है और न ही राज्य सरकार की उपलब्धियों को गिना सकती है। लोकसभा चुनाव के तमाम मुद्दे विधानसभा चुनाव में शायद ही चलें। केवल राज्य सरकार की खामियों को गिनाने के अलावा भाजपा के पास कुछ भी नहीं होगा। हालांकि इस बार एक फायदा भाजपा को है कि आजसू उसके साथ है। वहीं, इंडी गठबंधन (झामुमो कांग्रेस और राजद) सरकार में है। जनहित के लिए लगातार कदम उठाये जा रहे हैं। इन बातों को चुनावी मुद्दा बनाया जा सकेगा। चूंकि इंडी गठबंधन की सरकार राज्य में है, इसलिए आचार संहिता लागू होने से पहले कई लोकलुभावन योजनाएं शुरू कर सकती है। चंपाई सरकार ने इस दिशा में कदम उठाते हुए योजनाओं की झड़ी लगा दी है। उसने कई लोक लुभावन योजनाएं शुरू भी कर दी हैं। जिससे चुनाव में फायदा उठाया जा सके।

गोड्डा की बेटी प्रेरणा मिश्रा से मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी आज करेंगे बातचीत

आजाद सिपाही संवाददाता

गोड्डा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद 30 जून को मन की बात कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। 30 जून को प्रसारित होनेवाले इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री गोड्डा जिले के पोड़ैयाहाट के दांड़े गांव के लोगों से बात करेंगे। जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री दांड़े गांव की बेटी प्रेरणा मिश्रा से मन की बात साझा करेंगे। प्रेरणा मिश्रा गांव में रहकर महिला संगठन चलाते हुए स्टार्ट अप के माध्यम से इ-कॉमर्स बिजनेस चला रही हैं। इसको लेकर गोड्डा भाजपा की ओर से भी लोगों को कार्यक्रम में जुड़ने का संदेश दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से दांड़े गांव तक प्रधानमंत्री की नजर डालने

के लिए गोड्डा सांसद डॉ निशिकांत दुबे की बड़ी भूमिका बतायी जा रही है।

दांड़े की बेटी महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत : दांड़े गांव की रहने वाली प्रेरणा मिश्रा के पिता पीके मिश्रा, आसनसोल डिवीजन के डीआरएम रह चुके हैं। एमबीए की पढ़ायी कर चुकी प्रेरणा दुनिया की कई नामी-गिरामी कंपनियों में काम करने के बाद उसे अपने गांव व मिट्टी से जुड़कर काम करने की इच्छा हुई। ऐन वक्त पर कोरोना काल आ गया।

बेंगलुरु से दांड़े पहुंची प्रेरणा ने गांव की महिलाओं को साथ लिया। एक एसएचजी बनाया, उसमें करीब 60 महिलाओं को जोड़ते हुए नेचरशिप एंटरप्रेन्योरशिप, दांड़े के नाम से उद्यम शुरू किया। स्टार्ट अप के तहत ढेंकी व जाता आदि से पीसकर परंपरागत तरीके से चावल, सत्तू, मशाला, आटा आदि का उत्पादन कर सीधे बाजार में बेचने का काम करने लगी। महिला समूह द्वारा उत्पादित सामग्री इ-कॉमर्स प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट, अमेजन आदि बड़ी कंपनियों के माध्यम से देश में बेचने का काम किया जा रहा है।

निशिकांत दुबे ने प्रेरणा के स्टार्टअप को आगे बढ़ाने का किया था वादा

लोकसभा चुनाव में प्रचार के दौरान सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने प्रेरणा मिश्रा के कार्य को देखकर काफी खुशी जाहिर की थी। सांसद ने प्रेरणा से वादा किया था कि उनके स्टार्टअप को आगे बढ़ायेंगे। आज डॉ दुबे की बात आगे पहुंची और प्रधानमंत्री मोदी मन की बात कार्यक्रम में प्रेरणा से बात करने वाले हैं।

जन भावनाओं के अनुरूप सर्व स्पर्शी, सर्व समावेशी और विकासोन्मुख हो घोषणा पत्रः हिमंता बिस्वा सरमा

जनता भाजपा को उम्मीद भरी नजरों से देख रहीः बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। असम के मुख्यमंत्री सह विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने जनजाति समाज से जुड़े पार्टी के नेताओं से मुलाकात की। कुशल क्षेम जाना। राज्य की वर्तमान राजनीतिक, सामाजिक विषयों पर चर्चा की।

श्री बिस्वा सरमा ने प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की अध्यक्षता में आयोजित घोषणा पत्र समिति, आरोप पत्र समिति, टॉकिंग प्वाइंट्स समिति की संयुक्त बैठक में भी हिस्सा लिया।

कहा आगामी विधानसभा

चुनाव झारखंड की दशा और दिशा तय करेगा। झारखंड निर्णायक मोड़ पर है। राज्य की जनता लूट, भ्रष्टाचार, वादा खिलाफी से निजात चाहती है। जनता सुशासन और विकास के लिए समय का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र जनता का संकल्प पत्र होगा। पार्टी जन संपर्क और संवाद के माध्यम से सर्व समावेशी और सर्व स्पर्शी और विकासोन्मुख घोषण पत्र तैयार करे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आरोपों से घिरी सरकार है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जनता की आशा और उम्मीद भाजपा से जुड़ी है। ठगबंधन सरकार ने राज्य की जनता के लिए एक भी भलाई के काम नहीं किये। यह सरकार साढ़े चार वर्षों केवल राज्य को लूटने में जुटी रही। तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति ने राज्य की डेमोग्राफी को बदल दिया है। उन्होंने कहा कि जनता उम्मीद भरी नजरों से भाजपा की ओर देख रही है है। भाजपा ने राज्य बनाया है। भाजपा इसे बर्बाद होते नहीं देख सकती। हमें जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना है।

नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने कहा कि ठगबंधन सरकार आदिवासी, दलित, पिछड़ा, महिला, युवा विरोधी सरकार है। जनता को इस सरकार से निजात दिलानी है।

आदिवासी, दलित, पिछड़ा, महिला, युवा विरोधी है राज्य सरकारः बाउरी

www.epaper.azadsipahi.in

30 जून, 2024
आषाढ़, कृष्ण पक्ष, नवमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
रविवार, वर्ष 09, अंक 250

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा

अब विधानसभा चुनाव में होगा भाजपा का सफायाः हेमंत सोरेन

17 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप जीता : रोहित की टीम ने साउथ अफ्रीका को 7 रन से हराया

भारत ने जीत ली दुनिया

आजाद सिपाही संवाददाता

बारबडोस। जिस चमचमाती ट्रॉफी का इंतजार पूरा हिन्दुस्तान सालों से कर रहा था, रोहित शर्मा की टीम ने वो पूरा कर दिया। भारत ने शनिवार को केनसिंग्टन ओवल में खेले गये टी20 वर्ल्ड कप-2024 के फाइनल में साउथ अफ्रीका को सात रनों से हरा खिताब अपने नाम कर लिया।

साउथ अफ्रीका 177 का टारगेट आसानी से पूरा कर रही थी। लेकिन, गेंदबाजों को ये मंजूर नहीं था। साउथ अफ्रीका के हाथों से जीत छीन ली। टी-20 वर्ल्ड कप इंडिया का है। जीत का हीरो कोई एक नहीं पूरी इंडियन टीम है। सूर्यकुमार का वो कैच तो शायद दशकों तक याद रखा जायेगा, जिसकी बदौलत मिलर पवेलियन लौटे।

टीम इंडिया ने 17 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप जीता है। इसी के साथ भारतीय टीम ने आइसीसी ट्रॉफी के 11 साल के सूखे को खत्म कर दिया। भारत ने आखिरी आइसीसी टूर्नामेंट 2013 में जीता था।

बारबडोस से स्टेडियम में इंडिया ने पहले बैटिंग चुनी थी। पावरप्ले में रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और सूर्यकुमार के विकेट गिर गये थे। कोहली ने 72 और अक्षर पटेल ने 47 रन की पारी खेली। शिवम दुबे ने तेज रफ्तार से 27 रन बनाकर स्कोर 176 तक पहुंचाया। साउथ अफ्रीकी स्पिनर केशव महाराज और एनरिक नॉर्त्या ने 2-2 विकेट लिये। कगिसो रबाडा और मार्को यानसन ने एक-एक विकेट लिया।

रन चेज में साउथ अफ्रीकी टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 169 रन बना सकी। हार्दिक पंड्या ने 3 विकेट झटके। जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह ने 2-2 विकेट लिए। हेनरिक क्लासन ने 27 बॉल पर 52 रन बनाए, जबकि डी कॉक ने 31 बॉल पर 39 रन की पारी खेली। ट्रिस्टन स्टब्स ने 21 बॉल पर 31 और मिलर ने 17 बॉल पर 21 रन का योगदान दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो मैसेज जारी कर टीम इंडिया को बधाई दी

पीएम मोदी ने वीडियो मैसेज जारी कर टीम इंडिया को बधाई दी। उन्होंने कहा, इस भव्य जीत के लिए पूरे देश की ओर से भारतीय टीम को बधाई। आपने शानदार प्रदर्शन के लिए देशवासी गर्व अनुभव कर रहे हैं। खेल के मैदान में आपने वर्ल्ड कप जीता, लेकिन हिंदूस्तान के हर गांव और गली में आपने देशवासियों का दिल जीत लिया। यह टूर्नामेंट हमेशा याद रखी जायेगी। इतने सारी देश, इतनी सारी टीमें और एक भी मैच नहीं हारना, छोटी उपलब्धि नहीं है। आपने शानदार जीत दर्ज की।

विराट कोहली प्लेयर ऑफ दी मैच

विराट कोहली को प्लेयर ऑफ दी मैच दिया गया। विराट ने फाइनल मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 59 गेंदों का सामना किया, जिसमें 6 चौकों और दो छक्कों की मदद से 76 रन बनाये।

पांड्या ने चटकाये सबसे अधिक विकेट

भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट हार्दिक पांड्या ने चटकाये। उन्होंने 3 ओवर में 20 रन देकर तीन विकेट लिये, जबकि अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह ने दो-दो विकेट चटकाये। अक्षर पटेल ने एक विकेट लिये।

हेनरिक क्लासेन ने सबसे ज्यादा रन बनाया

दक्षिण अफ्रीका की ओर से हेनरिक क्लासेन ने सबसे ज्यादा रन बनाया। उन्होंने 27 गेंदों में 5 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 52 रन बनाये। डीकॉक ने 31 गेंदों में 4 चौकों और एक छक्के की मदद से 39 रन की पारी खेली। स्टब्स ने 21 गेंदों में 3 चौकों और एक छक्के की मदद से 31 रन की पारी खेली।

विराट कोहली ने कहा : यह हमारा आखिरी टी20

विराट कोहली ने मैच के बाद कह दिया है कि यह उनका आखिरी टी20 विश्व कप है। उन्होंने कहा- यह मेरा आखिरी टी20 वर्ल्ड कप था, हम यही हासिल करना चाहते थे। एक दिन आपको ऐसा महसूस होता है कि आप दौड़ नहीं सकते और ऐसा होता है, ऊपर वाला महान है। अभी नहीं तो कभी नहीं जैसी स्थिति थी। भारत के लिए खेलते हुए यह मेरा आखिरी टी20 मैच था। हम उस कप को उठाना चाहते थे। ऐसा कुछ नहीं जिसकी मैं घोषणा नहीं करने वाला था, भले ही हम हार गए हों। अगली पीढ़ी के लिए टी20 खेल को आगे ले जाने का समय। आईसीसी टूर्नामेंट जीतने का इंतजार करते हुए हमारे लिए यह एक लंबा इंतजार रहा है। आप रोहित जैसे खिलाड़ी को देखें, उसने 9 टी20 विश्व कप खेले हैं और यह मेरा छठा विश्व कप है। वह इसके लायक है।

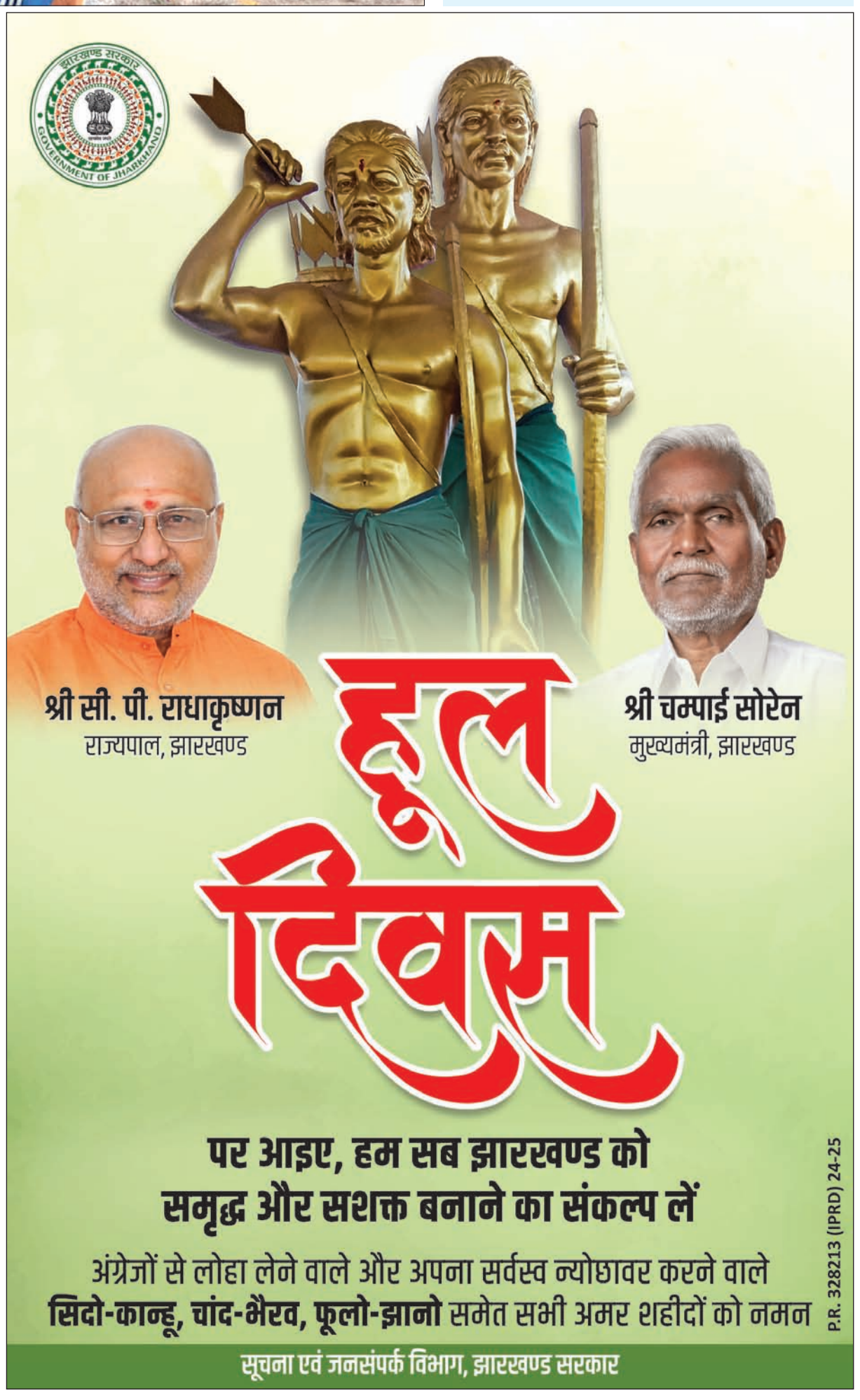

आजाद सिपाही
रांची, रविवार, 30 जून, 2024
www.azadsipahi.in
04

सीएम से चेंबर के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी : चंपाई सोरेन

सीएम ने डीजीपी को अपराध नियंत्रण के लिए दिये निर्देश

कानून और व्यवस्था बनाये रखने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से शनिवार को फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर्स ऑफ कॉमर्स और सोना-चांदी व्यवसायी समिति के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मुख्यमंत्री को राजधानी रांची में हो रही लूट, छिनतई और डकैती जैसी आपराधिक घटनाओं से अवगत कराया। साथ ही उसे नियंत्रित करने के लिए समुचित कदम उठाने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि पुलिस महानिदेशक को अपराध नियंत्रण के लिए कड़े निर्देश दे दिये गये हैं। उन्हें घटित आपराधिक घटनाओं का खुलासा कर उसमें संलिप्त अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार विधि-व्यवस्था को हर हाल में बनाये रखने के लिए प्रतिबद्ध है। आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वालों को किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जायेगा। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में झारखंड चेंबर्स ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष किशोर मंत्री, महासचिव परेश गट्टानी, कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण लोहिया, रोहित पोद्दार, कुणाल आजमानी, डॉ दिलीप सोनी, रवि कुमार पिंटू और जीतेंद्र कुमार वर्मा शामिल थे।

हेमंत-कल्पना से मिले अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम

रांची (आजाद सिपाही)। जेल से बाहर आने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का स्वागत करने वालों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। इसी क्रम में शनिवार को राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम भी श्री सोरेन के आवास पहुंचे और पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इस मौके पर गांडेय विधानसभा क्षेत्र की नवनिर्वाचित विधायक कल्पना सोरेन भी उपस्थिति थीं। श्री आलम ने कहा कि सत्य की हमेशा जीत होती है और भारतीय संविधान ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि निर्दोष के साथ कभी अन्याय नहीं होगा। उन्होंने इस बात के लिए भी श्री सोरेन की सराहना की कि जेल में रहकर भी उन्होंने झामुमो परिवार को एकजुट बनाये रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी। श्री आलम ने श्रीमती सोरेन का भी साधुवाद किया कि पति के जेल जाने के बाद भी उन्होंने मजबूती के साथ सांप्रदायिक ताकतों का डटकर मुकाबला किया और झारखंडी एकता को बिखरने नहीं दिया।

महत्वपूर्ण खबरें

2500 भक्तों ने लिया दुर्गा मंदिर का प्रसाद

रांची (आजाद सिपाही)। भुतहा तालाब के श्री चैती दुर्गा मंदिर में पिछले कई वर्षों से शनिवार को भंडारा का आयोजन किया जा रहा है। 28 जून को श्री चैती दुर्गा मंदिर भुताहा तालाब में भोग वितरण किया गया। 2500 से ज्यदा भक्तों ने भंडारे का महाप्रसाद प्राप्त किया। पुजारी सुभाष चंद्र मिश्रा के द्वारा भोग लगाया गया। विशाल कृष्णा के द्वारा भंडारा में चावल, दाल, तेल दिया गया और साथ ही महासमिति के अध्यक्ष शंकर दुबे के द्वारा मसाला, सब्जी दी गयी। अध्यक्ष शंकर दुबे, मुख्य संरक्षक किशोर साहू, रमेश सिंह, महामंत्री गोपाल पारीक, कोषाध्यक्ष संजय सिंह, राहुल सिंह, विशाल कृष्णा, शेखर गुप्ता, दिलीप गुप्ता, राजू चौरसिया, महेंद्र वर्मा, जयकांत चौधरी, नमन भारतीय, राहुल रजक, संजय तिवारी, करण सिंह, मोहित रजक, आयुष रजक समेत अन्य उपस्थित थे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में संगणक कक्ष का किया गया उद्घाटन

रांची (आजाद सिपाही)। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर धुर्वा में संगणक कक्ष का उद्घाटन आइसीएफएआइ के कुलपति डॉ रमन कुमार झा ने किया। कहा कि समय के बदलाव के साथ हमें भी बदलना है, अगर नहीं बदलते हैं, तो हम पीछे छूट जायेंगे। आत्मा के अनुसार चलेंगे, तो आपका विचार गलत नहीं हो सकता। आज का समय कृत्रिम बुद्धिमता का है। इस अवसर पर कंप्यूटर आचार्य रमाशंकर सिंह ने कंप्यूटर कक्ष में लगे संसाधनों और कंप्यूटर की तकनीकी जानकारी दी। प्राचार्य ललन कुमार ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर शिशु विकास मंदिर समिति झारखंड रांची के सहमंत्री डॉ धनेश्वर महतो, एस वेंकट रमन, आशीष नाथ शाहदेव, अमरकांत झा, लाल अशोकनाथ शाहदेव, नमदेश्वर मिश्र, विनोद कुमार सिंह, अजय कुमार, उप प्राचार्य मीना कुमारी उपस्थित रहीं।

ज्वेलर्स में लूट की घटना को लेकर विरोध मार्च, बंद रखी दुकानें

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। डीपी ज्वेलर्स में हुई लूट की घटना को लेकर सोना-चांदी व्यवसायी समिति के बैनर तले शहर के व्यवसायियों ने शनिवार को विरोध मार्च निकाला। साथ ही घटना के विरोध में शहर की सभी ज्वेलरी दुकानें बंद रखीं। सभी व्यवसायी अपर बाजार स्थित गांधी प्रतिमा के पास जुटे और विरोध स्वरूप काली पट्टी बांध कर शहर भर में मार्च किया। व्यवसायियों ने घटना का विरोध किया और रांची पुलिस को दो दिनों के अंदर अपराधियों को गिरफ्तार करने का अल्टीमेटम दिया।

सोना-चांदी व्यवसायी समिति के रवि कुमार सिंकू ने कहा कि शहर में दो बड़ी लूट की घटनाओं को अंजाम दिया गया है। इससे पहले रांची के पंडरा इलाके में एक ज्वेलर्स से लूट हुई थी और उसमें शामिल अपराधी अभी तक पकड़े नहीं गये हैं। वहीं अब एक और लूट की घटना को अंजाम दिया गया है। जिला प्रशासन पूरी तरह से फेल है। जल्द से जल्द अपराधियों को गिरफ्तार किया जाये। वहीं, दूसरी ओर कांग्रेस महानगर अध्यक्ष कुमार राजा ने कहा कि लूट की घटना में शामिल अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जायेगा। ऐसा आश्वासन पुलिस ने दिया है। बता दें कि शुक्रवार को रांची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के बिरसा चौक के पास स्थित डीपी ज्वेलर्स में अपराधियों ने लगभग एक करोड़ 40 लाख रुपये के जेवरात लूट लिये और फरार हो गये।

जगन्नाथपुर थाना के दो सब इंस्पेक्टर समेत 7 पुलिसकर्मी सस्पेंड

रांची (आजाद सिपाही)। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के बिरसा चौक के पास स्थित डीपी ज्वेलर्स में अपराधियों ने शुक्रवार को भीषण लूट की घटना को अंजाम दिया था। साथ ही लूट के दौरान अपराधियों ने दुकान के मालिक ओम वर्मा को गोली भी मारी थी। इस घटना पर एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने एक्शन लिया है। चंदन कुमार सिन्हा ने कार्य में लापरवाही बरतने वाले जगन्नाथपुर थाना के दो सब इंस्पेक्टर पंकज कुमार और शैलेंद्र सिंह समेत सात पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। इसमें एक वायरलेस पुलिसकर्मी इसके अलावा बाकी जमादार और सिपाही स्तर का पुलिसकर्मी शामिल है।

एक करोड़ 40 लाख रुपये की हुई थी लूटपाट

गौरतलब है कि बीते दिन जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के बिरसा चौक के पास स्थित डीपी ज्वेलर्स में अपराधियों ने एक करोड़ 40 लाख रुपये के जेवरात और तीन लाख रुपये नगद लूटकर फरार हो गए थे। इस दौरान जेवर दुकान के मालिक ओम वर्मा को लूट के दौरान अपराधियों ने गोली मार दी थी।

राजधानी में पुलिस सुरक्षित नहीं, तो आम लोगों का क्या हाल होगा : संजय सेठ

रांची (आजाद सिपाही)। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रांची में बढ़ती अपराधी घटना पर चिंता व्यक्त की। कहा कि राजधानी में पुलिस अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, तो आम लोगों का क्या हाल होगा। राजधानी रांची में अपराधी बेलगाम हो गये हैं। अपराधियों में प्रशासन का भय खत्म हो गया है। बता दें कि बिरसा चौक में ज्वेलर्स दुकान में कुछ अज्ञात अपराधियों द्वारा करीब डेढ करोड़ के आभूषण लूट लिये गये और ज्वेलर्स दुकान के संचालक रामनाथ वर्मा और उनके बेटे ओम वर्मा को गोली मारकर घायल कर दिया। दिल्ली से रांची पहुंचने पर साकेत नगर हिनू उनके आवास जाकर उनके परिवार जनों से मिलकर संजय सेठ ने घटना की पूरी जानकारी ली और पारस हॉस्पिटल जाकर घायलों से मिलकर उनका हाल जाना। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि इस सरकार में अपराधी को खुली छूट मिली हुई है। इधर एक महीने में कई लूट की वारदात को अंजाम दिया गया है। राजधानी में व्यापारी हो या आमजन, सब में भय व्याप्त है। पूरा सिस्टम ध्वस्त हो गया है। श्री सेठ ने प्रशासन से रांची में कानून व्यवस्था अविलंब दुरुस्त करने को कहा।

दहशत में जेवर व्यापारी, गिरफ्तारी की मांग

संजय सेठ और नवीन जयसवाल से मिले व्यवसायी।

रांची (आजाद सिपाही)। लगातार बढ़ रही आपराधिक घटना से सोना चांदी व्यवसायी दहशत में हैं। शनिवार को सुरक्षा और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और विधायक नवीन जयसवाल से मुलाकात की। साथ ही घटना को लेकर के विस्तृत चर्चा की। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा रांची महानगर अध्यक्ष गोपाल सोनी, जदयू के प्रदेश महासचिव संतोष सोनी, सोना चांदी व्यवसाय समिति के चुनाव पर्यवेक्षक उमेश प्रसाद, शंभू प्रसाद, मुकेश वर्मा, सुमित कुमार ने घटना की जानकारी दी।

सांसद संजय सेठ का सम्मान समारोह आज

रांची (आजाद सिपाही)। नयी दिशा के तत्वावधान में लालपुर स्थित लैंडमार्क होटल मे 30 जून को सम्मान समारोह का आयोजन होगा। इस कार्यक्रम मे केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ को शहर के विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया जायेगा।

शिक्षकों को भी एमएसीपी का लाभ दे सरकार: उर्दू शिक्षक संघ

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ ने राज्य के मुख्यमंत्री सहित सचिव, स्कूली-साक्षरता विभाग के निदेशक से वर्षों से लंबित प्रोन्नति देने की मांग की। ज्ञापन में शिक्षकों के लिए एमएसीपी का लाभ दिये जाने का आग्रह किया गया है। संघ के केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद ने कहा कि झारखंड में वर्षों से कार्यरत प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षकों को जटिल-अस्पष्ट प्रोन्नति नियमावली के कारण विभिन्न कोटि में प्रोन्नति अब तक लंबित है।

स्वावलंबी सहकारी समिति की आमसभा 7 को

रांची। अपराध अनुसंधान विभाग कर्मचारी गृह निर्माण स्वावलंबी सहकारी समिति के निदेशक मंडल की बैठक में तय हुआ कि 7 जुलाई को आमसभा होगी। आमसभा दिन के 11 बजे से पुलिस एसोसिएशन सभागार में होगी। यह जानकारी मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी रंजन कुमार ने दी।

जब नाश मनुष्य पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है : कुलपति

रांची (आजाद सिपाही)। स्नातकोत्तर हिंदी विभाग और राष्ट्रकवि दिनकर प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्वावधान में दिनकर की 50वीं पुण्य स्मृति पर रश्मिरथी संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि जब नाश मनुष्य पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है। उन्होंने कहा कि यह पंक्तियां हमें जीवन में अनुशासन और संस्कार सिखाते हैं। दिनकर एक कुशल राजनीतिज्ञ, प्रशासक, कवि, साहित्यकार के रूप में बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होने कहा कि जेपी आंदोलन में सिंहासन खाली करो कि जनता आती है, पंक्तियां काफी महत्वपूर्ण और सार्थक रही। आज भी इनकी कविताएं प्रासंगिक हैं। कुलपति ने कहा कि उनकी कविताओं में वीर रस झलकता था। उन्होंने दिनकर की पहली रचना रेणुका का उल्लेख करते हुए कहा कि यह तीस के दशक में प्रकाशित हुई थी और उनके द्वारा प्रकाशित हुंकार ने देश के युवाओं में एक ऊर्जा का संचार कर दिया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दिनकर के पौत्र ऋत्विक उदयन ने कहा कि रश्मिरथी संवाद के जरिये दिनकर साहित्य को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना चाहते हैं। इस शृंखला के तहत पूरे भारतवर्ष के विभिन्न संस्थानों में 50वीं पुण्य स्मृति पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। दिनकर प्रतिष्ठान के साकेत कुमार ने रश्मिरथी का पाठ करते हुए उसकी व्याख्या की। डॉ जंग बहादुर पांडेय ने दिनकर को आग और राग के कवि के रूप में व्याख्या की। इससे पहले हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ जिंदर सिंह मुंडा ने कहा कि दिनकर की लेखनी और करनी में समानता है। मौके पर डॉ मृत्युंजय कोइरी, डॉ जीतेंद्र सिंह, संगीता कुमारी, संजय, रेखा, सुधीर, प्रो राजेश कुमार सिंह समेत अन्य मौजूद थे।

मुख्यमंत्री से मिले शशिभूषण राय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि भूषण राय और जगदीश साहू ने शनिवार को राज्य के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से मुलाकात कर उनके नेतृत्व में महागठबंधन सरकार द्वारा जन-आकांक्षाओं पर किये जा रहे कार्यों के प्रति आभार जताया। मुख्यमंत्री ने जिस तरह से 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी, युवाओं के प्रति समर्पित रहते हुए बंपर वैकेंसी की कार्ययोजना बनायी, राज्य की मां-बहनों के लिए कल्याणकारी योजनाओं की शुरूआत करते हुए सीधे उनके खातों में राशि जमा करने का प्रावधान रखा और राजधानी रांची में फ्लाइओवर निर्माण की स्वीकृति दी गयी है, इससे राज्य और रांची के विकास को गति मिलेगी, महागठबंधन सरकार ने जनता की मांगों को बखूबी समझते हुए ये सभी निर्णय लिया जिसमें समाज के सभी वर्ग को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने जल्द ही ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया। मौके पर खूंटी सांसद कालीचरण मुंडा, विधायक इरफान अंसारी, विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी, विधायक राजेश कच्छप, विधायक भूषण बाड़ा ने शबाना खातून और मौलाना मदनी साहब भी मौजूद थे।

शानदार रहा सरला बिरला विवि का प्लेसमेंट

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। इस वर्ष भी सरला बिरला विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट रिकॉर्ड शानदार रहा है। अब तक विवि के विभिन्न संकायों के 318 छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट हो चुका है। यह प्रक्रिया अब भी जारी है। प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से एसबीयू के विद्यार्थियों को देश की नामी-गिरामी कंपनियों में काम करने का अवसर हासिल होगा। इससे अभिभावकों में भी खुशी की लहर है। विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग और प्लेसमेंट के डीन हरिबाबू शुक्ला ने बताया कि इस वर्ष प्लेसमेंट में संस्थान के छात्र को अधिकतम 10.92 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिला। इस वर्ष का औसतन पैकेज चार लाख रहा। इस बार संस्थान में रिकॉर्ड संख्या में देश-विदेश की कंपनियों ने प्लेसमेंट प्रक्रिया में भाग लिया। इस वर्ष टीसीएस, बिड़ला पेंट्स, श्याम स्टील, गोदरेज एंड बॉयस, एशियन पेंट्स, टीमकैन इंडिया, एसबीआइ जेनरल इंश्योरेंस समेत अन्य कंपनियों में प्लेसमेंट हुआ। इस अवसर पर कुलपति प्रो गोपाल पाठक ने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतिकुलाधिपति विजय कुमार दलान समेत डॉ प्रदीप वर्मा ने विद्यार्थियों की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया।

आजसू का हल्ला बोल कार्यक्रम

हर योजना में गड़बड़ी, नौकरशाह और सरकार की मनमानी चरम पर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी ने सरकारी योजनाओं में गड़बड़ी और सत्ता सिस्टम की मनमानी के खिलाफ चौथे दिन भी हल्ला बोल कार्यक्रम जारी रखा। अलग-अलग जगहों पर कार्यकर्ताओं ने भ्रष्टाचार के खिलाफ नारेबाजी की और पब्लिक के काम को लेकर सरकार का ध्यान खींचा।

आजसू पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कहा है कि सबसे ज्यादा प्रखंड और अंचल कार्यालयों में नौकरशाही, बिचौलिया गठजोड़ के चलते आम आदमी को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। अफसरों ने हर काम के लिए रेट फिक्स कर रखा है। अबुआ आवास योजना में पारदर्शिता नहीं है और यह योजना बाबूगीरी की भेंट चढ़ रही है। छात्रों को जाति, आवासीय प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अफसरों-कर्मचारियों के सामने चिरौरी करनी पड़ती है। सामाजिक सुरक्षा की तमाम योजनाओं में अनियमितता व्याप्त है। न समय पर राशन मिलता है और न ही जरूरतमंदों को पेंशन। सरकार की किसी भी योजना पर पकड़ नहीं है और सब कुछ झूठे वादे, कोरी घोषणाएं की होड़ मची है।

हल्ला बोल कार्यक्रम के तहत देवघर जिला के प्रखंड मनोहरपुर, प सिंहभूम के प्रखंड खूंटपानी, गुमला जिला के प्रखंड चैनपुर, धनबाद जिला के प्रखंड बलियापुर समेत कई प्रखंडों में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ पार्टी पदाधिकारियों द्वारा ज्ञापन सौंपा गया। यह जानकारी केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत ने दी।

कांटाटोली स्थित राजकीय मध्य विद्यालय का उद्घाटन

रांची (आजाद सिपाही)। कांटाटोली स्थित राजकीय मध्य विद्यालय को आदर्श विद्यालय बनाने का तत्कालीन उप महापौर के कार्यकाल में किया गया वादा महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंच गया। उप महापौर निधि और अन्य मदों से विद्यालय में अनेक कार्य कराये गये। इनमें क्लासरूम के लिए भवन निर्माण, बच्चों के वार्षिक कार्यक्रमों के लिए स्टेज का निर्माण, शेड का निर्माण और पूरे विद्यालय परिसर में पेवर्स ब्लॉक लगाने का काम शामिल है। इसके अलावा पीने के पानी के लिए बोरिंग की व्यवस्था भी नगर निगम के द्वारा करायी गयी। पिछले वर्ष विद्यालय में भवन, शेड और स्टेज के निर्माण का शिलान्यास किया गया था, जिसका उद्घाटन शनिवार को हुआ। संजीव विजयवर्गीय ने विद्यालय की वर्तमान स्थिति पर संतुष्टि जाहिर की। मौके पर पौधरोपण भी किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यालय की प्रिंसिपल बेतूल, पूर्व उपाध्यक्ष सहित कई शिक्षक और बच्चे उपस्थित रहे।

सीसीएल से सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गयी विदाई

रांची (आजाद सिपाही)। सीसीएल मुख्यालय दरभंगा हाउस के विभिन्न विभागों से सेवानिवृत्त हो रहे छह कर्मियों को विदाई दी गयी। इसमें मनोज कुमार प्रसाद, उदित प्रताप नारायण, विनय कांत सिन्हा, प्रदीप निरल टोप्पो, जूनिका परपिया, प्रेम सिंह शामिल हैं। जून महीने में सीसीएल से 86 कर्मचारी सेवा निवृत्त हुए हैं। इस अवसर पर महाप्रबंधक अधिकारी स्थापना संजय कुमार ठाकुर ने कर्मियों को शॉल, श्रीफल, पुष्प गुच्छ, स्मृति चिह्न, सम्मान पत्र, सर्विस सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। अवसर विशेष पर श्री ठाकुर ने कहा कि सभी अपने-अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें, जिससे कि दूसरे पर निर्भर नहीं रहना पड़े। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों के कार्यानुभवों पर एक शॉर्ट फिल्म प्रदर्शित भी की गयी। कार्यक्रम में केया मुखर्जी समेत अन्य मौजूद थे।

www.epaper.azadsipahi.in

30 जून, 2024
आषाढ़, कृष्ण पक्ष, नवमी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
रविवार, वर्ष 09, अंक 250

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

संथाल हूल शोषण मुक्त समाज के लिए लड़ी गयी एक बड़ी लड़ाई थी

पूर्व मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

अब विधानसभा चुनाव में होगा भाजपा का सफायाः हेमंत सोरेन

- लोकसभा चुनाव में जनता ने मारी लाठी
- कुछ दिन और जेल में रखते तो दीया जला कर ढूंढ़ने पर भी नहीं मिलती भाजपा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य में झारखंडी का ही शासन रहेगा। आनेवाली पीढ़ी, नौजवान, बहनों के लिए मार्ग प्रशस्त करना लक्ष्य है। षडयंत्रकारी षडयंत्र करते रहेंगे। उनका काम ही लोगों को बरगलाना है। 2024 के लोकसभा चुनाव में देश की जनता ने षडयंत्रकारियों को लाठी मारी है। लेकिन इसे ये मान नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे कुछ दिन और जेल में रखा जाता, तो दीया जला कर ढूंढ़ने पर भी भाजपा का पता नहीं चलता। हेमंत ने भाजपा को चुनौती देते हुए आगे कहा कि कल विधानसभा चुनाव की घोषणा करें। परसों झारखंड से भाजपा का सफाया हो जायेगा। हेमंत शनिवार को अपने कांके स्थित आवास में झामुमो कार्यकर्ताओं को बारिश में भीगते हुए संबोधित कर रहे थे। हेमंत ने इस दौरान भाजपा पर जम कर हमला किया। उन्होंने कहा कि विरोधियों को डर था, इसलिए षडयंत्र कर जेल भेजा गया। लेकिन अब बदलाव देखने को मिलेगा। षडयंत्रकारियों को मुहंतोड़ जवाब दिया जायेगा। बहुमत होने के बाद भी अपने बेइमान सहयोगियों के साथ मिल कर वे सत्ता में काबिज हैं, लेकिन समय एक जैसा नहीं रहता। लोगों को एकजुट रहना होगा, जिससे समय आने पर षडयंत्रकारियों को जवाब दिया जा सके।

बिरसा मुंडा को किया नमन

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन दिन के करीब 3.25 बजे बिरसा चौक पहुंचे। यहां उन्होंने धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी थीं। इसके बाद हेमंत ने कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया। हेमंत सोरेन करीब 10 मिनट तक बिरसा चौक में रहे। इस दौरान उनकी एक झलक पाने के लिए राज्य के विभिन्न जिलों से कार्यकर्ताओं का हुजूम पहुंचा था। हेमंत के जेल से बाहर आने की खुशी सभी के चेहरे पर साफ झलक रही थी। कार्यकर्ता काफी खुश और उत्साहित नजर आ रहे थे।

संवैधानिक संस्थाओं को भाजपा ने मुट्ठी में किया

हेमंत सोरेन ने कहा कि भाजपा ने संवैधानिक संस्थाओं को मुट्ठी में कर लिया है, लेकिन देश में लोकतंत्र जिंदा है। सबसे बड़ी अदालत जनता की अदालत है और जनता ने जवाब दे दिया है। विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जानकारी मिल रही है कि राज्य में जल्द से जल्द विधानसभा चुनाव कराने की योजना बनायी जा रही है। ऐसे में केंद्र सरकार को चुनौती है कि चुनाव की घोषणा जल्द से जल्द करें।

भाजपा के पाप का घड़ा भर गया: हेमंत सोरेन ने आगे कहा कि कोरोना वैक्सीन का घोटाला, नीट घोटाला, दिल्ली में एयरपोर्ट टर्मिनल का गिरना, देश में हो रहीं ट्रेन दुर्घटनाएं महज संयोग नहीं हैं। ये सब, दरअसल भाजपा के पाप का घड़ा फूटने के संकेत हैं। पूर्व सीएम ने कहा कि यह झारखंड की ताकत है कि वे यानी भाजपा के लोग आदिवासी को मुख्यमंत्री बना रहे हैं। लेकिन वे भाजपा के रबर स्टांप मुख्यमंत्री होते हैं। आकाओं के सामने उनका मुंह नहीं खुल पाता है। इसलिए भाजपा के शासन काल में स्थानीय, आदिवासी और मूलवासी मुद्दे दबे रह जाते हैं।

मुंगेरीलाल के हसीन सपने होंगे साबित

हेमंत सोरेन ने कहा कि भाजपा ने सीरिंज से लोगों का खून चूस लिया है। कई ऐसे वीर शहीद हैं, जो हमारे लिए प्रेरणा के स्त्रोत हैं। पूर्वजों के सपने को पूरा करने का काम करेंगे। भाजपा वाले विधानसभा जीत का जो सपना देख रहे हैं, वह मुंगेरीलाल के हसीन सपने साबित होंगे। संबोधन के दौरान हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, सांसद कालीचरण मुंडा, कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी, अनूप सिंह, राजेश कच्छप, सुप्रियो भट्टाचार्य, विनोद पांडेय समेत अन्य कई नेता मौजूद थे।

हूल दिवसः चंपाई, हेमंत और कल्पना आज आयेंगे भोगनाडीह

पूर्व मुख्यमंत्री यहां से शुरू करेंगे चुनावी उलगुलान

- हेमंत की 81 विधानसभा क्षेत्र जाने की है योजना
- बरहेट में सरकार की योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास और परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम भी होगा
- अधिकारियों ने भोगनाडीह और कार्यक्रम स्थल का लिया जायजा, तैयारी पूरी

आजाद सिपाही संवाददाता

साहिबगंज/रांची। आज हूल दिवस है। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन रविवार सुबह भोगनाडीह आयेंगे। वे यहां झारखंड के शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे।

चर्चा है कि इसी के साथ हेमंत सोरेन आगामी विधानसभा चुनाव के लिए यहां से उलगुलान करेंगे। इसके बाद उनका 81 विधानसभा के विभिन्न गांव और पंचायतों में जाने की योजना है। हेमंत के इस कार्यक्रम में चंपाई और कल्पना भी साथ देंगे। वहीं, बरहेट में सरकार द्वारा कई योजनाओं का शिलान्यास, उद्घाटन और परिसंपत्ति का वितरण किया जायेगा। अधिकारियों ने दोनों जगहों का जायजा लिया। प्रशासनिक स्तर पर तैयारी पूरी कर ली गयी है।

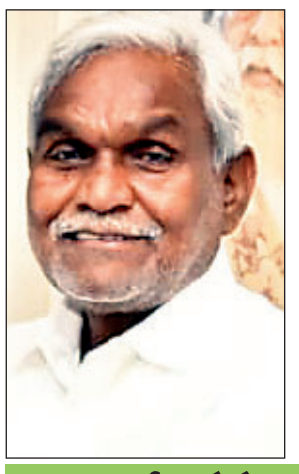

चंपाई करेंगे फूल-झानो प्रतिमा का अनावरण

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन रविवार को बरहेट के सिदो-कान्हू पार्क में फूल-झानो की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। यहां से वह पंचकठिया कठिया क्रांति स्थल जायेंगे। यहां सिदो-कान्हू के वंशजों के आवास जायेंगे। उनसे मुलाकात करेंगे। इसके बाद बरहेट के फुटबॉल मैदान के पास आयेंगे। यहां योजनाओं का शिलान्या-उद्घाटन और परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहां से दुमका होते हुए शाम को सरायकेला-खरसावां लौट जायेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री चुनावी बिगुल फूंकेंगे

गौरतलब है कि हेमंत सोरेन शुक्रवार को पांच महीने बाद जेल से बाहर आये हैं। शनिवार को रांची में कार्यकर्ताओं से मिले और बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर मल्यार्पण किया। अब शनिवार को भोगनाडीह जायेंगे। चर्चा है कि हेमंत का पूरा फोकस आगामी विधानसभा पर है। मौजूदा सरकार का कार्यकाल दिसंबर तक है। यानी विधानसभा चुनाव नवंबर-दिसंबर तक कराना है। हालांकि चर्चा है कि चुनाव सितंबर-अक्टूबर में कराया जा सकता है। लिहाजा इंडी गठबंधन को वह धार देंगे। वह रविवार को भोगनाडीह से विधानसभा चुनाव के लिए बिगुल फूंकेंगे। हेमंत संभवतः दुमका में रात्रि विश्राम करेंगे।

अधिकारियों ने की तैयारी

चंपाई, हेमंत और कल्पना रविवार को संताल में कई जगह जायेंगे। उनके आगमन को लेकर तैयारी पूरी कर ली गयी है। हूल दिवस की तैयारी को लेकर सिदो-कान्हू जन्मस्थली भोगनाडीह एवं पंचकठिया में लगातार जिला प्रशासन के अधिकारी पहुंच कर कार्यक्रम स्थल का जायजा ले रहे है। डीडीसी सतीश चंद्र, जिला परिवहन पदाधिकारी विष्णु देव कच्छप, एमवीआइ विजय गौतम, अंचल अधिकारी चोनाराम हेंब्रम, प्रखंड विकास पदाधिकारी अंशु कुमार पांडे, सहित कई पदाधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इसके अलावा बरहेट और दुमका समेत अन्य जगहों पर भी प्रशानिक तैयारी पूरी कर ली गयी है।

सीएम चंपाई सोरेन से मिला टाटा मोटर्स का शिष्टमंडल

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल बिजनेस यूनिट के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर गिरीश वाघ के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। इसे शिष्टाचार भेंट बताया गया।

सीएम से मिले पोटका विधायक

क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण का किया आग्रह

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से शनिवार को बूटी रोड मोरहाबादी रांची स्थित आवास में पोटका विधायक संजीव सरदार ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री को विधायक संजीव सरदार ने पोटका विधानसभा क्षेत्र की जनसमस्याओं से अवगत कराते हुए उनके निराकरण का आग्रह किया। मुख्यमंत्री से उन्होंने पूर्वी सिंहभूम जिले में सर्वेक्षण के आधार पर जनजातीय- क्षेत्रीय भाषा के संवर्द्धकरण के लिए चिह्नित विद्यालयों में जनजातीय-क्षेत्रीय भाषा शिक्षक चयन प्रक्रिया में आ रही विसंगतियों को दूर करने का भी निवेदन किया है। मुख्यमंत्री ने सभी समस्याओं को प्राथमिकता के तौर पर निदान किये जाने का भरोसा उन्हें दिया है।

हेमंत की रिहाई से झामुमो कार्यकर्ताओं में जोश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के जेल से रिहा होने के बाद झामुमो कार्यकर्ता उत्साहित हैं। वे उनके आगमन पर जश्न मना रहे हैं। अदालत से जमानत मिलने के बाद से ही रांची की सड़कों पर उनके पोस्टर लगने शुरू हो गये थे। राजधानी रांची की सड़कों पर शनिवार को उनके समर्थन में बैनर-पोस्टर लगे दिखायी पड़े। बता दें कि 31 जनवरी की रात को इडी ने जमीन घोटाले के आरोप में हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया था। तब से वे बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद थे। करीब पांच महीने बाद 28 जून को झारखंड हाइकोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी। सीपीआइ महासचिव डी राजा ने इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अदालत का यह फैसला स्वागत योग्य है। केंद्र सरकार विपक्षी दलों को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। उनकी रिहाई से इंडी गठबंधन और मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि न्याय की जीत होगी, सच्चाई की जीत होगी।

जेएमएम सांसद महुआ मांझी ने शनिवार को कहा कि हेमंत सोरेन झारखंड में बहुत लोकप्रिय नेता हैं। लोकसभा चुनाव में उनकी अनुपस्थिति के बावजूद जनता ने हमारा समर्थन किया। जेल से उनकी रिहाई के बाद काफी उत्साह है। लोकप्रिय नेता हेमंत सोरेन को गिरफ्तार करके वोट बटोरने की भाजपा की साजिश विफल रही है।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति), पूर्व मध्य रेलवे, धनबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है दिनांक:27.06.2024

क्रम संख्या: 1, ई–निविदा संख्या: 05-GS-DHN-2024-25, **कार्य का नाम, स्थान तथा समापन अवधि:** धनबाद–चन्द्रपुरा अनुभाग में रोड अंडर ब्रिज द्वारा लेवल क्रॉसिंग संख्या 3/ए/3टी, 4/ए/2टी, 6/सी/3टी, 6ए/ए/टी, एमसी–7 और जेके 07–08 का उन्मूलन 18 (अठारह) महीने, **कार्य की अनुमानित लागत (रूपये में):** 36,32,51,494.97/–, **ब्याने की राशि (रूपये में):** ब्याने की राशि (रूपये में) http://www.ireps.gov.in पोर्टल पर दिखाये राशि के अनुसार लागू, **निविदा बंद होने एवं खुलने की तारीख एवं समय:** ई–निविदा बद होने की तारीख 22.07.2024 को 17:00 बजेतक ई–निविदा खुलने की तारीख 23.07.2024 को 12.00 बजे से, **वेबसाईट का विवरण:** http://www.ireps.gov.in ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।

नोट (i) हिन्दी और अंग्रेजी भाषा में सूचना में अंतर होने पर अंग्रेजी भाषा में सूचना ही मान्य होगी। (ii) प्रत्याशित निविदादाताओं को यह सलाह दी जाती है कि इस ई–निविदा की जारी होने की कोई भी परिवर्तन और शुद्धि पत्र की ओर ध्यान देने के लिए निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम पंद्रह दिन पहले वेबसाइट http://www.ireps.gov.in अवलोकन करें।

मुख्य परियोजना प्रबंधक (गतिशक्ति)
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/00595/डीएचएनजीएस/ईएनजीजी/टी/24–25/36

झारखंड चुनाव सह प्रभारी जनजातीय नेताओं से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की

लोकसभा चुनाव में जनता ने बता दिया यहां की सरकार से खुश नहीं है : हिमंता

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा नेता सक्रिय हो गये हैं। इसे लेकर असम के मुख्यमंत्री सह झारखंड भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा शनिवार को रांची पहुंचे। उन्होंने भाजपा के प्रमुख जनजातीय नेताओं से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की। एयरपोर्ट से वे सबसे पहले सीधे सीता सोरेन के आवास पर गये। इसके बाद भाजपा एसटी मोर्चा के अध्यक्ष समीर उरांव से मुलाकात की। इसके बाद अरुण उरांव, सुदर्शन भगत से मिले, इसके बाद गीता कोड़ा और पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा से उनके रांची स्थित आवास पर मिले। उनके साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी और प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह मौजूद थे। मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि झारखंड प्रदेश का चुनाव सह प्रभारी अभी अभी बना हूं। इसे समझने और जानने के लिए यहां के नेताओं से मुलाकात कर रहा हूं। यहां की स्थिति परिस्थिति समझने के बाद आगे क्या निर्णय होना चाहिए, इसपर विचार करेंगे। हेमंत सोरेन की जमानत को लेकर किये गये सवालों का भी जवाब दिया। हिमंता बिस्वा सरमा ने हेमंत सोरेन की जमानत पर कहा कि हर दिन कई लोग जेल जाते हैं और हर दिन कई लोगों को बेल मिलती है। इसका काउंटिंग करना भाजपा का काम नहीं है। उन्होंने हेमंत की गिरफ्तारी के पीछे साजिश के सवाल पर कहा कि यह तब सही लगता जब झारखंड में भ्रष्टाचार नहीं होता। यहां तो भ्रष्टाचार चरम पर है। आपराधिक घटनाएं बढ़ीं हैं। पेपर लीक हो रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड में हुए लोकसभा चुनाव में लोगों ने भाजपा के पक्ष में वोट देकर आखिर क्या मैसेज दिया। लोगों ने बताया कि वह यहां की सरकार से खुश नहीं है। हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि संथाल में घुसपैठ रुकवाना, लव जिहाद को रुकवाना हमारी पार्टी की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कोई गलत तरीके से घुसपैठ कर यहां की आदिवासी लड़कियों से शादी ना करे, इसे रोकना है। भाजपा के मेनिफेस्टो में इस मुद्दे को शामिल किया जायेगा। उन्होंने कहा कि झारखंड में मुख्य मुद्दा बेरोजगारी, विकास और घुसपैठ है। उन्होंने कहा कि झारखंड में झामुमो, कांग्रेस और राजद से गठजोड़ वाली सरकार में भ्रष्टाचार भी चरम पर है। अब मुख्य मुद्दा क्या बनेगा, इसपर रणनीति बनेगी। उन्होंने कहा कि इस बार झारखंड में भाजपा की सरकार बनेगी।

अर्जुन मुंडा से मिले विश्वा सरमा

रांची। असम के मुख्यमंत्री सह विधानसभा चुनाव के सह प्रभारी हिमंत विस्वा सरमा पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा से उनके रांची स्थित आवास पर मिले। उनके साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी और प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह थे।

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से शनिवार को बूटी रोड मोरहाबादी रांची स्थित आवास में पोटका विधायक संजीव सरदार ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री को विधायक संजीव सरदार ने पोटका विधानसभा क्षेत्र की जनसमस्याओं से अवगत कराते हुए उनके निराकरण का आग्रह किया। मुख्यमंत्री से उन्होंने पूर्वी सिंहभूम जिले में सर्वेक्षण के आधार पर जनजातीय- क्षेत्रीय भाषा के संवर्द्धकरण के लिए चिह्नित विद्यालयों में जनजातीय-क्षेत्रीय भाषा शिक्षक चयन प्रक्रिया में आ रही विसंगतियों को दूर करने का भी निवेदन किया है। मुख्यमंत्री ने सभी समस्याओं को प्राथमिकता के तौर पर निदान किये जाने का भरोसा उन्हें दिया है।

शपथ पत्र

शपथ पत्र के अनुसार मैं एतवारी उरांव, पति स्वर्गीय गोपाल उरांव, पता आदर्श नगर बीएस कॉलेज रोड जुरिया, पोस्ट जुरिया, थाना लोहरदगा, जिला लोहरदगा, झारखंड की निवासी हूं। मेरे पति सेना में कार्यरत थे ।जिनका सेना नंबर JC559008-M है। सर्विस सेवा पुस्तिका में एवं पीपीओ में मेरी जन्म तिथि 16.07.1963 दर्ज है। जबकि, मेरी वास्तविक जन्म तिथि 16.07.1965 है, जो सही व सत्य है। जन्म तिथि 16.07.1963 और 16.07.1965 दोनों एतवारी उरांव के जन्म तिथि से संबंधित हैं। दिनांक-11 जून 2024 को शपथ पत्र क्रमांक CF No- 175 संपादित किया गया।

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 25870 Dated 27.06.2024, I Amardeep Kumar son of Arjun Roy Resident at Present Doranda P.O & P.S. Doranda, District Ranchi 834002 do hereby solomnly affirm and declare as follows:
1. that I am an indian. 2. That Previously I was residing at indrapuri colony Baraganda, Argha Ghat Giridih, 815301. Mentioned in ahdar card. 3. that I Have shifted at my new present address at first floor flat no. 104, Ishani Aparment anantpur, doranda, P.o. & P.s. doranda, Dist.- Ranchi - 834002, 4. That need of the affidavit for publication of my new present in news paper for witch this Affidavit is being sworn by me.

नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में सख्ती

इस वर्ष नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा मेडिकल के विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 5 मई को ली गयी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा नीट यूजी-2024 का परिणाम विवादों में है तथा इसके तार अलग-अलग राज्यों से जुड़े हुए हैं। शुरू में बिहार और गुजरात और बाद में झारखंड में इसका पेपर लीक होने के आरोप लगे थे, परंतु 4 जून को इसके नतीजों में एक ही सेंटर से कई-कई टॉपर निकलने और 67 छात्रों को 720 में से 720 अंक मिलने, ग्रेस मार्क्स देने व पेपर लीक जैसे मुद्दे सामने आने के बाद अब यह मामला अदालत में पहुंच चुका है। उक्त परीक्षा में भ्रष्टाचार का अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि सबसे पहले नीट प्रश्नपत्रों के अवैध धंधे में मुख्य संदिग्ध के रूप में गिरफ्तार एक आरोपी ने पुलिस को बताया कि प्रश्नपत्र के लिए उसने 4 उम्मीदवारों से 40-40 लाख रुपए लिये। एनटीए राष्ट्रीय स्तर की नीट और नैट जैसी 15 भर्ती परीक्षाएं आयोजित करती है। मात्र 9 दिनों में इसे यूजीसी नेट सहित 3 परीक्षाएं रद्द या स्थगित करनी पड़ी हैं तथा इसमें व्याप्त अनियमितताओं को देखते हुए लोगों ने इसे नो ट्रस्ट एजेंसी कहना शुरू कर दिया है। प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया है कि भाजपा के राज में पेपर लीक होना राष्ट्रीय समस्या बन गया है। इस तरह के हालात के बीच 23 जून को प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ को लेकर आलोचना का सामना कर रही केंद्र सरकार ने एनटीए के महानिदेशक सुबोध सिंह को उनके पद से हटा दिया है। बिहार एसआइटी की जांच में नीट-यूजी की परीक्षा से पहले कथित रूप से नकली परीक्षा लिये जाने का मामला भी सामने आया है। इसके साथ ही नीट-यूजी में अनियमितताओं की जांच सीबीआइ को सौंपने के अलावा शिक्षा मंत्रालय ने एनटीए के कामकाज की समीक्षा और परीक्षा सुधारों की सिफारिश करने के लिए इसरो के पूर्व प्रमुख के राधाकृष्णन की अध्यक्षता में 7 सदस्यीय कमेटी का गठन भी कर दिया है। इस बीच 21 जून को केंद्र सरकार द्वारा पारित पेपर लीक विरोधी लोक परीक्षा कानून-2024 लागू होने के बाद सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों के इस्तेमाल पर 3 से 5 वर्ष तक कैद व 10 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाने के अलावा ऐसे संगठित अपराध में शामिल लोगों को कैद के अलावा न्यूनतम 1 करोड़ रुपये के जुर्माने का प्रावधान कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने भी कठोर रवैया अपनाते हुए उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अध्यादेश 2024 को मंजूरी दे दी है। इसके अंतर्गत अब 2 वर्ष से लेकर उम्र कैद तक की सजा और एक करोड़ रुपये जुर्माने का प्रावधान कर दिया गया है।

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने भी कठोर रवैया अपनाते हुए उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अध्यादेश 2024 को मंजूरी दे दी है। इसके अंतर्गत अब 2 वर्ष से लेकर उम्र कैद तक की सजा और एक करोड़ रुपये जुर्माने का प्रावधान कर दिया गया है।

अभिमत
आजाद सिपाही

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से शुरू की गयी पीएम-किसान योजना का उद्देश्य भूमिधारक किसानों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करना है। तीन बराबर किस्तों में वितरित 6,000 रुपये के वार्षिक लाभ के साथ, यह योजना किसानों को आवश्यक कृषि व्यय पूरा करने और साहूकारों पर निर्भरता से बचाने में मदद करती है। यह वित्तीय सहायता परिवर्तनकारी सिद्ध हुई है, जिससे किसान उपकरण, बीज, उर्वरक, कीटनाशक एवं अन्य कृषि इनपुट में निवेश करने में सक्षम हुए हैं और फसल की पैदावार, कृषि उत्पादकता एवं स्थिरता में वृद्धि हुई है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि : भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में परिवर्तनकारी कदम

डॉ एमएल जाट

फरवरी 2019 में भारत सरकार द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना, देश भर के किसानों को प्रत्यक्ष आय सहायता प्रदान करने के लिए तैयार की गई है; और यह कृषि उत्पादकता में वृद्धि करने तथा ग्रामीण समुदायों की वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस पहल का उद्देश्य किसानों को प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण प्रदान करके उनकी आय में वृद्धि करना है ताकि उनकी ग्रामीण आजीविका में सुधार हो सके।

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से शुरू की गयी पीएम-किसान योजना का उद्देश्य भूमिधारक किसानों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करना है। तीन बराबर किस्तों में वितरित 6,000 रुपये के वार्षिक लाभ के साथ, यह योजना किसानों को आवश्यक कृषि व्यय पूरा करने और साहूकारों पर निर्भरता से बचाने में मदद करती है। यह वित्तीय सहायता परिवर्तनकारी सिद्ध हुई है, जिससे किसान उपकरण, बीज, उर्वरक, कीटनाशक एवं अन्य कृषि इनपुट में निवेश करने में सक्षम हुए हैं और फसल की पैदावार, कृषि उत्पादकता एवं स्थिरता में वृद्धि हुई है।

भारत सरकार पीएम-किसान योजना को परिष्कृत और विस्तारित करने का काम जारी रखे हुए है।

पीएम-किसान योजना प्रारंभ होने के बाद से 11 करोड़ से अधिक किसानों को 3.02 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वितरण किया गया है, जो इस योजना के तहत 16वीं किस्त के माध्यम से भारतीय कृषि में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इसके अलावा, हाल ही में 20,000 करोड़ रुपये की 17वीं किस्त ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है, जिससे कुल वितरण 3.24 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर इस योजना का आर्थिक प्रभाव और पहुंच गहरी रही है। अंतर्राष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आईएफपीआरआई) के एक अध्ययन में पाया गया कि उत्तर प्रदेश में पीएम-किसान लाभार्थियों को बिना किसी लीकेज के पूरी राशि प्राप्त हुई, जिससे कृषि में निवेश करने की उनकी क्षमता में काफी सुधार हुआ। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में 3.24 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सहायता से न केवल किसानों की वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा मिला है, बल्कि स्थानीय बाजारों और सेवाओं को भी गति मिली है।

लाभार्थियों की सहायता के लिए, पीएम-किसान योजना में अनेक अभिनव सहायता पहल शामिल हैं। समर्पित वेब पोर्टल, मोबाइल एप्लिकेशन और एसएमएस अलर्ट किसानों को अपनी स्थिति को ट्रैक करने, ई-केवाईसी पूरा करने और उनकी शिकायतों को दूर करने में सक्षम बनाते हैं।

पीएम-किसान योजना सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के प्रभावी एकीकरण के कारण सबसे अलग है। इस योजना में किसानों के बैंक खातों में सीधे, पारदर्शी और समय पर धन वितरण सुनिश्चित करने के लिए प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) तंत्र का उपयोग किया जाता है। आधार, सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के साथ एकीकरण द्वारा सुगम यह विधि धोखाधड़ी के जोखिम को कम करती है और यह सुनिश्चित करती है कि इसका लाभ इच्छित प्राप्तकताओं तक पहुंच सके। इस योजना के लिए विशेष रूप से शुरू किया गया पीएम-किसान पोर्टल लाभार्थियों को वैधीकृत करने के लिए विभिन्न डेटा बिंदुओं को एकीकृत करता है, जिससे पात्र किसानों को लाभ प्रदान करना सुनिश्चित हो पाता है। इसके अतिरिक्त, आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य हो गया है, जिससे पारदर्शिता और दक्षता में अतिरिक्त वृद्धि हुई है।

लाभार्थियों की सहायता के लिए, पीएम-किसान योजना में अनेक अभिनव सहायता पहल शामिल हैं। समर्पित वेब पोर्टल, मोबाइल एप्लिकेशन और एसएमएस अलर्ट किसानों को अपनी स्थिति को ट्रैक करने, ई-केवाईसी पूरा करने और उनकी शिकायतों को दूर करने में सक्षम बनाते हैं। ₹अपनी स्थिति जानें₹ (केवाईएस) मॉड्यूल किसानों को एक क्लिक पर उनके पंजीकरण और लाभ की स्थिति का व्यापक अवलोकन प्रदान करता है। इसने किसानों को रियल टाइम जानकारी प्रदान करके सशक्त बनाया है और बिचौलियों पर उनकी निर्भरता कम कर दी है। इसके अलावा, एआई-संचालित चैटबॉट किसान ई-मित्र की शुरूआत ने किसानों के लिए सहायता में क्रांतिकारी बदलाव किया है, जो 11 भाषाओं में रियल टाइम सहायता प्रदान करता है। यह सेवा, 5 लाख से अधिक कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) और भारतीय डाक भुगतान बैंक (आईपीपीबी) के साथ मिलकर, योजना से संबंधित सेवाओं को किसानों के दरवाजे तक पहुंचाती है, जिससे समावेशिता और पहुंच सुनिश्चित होती है।

आगे की राह : भारत सरकार पीएम-किसान योजना को परिष्कृत और विस्तारित करने का काम जारी रखे हुए है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंग के रूप में, इस राष्ट्रव्यापी अभियान का लक्ष्य सभी पात्र किसानों को शामिल करना है, जिसमें 1 करोड़ से अधिक अतिरिक्त किसान पहले ही लाभान्वित हो चुके हैं। किसान कॉल सेंटर और फील्ड सर्वेक्षणों के माध्यम से निरंतर फीडबैक यह सुनिश्चित करता है कि यह योजना अपने लाभार्थियों की जरूरतों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए विकसित हो सके। इस योजना का मजबूत शिकायत निवारण तंत्र, जिसकी समाधान दर लगभग 99% है, किसानों की समस्याओं का त्वरित निपटान करने की इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। गांव-स्तर के नोडल अधिकारी जमीनी स्तर पर सहायता प्रदान कर रहे हैं, जिससे योजना की पहुंच और प्रभावशीलता में वृद्धि हो रही है। जैसे-जैसे पीएम-किसान अपने अगले चरण में प्रवेश कर रहा है, इस बात पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है कि हर पात्र किसान को इस योजना का लाभ मिल सके। वित्तीय सहायता, तकनीकी एकीकरण और निरंतर नवाचार के मिश्रण के साथ, पीएम-किसान भारत की कृषि और ग्रामीण विकास कार्यनीति का एक प्रमुख आधार बना रहेगा, जो एक आत्मनिर्भर और समृद्ध कृषक समुदाय को बढ़ावा देगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग के साथ डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) पर भारत सरकार की पहल के साथ पीएम-किसान को जोड़ने से इस योजना के वितरण को और मजबूती मिलेगी।

(लेखक : ग्लोबल सिरर्च प्रोग्राम ऑन रेसिलिएंट फार्म एंड फूड सिस्टम्स, इंटरनेशनल क्रॉप्स सिरर्च इंस्टीट्यूट फॉर द सेमी-एरिड ट्रापिक्स (इक्रीसैट), हैदराबाद के निदेशक हैं।)

जमशेदपुर की खबरें

पानी की समस्या पर टूटा जनता का सब्र थाली, गमला, बाल्टी के साथ प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

अदित्यपुर। पानी की समस्या पर आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र की जनता का सब्र अब टूटने लगा है। शनिवार को भाजपा जिला अध्यक्ष उदय सिंह देव के नेतृत में सैकड़ो जनता थाली, बर्तन और बाल्टी लेकर आदित्यपुर नगर निगम कार्यालय का घेराव करते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान नगर निगम के निवर्तमान मेयर विनोद कुमार श्रीवास्तव ने तबियत बिगड़ ने की जानकारी देकर आंदोलन में नही रहे। उधर एक तरह भीषण गर्मी में जनता पानी की किल्लतो से लगातार जूझ रहे, वही प्रशासक अब तक हर संभव जल संकट दूर करने की प्रयास में लगे रहे। जिसके कारण आज राज्य सरकार के वादों से 70% से भी अधिक स्थानीय लोग काफी मायूस होकर पानी की समस्या से जूझ रहे। वैसे आदित्यपुर नगर निगम क्षेत्र घनी आबादी वाली

क्षेत्र है। लगभग 2.5 लाख से भी अधिक जनसंख्या है। लगभग 35 वार्ड की जनता पानी को लेकर त्राहिमाम कर रही है। जिला अध्यक्ष उदय सिंह देव ने कहा कि नगर निगम प्रशासन भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबी हुई है। एक तरफ जनता पानी को लेकर त्राहिमाम है। दूसरी तरफ सरकार ने जनता पर बढ़े हुए होल्डिंग टैक्स का बोझ थोप दिया। साथ ही साफ सफाई के नाम पर खानापूर्ति हो रही है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा यदि जल्द से जल्द पानी की समस्या का समाधान नहीं होता तो आने वाले दिनों में भाजपा उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। वहीं भाजपा नेता गणेश महाली ने कहा यदि जनता की समस्याओं का सामाधन नहीं हुआ तो अब भाजपा चुप नहीं बैठेगी।सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन होगा। बीते 10 साल से लगातार जनता से जुड़े मुद्दों में सक्रिय रहे। बड़े शर्म की बात है स्थानीय विधायक आज राज्य का मुखिया है। लेकिन यहां की जनता मूलभूत सुविधा से बंचित है। चारो तरफ गंदगी का अंबार लगा है। अगर 10 दिनों के अंदर समस्याओं का समाधान नहीं निकला तो उग्र आंदोलन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पूर्व की रघुवर सरकार में सीवरेज, ड्रेनेज और पानी की समस्याओं के काम को तीव्र गति दिया गया था, लेकिन गठबंधन की सरकार में काम धीमा पड़ गया। मौके पर भाजपा नेता रमेश हांसदा आदित्यपुर नगर निगम के पूर्व उप महापौर अमित सिंह, कुमुद रंजन, ललन तिवारी, राकेश मिश्रा, राकेश सिंह, कृष्ण मुरारी झा, ललन शुक्ला,अमितेश अमर, विद्यासागर दुबे,अभिषेक गुप्ता सावन, अशोक सिंह, पवन महतो, विजय कुमार, पूर्व पार्षद बोरजो राम हांसदा, राजरानी महतो, अभिजीत महतो, नील पद्मा विश्वास,जूली महतो, रंजन सिंह, प्रभासिनी कालूंडिया, नथुनी सिंह,रिंकू राय सहित क्षेत्र की जनता मौजूद रही।

कोल्हान प्रमंडल की प्रतिभा चयन ट्रायल प्रतियोगिता में सैकड़ों खिलाड़ी हुए शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। लौहनगरी जमशेदपुर में झारखंड सरकार के पर्यटन, कला, संस्कृति, खेलकूद और युवा कार्य निदेशालय की ओर से जिला प्रशासन और पूर्वी सिंहभूम खेल शाखा के संयुक्त तत्वाधान में कोल्हान प्रमंडल के युवा - युवतियों के लिए एक दिवसीय प्रतिभा चयन ट्रायल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के माध्यम से आवासीय क्रीडा प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षुओं के रिक्त स्थानों को पूरा किया जायेगा। मौके पर पूर्वी सिंहभूम जिला के खेल पदाधिकारी अविनेश त्रिपाठी, सरायकेला खरसावां के खेल पदाधिकारी अमित कुमार व पश्चिमी सिंहभूम जिला के राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रशिक्षक हरिंदर सिंह उपस्थित रहे। बालक और बालिका फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए तीनप्लेट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और तीरंदाजी के लिए बमार्माइन्स एईसी ग्राउंड में प्रतिभा चयन ट्रायल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मौके पर तीनो जिले के सैकड़ो इच्छुक प्रतिभागी भाग लिए। फुटबॉल में लगभग 450 प्रतिभागी और तीरंदाजी के लिए 180 प्रतिभागी शामिल हुए। चयन प्रतियोगिता के परिणाम समग्र जांच परीक्षाओं के उपरांत अंकों के आधार पर किया जायेगा। चयनित प्रतिभागियों को विभाग से अनुमोदन प्राप्त कर संपर्क किया जायेगा। मौके पर एस के शर्मा, डब्लू रहमान, एम अरशद दिगंबर मिश्रा, सपन,आमिर सेन सुंडी और जिला स्वास्थ्य विभाग के विशेष टीम शामिल रहे।

विधायक भूषण बाड़ा ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात कर दी बधाई

गुमला(आजाद सिपाही)। सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने शनिवार को पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात कर जमानत मिलने के लिए उन?हें बधाई दी। मौके पर हेमंत सोरेन ने भी भूषण बाड़ा का अभिवादन करते हुए सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया। भूषण बाड़ा ने कहा कि पूर्व सीएम हेमंत सोरेन राज?य के विकास के लिए लगातार कार्य कर रहे थे और हर वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए योजना बना रहे थे। हेमंत सोरेन की बढ़ती लोकप्रियता से घबरा कर विपक्षी पार्टियों ने षडयंत्र रचकर हेमंत सोरेन को जेल भेजने का काम किया। लेकिन इतिहास गवाह है कि सच को परेशान किया जा सकता है, लेकिन पराजित नहीं। पुरे झारखंड को न?यायालय पर भरोसा था और अंततः न?यायालय ने भी हेमंत सोरेन को जमानत देकर सभी आरोपों को खारिज कर दिया। उन?होंने कहा कि अब इंडिया गठबंधन दोगुणी ताकत और उर्जा के साथ जनता की समस?या को दूर करने के लिए काम करेगी और विरोधियों को कड़ा जवाब दिया जाएगा। इधर विधायक भूषण बाड़ा ने विधायक कल?पना सोरेन से भी मिलकर उन?हें बधाई दी और उनके संघर्ष के प्रति आभार जताया। मौके पर उपस्थित जिप सदस?य जोसिमा खाखा ने भी पूर्व सीएम हेमंत सोरेन एवं गांडेय विधायक कल्पना सोरेन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि झारखंड के शेर जेल से बाहर निकल आया है। अब राज्य का चहुमुखी विकास होगा।

कृषि क्षेत्र में अपार संभावनाएं, योजनाओं से किसानों को जोड़ें : डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पीएम कुसुम योजना में प्रगति को लेकर डीसी अनन्य मित्तल और डीडीसी मनीष कुमार ने संबंधित पदाधिकारी के साथ बैठक की। शनिवार को बैठक के दौरान योजना में प्राप्त आवेदन पर प्रगति की समीक्षा की। किसानों को सिंचाई के लिए सब्सिडी पर सोलर पंप सेट उपलब्ध कराने की योजना में 573 का लक्ष्य रखा गया। जबकि प्रखंडों से सत्यापित 1107 आवेदन प्राप्त किया गया। डीसी ने जिला कृषि पदाधिकारी को सभी आवेदनों पर जांचोंपरांत योग्य

लाभुकों को योजना से आच्छादित करने का निर्देश दिया। मौके पर डीसी ने कहा कि जिले में कृषि क्षेत्र के लिए अपार संभावनाएं हैं। लेकिन सिंचाई की पर्याप्त सुविधा नहीं होने के कारण किसान अच्छे से खेती नहीं कर पाते। ऐसे में यह योजना काफी कारगर साबित होगी। किसान सिंचाई के लिए बिजली मिलने के साथ रोजमर्रा की जरूरतें भी पूरी कर सकेंगे। डीसी ने कहा किसानों को खेती कार्य के लिए बारीश के पानी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। सालों भर खेत में रबी व खरीफ फसल तथा सब्जी, फूल व अन्य उत्पादन कर योजना का लाभ लेने से किसानों को काफी फायदा होगा। साथ ही उन्हें महंगे ईंधन और बिजली के दामों से मुक्ति मिलेगी। उनकी कृषि लागत में कमी आएगी और कमाई बढ़ेगी। उन्होंने कहा योजना का लाभ लेने के लिए किसानों को पहचान पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र,जमीन की रसीद व नोटरी द्वारा अटेस्टेट किया हुआ एक घोषणा पत्र देना होगा। योजना का लाभ एक परिवार में एक ही व्यक्ति को मिलेगा। जिला कृषि पदाधिकारी ने कहा किसान के आवेदन पर स्वीकृति हो चुकी है। सभी अपना अंशदान ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन सुनिश्चित कर सकते है।

मंगल कालिंदी ने कैरेज कॉलोनी में सड़क और हाइमास्ट लाइट का किया शिलान्यास

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र में विधायक के अनुसंसा पर नगर विकास विभाग और जेएनएससी के द्वारा बमार्माइन्स कैरेज कॉलोनी और टीनाखोली में विभिन्न सड़क निर्माण व 5 हाईमास्ट लाईट लगाने का कार्य शुरू किया गया। शनिवार को विधायक मंगल कालिंदी ने जनता के बीच उपस्तित होकर विकास कार्य का शिलान्यास किया। मौके पर बलदेव दास,राजू मुखी, बुच्चु

मुखी,हरि मंदिर और साईं मंदिर के बीच सहित छठ घाट हनुमान मंदिर के समीप सड़क और 5 हाईमास्ट लाईट के लिए काम शुरू किया गया। विधायक ने कहा सभी पथ निर्माण होने से क्षेत्र की जनता को आने जाने में राहत मिलेगी। उन्होंने कहा जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र में जनता को मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न मद की राशि से विकास योजनाएं संचालित है।
ताकि सरकार के सभी सुविधा जनता तक पहुच सके। मौके पर महेंद्र पांडे, राजु मुखी, बादल दास, सरिता देवी, गुड़िया देवी सहित क्षेत्र के सैकड़ो स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

18वां सांख्यिकी दिवस मनाया गया

गढ़वा (आजाद सिपाही)। सांख्यिकी और आर्थिक नियोजन के क्षेत्र में प्रोफेसर (दिवंगत) प्रशांत चंद्र महालनोबिस द्वारा किये गये उल्लेखनीय योगदान को ध्यान में रखते हुए 29 जून को प्रशांत चंद्र महालनोबिस के जन्म दिन के अवसर पर जिला सांख्यिकी कार्यालय, गढ़वा में 18वां सांख्यिकी दिवस मनाया गया। इस दौरान जिला सांख्यिकी पदाधिकारी, गढ़वा संजीव कुमार सिंह और सांख्यिकी कार्यालय के कर्मियों द्वारा प्रशांत चंद्र महालनोबिस की फोटो पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस का जन्म 29 जून, 1893 को कलकत्ता (अब कोलकाता), पश्चिम बंगाल में हुआ था। सांख्यिकी के जनक के रूप में पहचान बनाने वाले महालनोबिस की याद में ही ये दिन मनाया जाता है। बता दें कि सांख्यिकी सबसे महत्वपूर्ण विषयों में से एक है जो आर्थिक योजनाओं और नीतियों का आधार बनती है। ये तथ्यों को सटीक और निश्चित रूप में प्रदर्शित करती है। यह स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और सामाजिक सर्वेक्षण करने में मदद करता है. ये गणित का भी एक जरुरी हिस्सा है।

दो दिवसीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न

धुरकी। प्रखंड स्तरीय 2 दिवसीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबाल कप प्रतियोगिता अंबाखोरेया हाईस्कूल के प्रांगण में शनिवार को संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में शुक्रवार को धुरकी के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की टीम ने जीत हासिल की। शनिवार को सगमा प्रखंड के मध्य विद्यालय बीरबल के टीम से मैच खेल कर उपविजेता रही। मध्य विद्यालय बीरबल की टीम 3-2 के अंतर से विजेता रही, जो अब अगले राउंड में जिला स्तर पर खेलेगी। वहीं बालक वर्ग में मध्य विद्यालय बरसोती विजेता और मध्य विद्यालय केतमा उपविजेता रहा। दोनों ही वर्गों में विजेता और उपविजेता टीम को शिक्षा विभाग धुरकी के बीपीओ बिपिन बिहारी गुप्ता और सगमा बीआरसी के बीपीओ कविता कुमारी ने संयुक्त रूप से मेडल देकर पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता में खेल शिक्षक ब्रजेश कुमार और प्रभु राम ने मैच रेफरी की। इस अवसर पर शिक्षा विभाग से बीपीओ के अलावे सीआरपी गुलाम सरवर, रायचंद् गुप्ता, जितेंद्र सिंह, चंद्र शेखर राम, आशुतोष चौबे, शिवकुमार राम, बिजेंद्र और बसंत साह मुख्य रूप से उपस्थित थे।

राजस्व और भूमि सुधार शिविर का आयोजन

विशुनपुरा (आजाद सिपाही)। विशुनपुरा प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में राजस्व और भूमि सुधार विभाग झारखंड सरकार द्वारा शिविर का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ अंचल अधिकारी संदीप कुमार मद्धेशिया, प्रखंड 20 सूत्री शैलेंद्र प्रताप देव, प्रमुख दीपा कुमारी, विधायक प्रतिनिधिकृष्णा विश्वकर्मा, मुखिया प्रतिनिधि अशोक पासवान ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में भूमि संबंधित विभिन्न समस्यायें सामने आयी। जिसमें ऑनलाइन दाखिल खारिज, उत्तराधिकारी नामांकन, आपसी बटवारा, भू लगन वसूली, सीमांकन, जमाबंदी, अपडेशन, भूमि सुधार, भूमि स्वामित्व, भूमि विवाद, आपदा, सड़क दुर्घटना, जाती, आय और आवासीय के लिये आवेदन लिया गया। शिविर में कुल 105 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें 70 आवेदनों को ऑन द स्पोर्ट निष्पादित किया गया। इस मौके पर अंचलाधिकारी संदीप मद्धेशिया ने कहा कि जमीन संबंधित कोई भी समस्या हो तत्काल अंचल से संपर्क करें अविलंब निष्पादन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जमीन संबंधित बहुत से मामले लंबित थे। जिसे पंचायत स्तर पर शिविर लगा कर ग्रामीणों को लाभ पहुंचाया जा रहा है।

झारखंड में माइंस, उद्योग फिर भी पलायन : जयराम

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति और झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के अध्यक्ष जयराम महतो शुक्रवार को भवनाथपुर पहुंचे। भवनाथपुर में युवाओं ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। जयराम महतो ने कर्पुरी ठाकुर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इसके पश्चात शिव पहाड़ी गुफा मंदिर में दर्शन पूजन के बाद वर्षों से बंद पड़े क्रेशर प्लांट का भ्रमण किया। जयराम महतो ने कहा की विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर पलामू प्रमंडल का दौरा है, उन्होंने कहा जिस विधानसभा में उनकी पार्टी मजबूत स्थिति में रहेगी वहां से वो प्रत्याशी उतारेंगे। लगभग 50-55 सीटों पर उनकी पार्टी चुनाव लड़ेंगी। उन्होंने कहा की अब आवश्यक हो गया है कि युवाओं को आगे आकर राज्य की कमान अपने हाथों में लेने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आजकल प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक हो जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति राजनीति में है, उनके बेटे न तो किसी परीक्षा का फार्म भरते हैं न ही सरकारी अस्पताल में इलाज करायेंगे। अब ऐसा राजनेता की आवश्यकता है, जो जमीनी मुद्दों की राजनीति करें न की लोगों को गुमराह करने की राजनीति करें। उन्होंने कहा कि झारखंड में माइंस भी है, उद्योग भी है फिर भी यहां पलायन है। यहां के नेता सिर्फ नाली, गली और सड़क को ही विकास समझते हैं। हमारे राज्य के नेता सिर्फ अपने परिवार की पुंजी बढ़ाने के लिए राजनीतिक करते हैं।

झारखंड में भ्रष्टाचार का बोलबाला है, सीएम और मंत्री जेल जा रहे हैं। उन्होंने भवनाथपुर के भाजपा विधायक भानु प्रताप शाही पर निशाना साधते हुए कहा कि अपने कुकृत्यों को छुपाने के लिए विधानसभा में भी राम का नाम ले रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने के लिए काम करने को कहा। इस मौके पर शिव पारस वीयार, आनंद पासवान, सुरेश गुप्ता, ब्रजेश गुप्ता, राजमोहन यादव, विजय महतो, रामविजय साह, सुदीप गुप्ता, लाल बहादुर साह, विकास पासवान सहित कई लोग उपस्थित थे।

जलशक्ति अभियान कार्यक्रम का आयोजन

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्देशित जल शक्ति अभियान के तहत डीएवी विद्यालय भवनाथपुर में कार्यक्रम आयोजन किया गया। जिसके तहत प्रभात फेरी कार्यक्रम, पेंटिंग कार्यक्रम तथा नाटक का आयोजन किया गया और लोगों को तथा विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस मौके पर वरीय शिक्षक ओपी सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर जागरूकता मार्च को रवाना किया गया। जबकि शिक्षक ब्रजेंद्र कुमार तथा संजय राय भट्ट के नेतृत्व में जागरूकता मार्च, पेंटिंग प्रतियोगिता और नाटक का आयोजन किया गया। सभी विद्यार्थियों ने जल संरक्षण करने, पौधा लगाने और पेड़ों को बचाने की शपथ ली। प्राचार्य राजेंद्र सचदेवा ने कहा कि जल संरक्षण अति आवश्यक है जो जीवन का आधार है और इसकी शुरूआत विद्यालय से ही होनी चाहिए, क्योंकि जो यहां बच्चों को सिखाया जायेगा। वही भविष्य में भी व्यवहारिक रूप लेगा।

अबुआ आवास योजना में लाभुकों के चयन में अनियमितता की शिकायत

गढ़वा (आजाद सिपाही)। डंडा प्रखंड के ग्राम पंचायत भिखही में अबुआ आवास योजना में लाभुकों के चयन में पारदर्शिता नहीं बरती गयी तथा लाभुकों के चयन में अनियमितता की शिकायत जिला प्रशासन गढ़वा को प्राप्त हुई। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन द्वारा शिकायत की जांच करायी गयी। जांच में आरोप की पुष्टि की गयी। जांचोपरांत डंडा प्रखंड समन्वयक प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, संगीता कुमारी को कार्यमुक्त कर दिया गया। साथ हीं तत्कालीन पंचायत सचिव ग्राम पंचायत भिखही, प्रखंड डंडा, शंभू प्रसाद को निलंबित करते हुए विभागीय कार्रवई प्रारंभ करने का निदेश दिया गया और प्रखंड विकास पदाधिकारी डंडा से भी स्पष्टीकरण पृच्छा की गयी।

पूर्व मंत्री रामचंद्र केसरी ने प्रेस वार्ता कर सगमा बीडीओ सत्यम को बर्खास्त करने की मांग की

आजाद सिपाही संवाददाता

सगमा। पूर्व मंत्री रामचंद्र केसरी के द्वारा बिलासपुर बाजार में प्रेस वार्ता कर सगमा बीडीओ सत्यम कुमार पर पर लगे भ्रष्टाचार रिश्वत खोरी के जांच संबंध में विस्तृत रूप से जानकारी दिया।

इस अवसर पर उन्होंने बताया की सगमा बीडीओ पर लगे रिश्वत खोरी पर मेरे द्वारा मुख्य सचिव तथा पेयजल और स्वक्षता मंत्री मिथलेश कुमार ठाकुर को सगमा बीडीओ पर लगे रिश्वत खोरी तथा भ्रष्टाचार किये जाने के संबंध में प्रमाण सहित पत्र प्रेषित किया था। जिसके बाद ग्रामीण विकास विभाग झारखंड सरकार रांची के पत्रांक 4609 दिनांक 30 अक्टूबर 2023 पत्रांक 1227 दिनांक 23 मार्च 2024 पत्रांक 1266 दिनांक 30 मार्च 2024 पत्रांक 1476 दिनांक 19 अप्रैल 2024 पत्रांक 1451 दिनांक 16 अप्रैल पत्रांक 1645 दिनांक 19 अप्रैल 2024 पत्रांक 1327 दिनांक 2 अप्रैल 2024 मंत्रिमंडल सचिवालय और निगरानी विभाग झारखंड सरकार रांची के पत्रांक 314 दिनांक 26 फरवरी कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राज भाषा विभाग रांची के पत्रांक 3202 दिनांक 3 मई 2024 और रामचंद्र केसरी पुर्वमंत्री के पत्रांक 87 दिनांक 8 मई 2023 के द्वारा प्रखंड सगमा अंतर्गत मनरेगा योजनाओं में अनियमितता और प्रखंड विकास पदाधिकारी सगमा के विरुद्ध प्राप्त शिकायत की जांच हेतु जिला स्तर से जांच दल का गठन किया गया था, जिस दल में प्रभाकर मिर्धा अनुमंडल पदाधिकारी श्री बंसीधर नगर ज्ञानेश्वर सुक्ला परियोजना पदाधिकारी डीआरडीए गढ़वा राजदीप कुमार प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा नगर उंटारी राहुल कुमार, सहायक अभियंता मनरेगा डंडई धर्मेंद्र मिश्रा, कनीय अभियंता मनरेगा मेराल को बनाया गया था। उक्त जांच दल के द्वारा बीडीओ के विरुद्ध लगे आरोपों की सत्यापन किया गया है, जिसमें लगे आरोपों की पुष्टि रिश्वत देने वाले ग्रामीणों के द्वारा किया गया है। इसे देखते हुए कहा, ऐसे भ्रष्ट बीडीओ को तत्काल रूप से बर्खास्त करते हुए सेवा समाप्ति की कार्रवाई सुनिश्चित किया जाये।

रंका प्रखंड सह अंचल सभागार में किया गया विशेष राजस्व शिविर का आयोजन

रंका (आजाद सिपाही)। रंका प्रखंड सह अंचल कार्यालय के सभागार में शनिवार को एल आर डी सी एवं अंचल पदाधिकारी के उपस्थिति में विशेष राजस्व शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सीमांकन से संबंधित वादों का निष्पादन, जमाबंदी, दाखिल खारिज, ऑनलाइन प्रविष्टि त्रुटि में सुधार, भू अभिलेख में त्रुटि निराकरण, भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र का निष्पादन तथा भूमि विवाद से जुड़े अन्य मामले से संबंधित आवेदन लिए गए। शिविर में एल आर डी सी, अंचल पदाधिकारी शिव पूजन तिवारी, कर्मचारी विकास कपरदार, निलेश तिवारी, पंचायत सचिव, पंचायती राज के जनप्रतिनिधि, वार्ड सदस्य, समाजसेवी अमरेंद्र कुमार सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

झामुमो प्रखंड अध्यक्ष ने हेमंत सोरेन का स्वागत किया

रंका (आजाद सिपाही)। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के हाईकोर्ट से जमानत मिलने पर रांची स्थित उनके आवास मुलाकात कर झामुमो रंका प्रखण्ड अध्यक्ष आशीष कुमार गुप्ता ने स्वागत किया। इस मौके पर श्री गुप्ता ने आजाद सिपाही से कहा कि असत्य पर सत्य की विजयी हुई है। झामुमो के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भाजपा के षडयंत्रकारी संस्था प्रवर्तन निदेशालय के झूठा केस में फंसाया गया था।

सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचे भाजपा नेता

रमना (आजाद सिपाही)। शनिवार के अहले सुबह भाजपा नेता लक्ष्मण राम व ओम प्रकाश गुप्ता कार दुर्घटना में बाल बाल बच गए। खबर के अनुसार शनिवार के अहले सुबह लगभग तीन बजे गढ़वा-श्री बंशीधर नगर मुख्य सड़क में मानस मंदिर के समीप अनियंत्रित होकर दो दुकान का होर्डिंग व दीवाल तोड़ते हुए सड़क के किनारे लगे विशाल शिसम के पेड़ में जोरदार टक्कर मारी। गाड़ी के बैलून खुलने के कारण इस घटना में किसी प्रकार का कोई क्षति नहीं पहुंची। मालूम हो की लक्ष्मण राम अपने पुत्र व उनके साथ नगर उंटारी निवासी ओम प्रकाश गुप्ता रांची से अपने नए स्विफ्ट डिजायर गाड़ी लेकर रांची से अपने घर नगर उंटारी जा रहे थे। जिसमे ओम प्रकाश गुप्ता ने गाड़ी को चालक करते घर आ रहे थे। विदित हो की एक दिन पूर्व हाई स्कूल के समीप एक हाइवा ने अनियंत्रित होकर घर में जोरदार धक्का मार दी। जिसके कारण घर के बाहर लगे एल्बेस्टर सहित घरों को काफी नुकसान पहुंचा था।

लोक अदालत का हुआ आयोजन

कांडी (आजाद सिपाही)। प्रखंड और अंचल कार्यालय में शनिवार को विशेष राजस्व शिविर व विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में भूमि एवं राजस्व मामलों के विशेष लोक अदालत का आयोजन संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अथिति डीटीओ धीरज प्रकाश व अंचलाधिकारी राकेश सहाय थे। आज के राजस्व शिविर में विभिन्न मामलों से जुड़े कूल 47 आवेदन प्राप्त हुए। आज के शिविर में दाखिल खारिज के 5, पंजी 2 में सुधार के लिए 6, सीमांकन के 2, प्रमाणपत्र के 3,अपडेशन के 11, लगान निर्धारण के 4, अतिक्रमण के 1, पारिवारिक सूची के 2, जमीन विवाद के 8 व विविध के5 आवेदन प्राप्त हुए।मौके पर अंचल निरीक्षक जगरनाथ मांझी, राजस्व कर्मचारी दीपक कुमार यादव, गणेश सिंह चौधरी, वसीम अंसारी, अंचल अमीन धर्मदेव राम सहित कई कर्मी उपस्थित थे।

सगमा प्रखंड में नहीं की गयी बीज की आपूर्ति, किसानों में आक्रोश

एक सप्ताह के अंदर सगमा प्रखंड को बीज उपलब्ध नहीं कराया गया, तो बीरबल पैक्स का होगा घेराव

आजाद सिपाही संवाददाता

सगमा। सहकारिता विभाग द्वारा सगमा प्रखंड में नहीं किया गया बीज की आपूर्ति किसानों में भारी अक्रोश। विदित हो की सहकारिता विभाग गढ़वा के द्वारा प्रत्येक वर्ष किसानों की सुविधा को देखते हुए जून माह के अंतिम सप्ताह तक सगमा प्रखंड के माडल पैक्स बीरबल में धान मकई अरहर का बीज आपूर्ति कर दिया जाता था, मगर अभी तक बीज आपूर्ति नहीं किया गया है। इसे लेकर सगमा प्रखण्ड के किसान बीज लेने के लिए पैक्स का चक्कर लगा रहे हैं पैक्स के माध्यम से किसानों को अनुदानित दर पर धान का बीज मिलता रहा है। जिससे किसान समय पर धान का नर्सरी समय पर कर लेते थे। इस संबंध में पूछने पर बीरबल पैक्स के अध्यक्ष रामोद प्रसाद ने बताया कि बीरबल पैक्स के द्वारा बीज निगम रांची को पैसा जमा कर दिया गया है मगर किन कारणों से सगमा प्रखंड को बीज नहीं दिया गया। जबकि सगमा को छोड़कर जिले के अन्य प्रखंडों में सहकारिता विभाग द्वारा धान का बीज उपलब्ध करा दिया गया है। इसे लेकर मेरे द्वारा जिला सहकारिता पदाधिकारी गढ़वा को बीज आपूर्ति के लिए दो-दो बार लिखित रूप से सूचित किया जा चुका है। इसे लेकर सगमा प्रखंड के प्रगतिशील किसान लालबिहारी सिंह रामचंद्र साह, दीपक यादव सुरेश यादव, विजय, सुनील प्रजापति, अस्वानी, सिद्धेश्वर नाथ के द्वारा सहकारिता विभाग के प्रति आक्रोश प्रकट करते हुए कहना है कि सुनने में आ रहा है कि सगमा प्रखंड को मिलने वाला बीज बीस किलोमीटर दूर धुरकी प्रखंड को पैक्स में दिया गया है, जो किसानों के साथ सरासर अन्याय है। यहां के किसान बीज लेने के लिए बीस किलोमीटर दूर धुरकी प्रखंड में जाकर बीज लेने में असमर्थ हैं। एक सप्ताह के अंदर सगमा प्रखंड को बीज उपलब्ध नहीं कराया गया, तो हम लोग सगमा प्रखंड के बीरबल पैक्स का घेराव कर रोस पूर्ण प्रदर्शन करेंगे।

एसपी के निर्देश पर डंडई पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

आजाद सिपाही संवाददाता

डंडई। गढ़वा एसपी दीपक कुमार पांडेय के निर्देश पर शनिवार को डंडई पुलिस के द्वारा एंटी क्राइम के तहत वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान यदुवंशी पेट्रोल पंप के समीप एएसआई हरे कृष्णा प्रसाद के नेतृत्व में चलाये गये अभियान में दर्जनों दो पहिया, तीन पहिया, चार पहिया वाहन को रोककर वाहन चालकों से वाहन दस्तावेज, प्रदूषण सर्टिफिकेट, लाइसेंस, इंश्योरेंस के अलावे हेलमेट समेत अन्य बिंदुओं की गहनता पूर्वक जांच की गयी। मौके पर एएसआई हरे कृष्णा प्रसाद ने कहा कि सभी बाइक चलाने वालों को हिदायत देते हुए कहा कि बिना हेलमेट के बाइक नहीं चलायें नहीं तो कार्रवाई की जायंगी। सभी लोग सेफ़्टी के लिए बाइक चलाते समय हेलमेट जरूर पहने। हालांकि जांच के दौरान पुलिस को कोई विशेष सफलता हाथ नहीं लगी है। वहीं पूछे जाने पर थाना प्रभारी जनार्दन राउत ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एंटी क्राइम के तहत वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। जिसमें सभी तरह की गाड़ियों की जांच की गयी। और इस तरीके के वाहन जांच अभियान आगे भी चलता रहेगा। ताकि क्षेत्र में क्राइम की संभावना कम रहे व क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे। उधर, पुलिस द्वारा चलाए गये अभियान के मद्देनजर सड़क से आने-जाने वाले वाहन चालकों में अफरा-तफरी देखने को मिली। कई दोपहिया वाहन चालक पुलिस को देख भागने की कोसीस में जुट गये लेकिन पुलिस जवानों के आगे उनकी एक भी नहीं चली । पुलिस जवानों नर दौड़ कर उनके वाहन को अपने कब्जे में करते देखे गए। उसके अलावा चारपहिया वाहन चालक भी पुलिस चेकिंग से काफी परेशान दिखे।

बीडीओ ने आधा दर्जन आंगनबाड़ी केंद्र और विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया

कांडी (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के आधा दर्जन आंगनबाड़ी केंद्र और विद्यालयों का औचक निरीक्षण प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी राकेश सहाय के द्वारा शनिवार को किया गया। नीरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र पतिला 1, पतिला 2, बुनियादी विद्यालय सेमौरा, सेमौरा आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्र पतिला वन तथा पतिला टू, सेमौरा का जांच में पाया गया कि केंद्र में बच्चों की कम उपस्थिति के साथ ही साथ और खामियां पायी गयी है । जिसमें केंद्र में कार्यरत सेविका और सहायिका अपने अपने विभागीय कपड़ों के कोड में नहीं मिले। तथा स्थल पर आंगनबाड़ी केंद्र संचालन संकेत बोर्ड भी नहीं लगा हुआ है। पतिला वन की सेवीका वैजंती देवी सहायिका जैबुन खातुन, पतिला टू मे सेविका संगीता देवी सहायिका प्रतिमा कुंवर, सेमौरा केंद्र में सेविका कांति देवी सहायिका चंद्रावती देवी सहित तीनों केंद्र से स्पष्टीकरण का मांग किया गया है। स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाये जाने पर कार्य में लापरवाही करने की वजह से निलंबित किया जाये। विभाग के द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र के संचालित होने से गांव के गरीब गुरवा के नौनिहाल बच्चों का शिक्षा से लगाव मिले तथा पौष्टिक भोजन की भी व्यवस्था मिल सके। इसके लीए विभाग हर वक्त तत्पर रहता है। इसके नामित हर गांव में तथा टोले टोले में यह केंद्र का संचालन किया जा रहा है। लेकिन कर्मी की लापरवाही की वजह से नौनिहालों को लाभ मिलने में बंचित हो रहे हैं। तथा दूसरी तरफ बुनीयादी विद्यालय सेमौरा का औचक निरीक्षण में सभी शिक्षक उपस्थित पाये गये। मध्यान्ह भोजन भी सुचारू रूप से पाया गया। तथा सरकारी स्तर पर संचालित साप्ताहिक परीक्षा का जांच किया गया और वर्ग कक्ष में घुम कर बच्चों के वास्तविक जानकारी को भी जांच किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी सहाय ने यह भी बताया कि सरकारी कार्य में लापरवाही करने वाले किसी भी कर्मचारी को बक्सा नहीं जायेगा। प्रखंड क्षेत्र में औचक निरीक्षण चलता रहेगा।

गढ़वा में विधिक जागरूकता शिविर और चलंत लोक अदालत का हुआ आयोजन

प्रखंड-अंचल कार्यालयों में विशेष राजस्व शिविर का उपायुक्त ने लिया जायजा

प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त आवेदनों के निष्पादन का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। राज्य सरकार से प्राप्त निर्देश के आलोक में जिले में राजस्व कार्यों के त्वरित और प्रभावी ढंग से निष्पादन और आमजनों की सुविधा हेतु सभी प्रखण्ड-सह-अंचल मुख्यालयों में विशेष राजस्व शिविर आयोजित किया गया। उपायुक्त शेखर जमुआर जिला विधिक सेवा प्राधिकार विधिक जागरूकता शिविर-सह-चलंत लोक अदालत (न्याय आपके द्वार) कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने आमजनों को संबोधित करते हुए इसके उद्देश्यों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अपने स्तर से हम आपके समस्याओं के समाधान का प्रयास करते है, परंतु आपको भी अपने समस्या के समाधान हेतु जागरूक रहने की आवश्यकता है। लोगों के बीच सरकार द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार कराने, आमजनों को योजनाओं का लाभ दिलाने, न्याय दिलाने, रोजगार सृजन, घरेलू हिंसा से मुक्ति, बाल श्रम से मुक्ति, जीवन स्तर का उन्नयनिकरण आदि अन्य तमाम मामलों के निष्पादन के लिए प्रखंड, पंचायत वार विशेष शिविर का आयोजन कराया जाता है। प्रखण्ड-सह-अंचल कार्यालय गढ़वा में आयोजित हुए विशेष राजस्व शिविर का उपायुक्त गढ़वा शेखर जमुआर द्वारा निरीक्षण किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने शिविर में प्राप्त आवेदनों की जानकारी लिया। विशेष राजस्व शिविर में मुख्य रूप से ऑनलाईन दाखिल-खारिज (30/90 दिनों से अधिक लंबित दाखिल-खारिज वादों का निष्पादन, उत्तराधिकार नामांतरण से संबंधित वादों का निष्पादन, आपसी बंटवारा के आधार पर नामांतरण से संबंधित वादो का निष्पादन समेत अन्य मामलों से जुड़े आवेदन भी लिये गये। उपायुक्त ने प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त आवेदनों के निष्पादन का निर्देश दिया।

मौके पर उपायुक्त श्री जमुआर द्वारा म्यूटेशन संबंधित कार्यों का प्रमाण पत्र लाभुकों को दिया गया और महिला सखी मंडलों के बीच रोजगार उन्नयन हेतु सांकेतिक तौर पर स्वीकृत राशि का चेक प्रदान किया गया।

मोक्ष संस्था ने अज्ञात शव का दाह संस्कार किया

गढ़वा (आजाद सिपाही)। मोक्ष संस्था द्वारा आज एक अज्ञात शव का सम्मानपूर्वक दाहसंस्कार किया गया। उक्त अज्ञात शव नगर थाना के द्वारा मोक्ष संस्था को 28 जून को अनुरोध पत्र प्राप्त हुआ था जिसका अंतिम संस्कार मोक्ष संस्था के सदस्यों ने 29 जून को मुक्तिधाम सोनपुरवा में किया। विदित हो कि मोक्ष संस्था पिछले दो वर्षों में अभी तक 22 अज्ञात शवों का दाह संस्कार करा चुका है। नौ सदस्यीय संस्था के सदस्य अपने खर्च से इस महती कार्य को कर रहे है। संस्था के अध्यक्ष कंचन साहू की अध्यक्षता में यह कार्य किया जाता है। संस्था के सचिव अमित कश्यप ने बताया कि इस कार्य के लिए मोक्ष संस्था के सदस्य तन मन धन से सदैव तत्पर रहते है और प्रशासन के द्वारा सूचना प्राप्त होते ही अज्ञात शव के दाह संस्कार हेतु अपना योगदान देते है। उक्त अवसर पर सचिव अमित कश्यप, कोषाध्यक्ष हर्ष अग्रवाल, उपाध्यक्ष विनय कश्यप, सदस्य विनय कश्यप, विमल शर्मा, रघुनंदन ठाकुर और ललन सोनी तथा गढ़वा पोस्टमार्टम हाउस के राजकुमार उपस्थित थे।

एसी चंद्रमोहन हत्याकांड का खुलासा, आरोपित गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। अड़की थाना क्षेत्र के सोनपुर गांव में गत 25 जून को एसी चंद्र मोहन की हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने हत्या के आरोपित परमेश्वर मुंडा (65 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त फरसा और अभियुक्त द्वारा घटना के दौरान पहने गए कपड़े को भी बरामद कर लिया है। यह जानकारी पुलिस द्वारा शनिवार को जारी विज्ञप्ति में दी गयी। विज्ञप्ति में बताया गया कि गत 25 जून को एसी चंद्र मोहन की अज्ञात अपराधी ने गला काटकर हत्या कर दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक (परि) रामप्रवेश कुमार के नेतृत्व में डापामर टीम का गठन किया गया। अनुसंधान और छापामारी के क्रम में एक संदिग्ध व्यक्ति परमेश्वर मुंडा से पूछताछ की गई, तो उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपित परमेश्वर मुंडा ने बताया कि एसी चंद्र मोहन के साथ उसका पुराना जमीनी विवाद था और इसी कारण उसने फरसा से गला रेतकर चंद्र मोहन की हत्या कर दी। छापामारी दल में डीएसपी रामप्रवेश कुमार, पुलिस निरीक्षक की किशुन दास, अड़की के थाना प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक मुकेश कुमार यादव, एसआई कुंदन कुमार, प्रवीण कुमार तिवारी, जय कुमार, राजीव कुमार तुरी, मनीष कुमार, आरक्षी हाफिज अंसारी और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

जिला स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

स्वस्थ बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं: डीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। जिला स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन शनिवार को आरसी बालक मध्य विद्यालय खूंटी, लोयोला उच्च विद्यालय, खूंटी तथा लोयोला छात्रावास खूंटी के खेल मैदान में किया गया। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने उपस्थित सभी खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करते हुए उन्हें प्रतियोगिता को खेल की भावना से खेलते हुए विजयी होने कें लिए प्रेरित किया। जिला स्तरीय प्रतियोगिता के न्दकमत 15 बालक वर्ग में विजेता उत्क्रमित उच्च विद्यालय अनिगड़ा, खूंटी और उप विजेता संत जोसेफ उच्च विद्यालय तोरपा की टीम रही। अंडर 17 बालिका में जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, खूंटी की टीम विजेता और $2 उच्च विद्यालय, कर्रा की टीम उप विजेता रही। अंडर 17 बालिक वर्ग में राउ मध्य सह उच्च विद्यालय चुरदाग, तोरपा की टीम ने निर्मला उच्च विद्यालय पिडुल, रनिया को हराकर सुब्रतो कप पर अपना कब्जा जमाया। तीनों श्रेणी में विजेता खिलाड़ियों की टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगी। प्रतियोगिता में भाग लेन वाले सभी प्रतिभागियों को उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान किया। उपायुक्त ने उपस्थित सभी बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में भी परिश्रम करने को कहा। उन्होंने कहा कि शारीरिक स्वस्थता का हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण स्थान है और स्वस्थ बच्चे हमारे देश के भविष्य हैं। खेल के माध्यम से बच्चों का मन और शरीर दोनों स्वस्थ रहता है। बच्चों को विभिन्न स्पधाओं में भागीदारी से जीवन में विपरीत परिस्थिति का मुकाबला करने की शक्ति प्राप्त होती है और उनमें नेतृत्व की भी भावना विकसित होती है। उपायुक्त ने प्रतियोगिता में सभी विजेता टीम को उनकी सफलता कें लिए बधाई दी। जिला स्तरीय सुब्रतो कप प्रतियोगिता 2024-25 में सभी प्रखण्डों के प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी, सभी शारीरिक शिक्षा शिक्षक और खूंटी फुटबॉल रेफरी संघ के प्रतिनिधि उपस्थित थे। सुब्रतो कप एक प्रतिष्ठित अन्तरराष्ट्रीय अंतर विद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता है, जो भारत का सबसे पुराना अन्तरराष्ट्रीय स्कूली फुटबॉल टूर्नामेंट है और इसे देश में जमीनी स्तर पर खेल को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए प्रारंभ किया गया है। सुब्रतो कप का आयोजन वायु सेना खेल नियंत्रण बोर्ड द्वारा किया जाता है,, जिसमे एशिया के विभिन्न देशों के छात्र-छात्राएं इस प्रतियोगिता में भाग लेते है।

महत्वपूर्ण न्यूज

सीएम से मिले खूंटी सांसद और विधायक

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से खूंटी के सांसद कालीचरण मुंडा, विधायक इरफान अंसारी, विधायक नमन विक्सल कोनगाड़ी, विधायक राजेश कच्छप और विधायक भूषण बाड़ा ने मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र की जनसमस्याओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की समस्याओं के प्रति राज्य सरकार पूरी तरह संवेदनशील है और उसके समाधान की दिशा में त्वरित कदम उठाये जा रहे हैं। इस मौके पर राज्य सरकार द्वारा संचालित विकास और जन कल्याणकारी योजनाओं पर भी चर्चा हुई। इस मौके पर शबाना खातून, शशि भूषण राय और मौलाना मदनी भी मौजूद थे।

वर्षों से खराब है स्ट्रीट लाइट, सुध लेनेवाला कोई नहीं

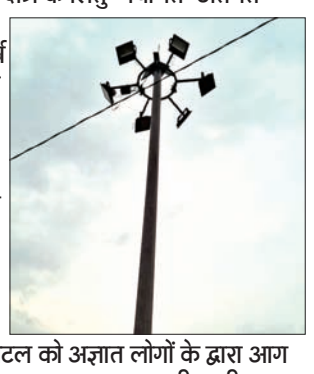

ईचागढ़ (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के सितु पंचायत अंतर्गत मिलन चौक में तत्कालीन विधायक ने विधायक निधि से वर्ष 2016 में स्ट्रीट लाइट का निर्माण करवाया था। कुछ दिन नियमित रुप से स्ट्रीट लाइट चालू था,फिर खराब हो गया। जिससे रात को राहगीरों को काफी कठिनाईओं का सामना करना पढ़ता है।, जिसे मरमत्ती करने के लिए कोई जनप्रतिनिधि ध्यान नहीं दे रहे है।ज्ञात हो कि कुछ दिन पूर्व मिलन चौक में एक झुपड़ीनुमा होटल को अज्ञात लोगों के द्वारा आग का हवाला कर दिया था,और भी कुछ न कुछ घटना घटती रहती है,जिससे मिलन चौक के व्यवसायी को नुकसान होती है। वही रंजीत सिंह मुंडा ने सांसद, विधायक और पंचायत जनप्रतिनिधि से मांग किया है कि स्ट्रीट लाइट का अविलंब मरमत्ती किया जाए, जिससे यंहा के व्यवसायी और राहगीरों को कोई दिक्कत न हो।

फुटबॉल लीग का महामुकाबला आज

तमाड़ (आजाद सिपाही)। पांच परगना स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित लगभग डेढ़ माह से चली आ रही फुटबॉल लीग का फाइनल मुकावला एफसी तमाड़ बनाम एफसी पुंडीदिरी के बीज आज दोपहर 2 बजे आमलेशा मैदान मे होंगी।भगवान विरसा मुंडा के पावन धरती पर पांच परगना क्षेत्र मे पहली बार आयोजित कर्यक्रम के मुख अतिथि झारखंड सरकार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सह आजसू पार्टी सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो होंगे। इसकी जानकारी एसोसिएशन के अध्यक्ष सह मुखिया हरीश मुंडा और कोषाध्यक्ष रितेश गुप्ता ने संयुक्त रूप से दिया।

आजसू पार्टी का हल्ला बोल कार्यक्रम का आयोजन

तमाड़ (आजाद सिपाही)। तमाड़ प्रखंड में आजसू पार्टी के द्वारा हल्ला बोल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रखंड में आम लोगों को हो रही समस्या से संबंधित मांग पत्र बीडीओ संतोष कुमार प्रजापति और सीओ अतुल रंजन भगत को मांग पत्र सौंपा गया। मांग पत्र में तमाड़ अंचल में लंबित खारिज दाखिल का जल्द निष्पादन पंजी टू में सुधार, आबूआ आवास में गरीब तबके को आवास उपलब्ध कराना, जाति आवासीय आय प्रमाण पत्र का जल्द निर्गत करना, सरकारी कर्मचारियों का समय पर कार्यालय में उपस्थित होना,जंगली हाथियों का स्थायी समाधान, लेंपस के माध्यम से किसानों को बीज और खाद उपलब्ध करना, मनरेगा योजनाओं में शीघ्र भुगतान,जन प्रणाली दुकानदारों द्वारा मनमानी राशन कटौती में रोकथाम तथा झारखंड आंदोलनकारियों के परिवारों को सरकारी योजनाओं में प्राथमिकता आदि शामिल है। इस अवसर पर आजसू पार्टी केंद्रीय सचिव गुंजल ईंकिर मुंडा, केंद्रीय सचिव हीरा लाल दास,, अनिल कुमार महतो, फ्रोनीराम महतो, धनसिंह लोहरा, धर्मा पुरान, राजकुमार स्वांसी, सुखदेव सिंह मुंडा, सत्यनारायण मुंडा,संतोष पुरान, सुमेश मुंडा, दीनबंधु सिंह मुंडा आदि शामिल है।

नगर प्रशासक के नाम 13 सूत्री मांग पत्र सौंपा

बुंडू (आजाद सिपाही)। हल्ला बोल कार्यक्रम के तहत आजसू पार्टी केंद्रीय, जिला, नगर एवं बुंडू प्रखंड के पदाधिकारीयों तथा सक्रीय सदस्यगण आजसू पार्टी रांची जिला समिति के वरीय उपाध्यक्ष राजकिशोर कुशवाहा के नेतृत्व में बुंडू नगर पंचायत कार्यालय में धरना प्रदर्शन कर नगर प्रशासक के नाम 13 सुत्री मांग पत्र एवं बुंडू प्रखंड सह अंचल कार्यालय में धरना प्रदर्शन कर अंचलाधिकारी के नाम 8 सुत्री मांग पत्र सौंपा। उक्त कार्यक्रम में आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव रामदुर्लभ सिंह मुंडा, जिला परिषद परमेश्वरी सान्डील्य, भयभंजन महतो, दिलीप साहू, हरिहर महतो कालीपद महतो, संतोष महतो, शुभम महतो आशुतोष महतो, देवनाथ महतो, सुकसारण महतो, आकाश महतो, नितीश सिंह, नितिश कुमार, विश्वनाथ महतो, करण महतो,नंदे महतो, मो सेराज, शंभू महतो, कुंदन कुमार, कुमारी,संगीता देवी,अनिता देवी सह सैकड़ों लोग शामिल थे।

बिपिन बिहारी बने नये स्टॉफ ऑफिसर सिविल

पिपरवार (आजाद सिपाही)। सीसीएल मे बड़े पैमाने पर सिविल विभाग के अधिकारियो का तबादला किया गया है। सीसीएल के आम्रपाली चंद्रगुप्त के स्टॉफ ऑफिसर सिविल बिपिन बिहारी को पिपरवार क्षेत्र का नया स्टॉफ ऑफिसर सिविल बनाया गया है। वही पिपरवार क्षेत्र के स्टॉफ ऑफिसर सिविल सुमन कुमार का तबादला अरगढ़ा एरिया किया गया है। इसके अलावा अशोक परियोजना के सिविल अधिकारी प्रणव पीएस का रजरप्पा तबादला किया गया है, जबकि उनके स्थान पर सीसीएल मुख्यालय के आभास त्रिपाठी को अशोक परियोजना का प्रोजेक्ट इंजीनियर सिविल बनाया गया है। वही मगध संघमित्रा क्षेत्र के स्टाफ ऑफिसर सिविल एसएम भास्कर को एनके एरिया, गौरव कुमार तिवारी को मगध संघमित्रा, रंजन कुमार प्रधान को आम्रपाली चन्द्रगुप्त क्षेत्र का स्टाफ ऑफिसर सिविल बनाया गया है। इसको लेकर सीसीएल मुख्यालय द्वारा आदेश जारी कर दिया गया हैं।

जेनेटिक अस्पताल प्रबंधक को मिले सजा : काशीनाथ

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। लोगों को संवेदनहीन होते हुए तो सुना था, पर पैसे के लिए कोई आदमी संवेदनहीनता की परकाष्ठा को पार कर नवजात बच्चे को उसकी मां से अलग कर दोनों की जान जोखिम में डाल सकता है, इसकी तो कल्पना भी नहीं की जा सकती। अस्पताल में सेवा के नाम पर प्रबंधन और अस्पताल के मालिक कितनी नीचता पर उतर सकता है, इसे साबित कर दिया जेनेटिक अस्पताल ने। अस्पताल प्रबंधन को कड़ी से उजा मिलनी चाहिए। ये बातें भजपा किसान मोर्चा के पद्रश उपाध्यक्ष और खूंटी के विधायक प्रतिनिधि ने कही। एक बयान में उन्होंने कहा कि 24 दिनों तक नवजात शिशु को अलग कर मां को बंधक बनाकर रखना हैवानियत है।

अमानवीय कृत्य की जितनी भी भर्त्सना की जाये, कम है : दिलीप

झारखंड विकास मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि खूंटी जिले के अति पिछड़े रनिया प्रखंड की एक महिला के साथ जेनेटिक अस्पताल बूटी मोड़ रांची द्वारा किए गए अमानवीय कृत्य की जितनी भी भर्त्सना की जाए कम है। मिश्रा ने कहा कि फीस के लिए मानवता को शर्मसार करने वाली घटना है। खूंटी की महिला के साथ हुई इस घटना की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषी चिकित्सक और अस्पताल प्रबंधन के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो सके, इस दिशा में भी सकारात्मक पहल करने की जरूरत है। उन्होंने खूंटी जिला प्रशासन और स्वास्थ्य चिकित्सा विभाग के सचिव से आग्रह किया है की अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सा के क्रियाकलापों की गहन जांच कराई जाए और कड़ी से कड़ी सजा दी जाएं उन्होंने पीड़ित महिला को हर संभव सहायता देने की मांग प्रशासन से की है।

लोक अदालत में 12 मामलों का निष्पादन

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। खूंटी के प्रभारी प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष संजय कुमार जिला विधिक सेवा प्राधिकार खूंटी की अध्यक्षता में व्यवहार न्यायालय खूंटी में शनिवार को मासिक लोक अदालत का आयोजन किया गया। मासिक लोक अदालत में विभिन्न मामलों के निष्पादन के लिए चार बैंचों का गठन न्यायालय में लंबित मामलों और प्रीलिटिगेशन से संबंधित मामलों का निस्तारण किया गया। लोक अदालत में दीवानी एवं फौजदारी न्यायालय के सुलहनीय प्रकृति के मामले एनआई एक्ट के मामले और बिजली संबंधित मामले प्रस्तुत किए गये। डीएलएसए सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने बताया कि लोक अदालत में चार बैंचों के माध्यम से 12 मामलों का निष्पादन किया गया। इस अवसर पर प्रथम बेंच- जिला जज प्रथम संजय कुमार, जिला जज द्वितीय राकेश कुमार मिश्रा, जिला जज तृतीया प्राची मिश्रा, द्वितीय बेंच मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मनोरंजन कुमार, अधिवक्ता मुकुल कुमार पाठक और कविता कुमारी, तृतीय बेंच में एसडीजेएम, कुमारी विद्यावती, पैनल अधिवक्ता आशीष कुमार और सुमित कुमार कश्यप, चतुर्थ बेंच में स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष केके सिंह एवं सदस्य मधु चंदा कुमारी, पैनल अधिवक्ता शशि कला कुमारी आदि शामिल थे।

विशेष लोक अदालत में 547 मामलों का निष्पादन

भूमि राजस्व और अन्य वादों के निस्तारण के लिए शनिवार को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। लोक अदालत में व्यवहार न्यायालय खूंटी के एसडीओ भूमि अधिग्रहण, सर्किल ऑफिस के कूल 848 मामलों पर विचारण के पश्चात 547 मामलों का निष्पादन किया गया, जिसमें नौ करोड़,55 लाख, 65 हजार हजार, 37 रुपये की राजस्व की प्राप्ति हुई। यह जानकारी गयी डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने दी।

डीएवी पब्लिक स्कूल में शिक्षक-अभिभावक की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में शनिवार को शिक्षक और अभिभावक की एक आवश्यक बैठक प्राचार्य डॉ आर चौधरी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक मे बच्चो के पठन-पाठन सहित बच्चों के सर्वांगीण विकास और अनुशासन पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक तीन चरणो मे हुई। पहले चरण मे कक्षा तीन से पांच तक के बच्चे और अभिभावक बैठक मे शामिल हुए। वही दुसरे चरण मे कक्षा छः से आठ और तीसरे चरण मे कक्षा नवम से बारहवी तक के बच्चे और उनके अभिभावक शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए स्कूल की प्राचार्य डॉ आर चौधरी ने कहा कि विद्यालय में अनुशासन और अकादमिक पढ़ाई लिखाई पर विशेष रूप से ध्यान दिया जायेगा। प्राचार्य डॉ. आर चौधरी ने अभिभावकों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि विद्यालय के शिक्षक के प्रयास से विद्यालय जल्द ही अपनी ऊंचाई तक पहुंचेगा। प्राचार्य ने अभिभावको की सलाह का स्वागत करते हुए उस पर अमल करने का भरोसा दिया। बैठक मे काफी संख्या मे अभिभावक सहित शिक्षक मौजूद थे। बैठक मे प्राचार्य डॉ रिशु चौधरी, वरिष्ठ शिक्षक आरबी प्रसाद, शिक्षक एके लाल, जीएसपी शर्मा, एसके पांडेय, एपी द्विवेदी, सीएस सिंह, आरआर दत्ता, सुदीप्ता डे, अनिता सोनी, मोहम्मद शाहीद, प्रेमसागर, सुमित कुमार के अलावा अभिभावको मे शिशिर गर्ग, डॉ सारिका सिंह, अब्दुल कुदूस, राजीव रंजन, बिजय कुमार, चंडी शाखा, मुंशी राम, सफीद अंसारी, सुधीर महतो, कौशल्या देवी, पिंकी सोनी,मंटु यादव, दिलिप महतो, राहुल पांडेय सहित काफी संख्या में शिक्षक और अभिभावक मौजूद थे।

पौधा लगाओ जीवन बचाओ अभियान के तहत पौधों का वितरण

छात्र-छात्राओं को पाठ्य सामग्री दी गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

खलारी। पेड़ पौधा लगाओ जीवन बचाओ अभियान के तहत षनिवार को राजकीयकृत मध्य विद्यालय बुकबुका में देवेंद्र बाबू सेवा संस्थान एवं अंबेडकर विचार मंच के सौजन्य से विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं छात्रों के बीच फलदार वृक्षों के पौधों का वितरण किया गया। इस दौरान उपस्थित मुख्य अतिथि देवेंद्र बाबू सेवा संस्थान के संयोजक राजन सिंह राजा एवं विषिश्ट अतिथि समाजसेवी इंदिरा देवी के सभी के बीच फलदार वृक्षों के पौधों को वितरण किया। वहीं राजन सिंह राजा ने अपने संबोधन में स्कूली बच्चों से अपने-अपने घरों में प्रतिवर्ष पांच-पांच पौधे लगाने की अपील किया। वहीं उन्होने कहा कि लगाए गए पौधों को संरक्षित करे ताकि हमारी धरती हरी भरी रहे और हमारा पर्यावरण संतुलित रहे। साथ कार्यक्रम के दौरान अतिथियों द्वारा झारखंड सरकार द्वारा प्रदत्त वर्ग एक से आठ तक के छात्र-छात्राओं के बीच स्कूल बैग, किताब कापी सहित अन्य पठन पाठन सामग्री का वितरण किया गया। इस अवसर पर देवेंद्र बाबू सेवा संस्थान के राजन सिंह राजा, समाजसेवी इंदिरा देवी तुरी, राजेश सिंह मिंटू, विद्यालय प्रधानाध्यापक अमरलाल सतनामी, सहायक शिक्षक कुलदीप एक्का और जगदीश नायक के अलावा तनवीर आलम, मोनू रजक, फिरोज अंसारी, रोशन लाल चैधरी, विक्की सिंह, नसीम अंसारी, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रतिमा एक्का, उपाध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह उर्फ मोनू सिंह, सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

निर्वाचन व्यय लेखा पंजी की हुई अंतिम जांच

खूंटी (आजाद सिपाही)। निवार्ची पदाधिकारी 11-खूंटी (अजजा) सह उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर शनिवार को लोकसभा निर्वाचन 2024 में संसदीय क्षेत्र खूंटी से निर्वाचन में शामिल उम्मीदवारों की निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान चुनाव प्रचार आदि से संबंधित निर्वाचन व्यय लेखा पंजी की अंतिम जांच समाहरणालय के विकास भवन स्थित सभागार में की गई। जांच कार्य का संचालन व्यय प्रेक्षक एसआर नेडुमारन और सहायक व्यय प्रेक्षकों के निर्देशन में किया किया गया। जांच में उम्मीदवार अर्जुन मुंडा, भारतीय जनता पार्टी, कालीचरण मुण्डा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, सावित्री देवी, बहुजन समाज पार्टी,ी अर्पणा हंस, झारखण्ड पार्टी, बबीता कच्छप, भारत आदिवासी पार्टी, पास्टर संजय कुमार तिर्की, निर्दलीय,, बसंत कुमार लोंगा निर्दलीय द्वारा स्वयं या अपने निर्वाचन अभिकर्ता के माध्यम से निर्वाचन व्यय से संबंधित लेखा पंजी की अंतिम जांच के लिए उपस्थित हुए।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, तीन घायल

मुरी (आजाद सिपाही)। मुरी सिल्ली मुख्य सड़क के आसपास सड़क दुघर्टना में एक युवक की मौत हो गई,जो मैसुडीह का सुदेश महतो था। वही बन्ता के एक लड़की पैर टुट गया जिसका नाम परी सिंह मुंडा। उसमें भी एक लड़का कपिल गोप बन्ता का रहने वाला है चेहरा और हाथ में चोट है।बन्ता का ही नीरू मुंडा कमर और पैर में चोट लगी है तीनों डॉ रमणेश के यहां भर्ती हैं खतरे से बाहर है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मनसा महतो जो डिस्काभर (जेएच0एड़ी/7839) चला रहा था और पीछे के सीट पर बैठा मैसुडीह काम सुदेश महतो था सड़क पर लहरिया कट में चला रहा था काफी दाहिने हो गया था इसी बीच बुलेट पर सवार तीन लोग जा टकराया। जिसमें एक का मौत हो गया।

राजा पीटर के समर्थक शादी में शामिल हुए

बुंडू (आजाद सिपाही)। पूर्व मंत्री और विधायक गोपाल कृष्ण पातर उर्फ राजा पीटर के निदेर्शानुसार उनके समर्थक विमल कोइरी,रोशन महतो, संतोष जायसवाल, कौशिक चक्रवर्ती, गौतम शुक्ला, अटकु चौधरी, विशाल मांझी, राणा पाल, अशोक ठाकुर,आशीष साहू , बंटी सोनार ने बुंडू नगर पंचायत के अंतर्गत शादी में सहयोग सामग्री देकर शामिल हुए। सभी समर्थकों ने कहा हमारे नेता राजा पीटर ने हमेशा हमें मानवता और जन सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी है।

परमेश्वर की भक्ति से ही मिल सकती है सुख-शांति : स्वामी प्रमोद महाराज

आजाद सिपाही संवाददाता

खूंटी। खूंटी जिला संतमत सत्संग समिति के तत्वावधान में मुरहू सहित सीमावर्ती पश्चिमी सिंहभूम के विभिन्न गांवों में आयोजित सात दिवसीय सत्संग कार्यक्रम शनिवार को संपन्न हुआ। सत्संग कार्यक्रम में महर्षि मेंही आश्रम भागलपुर के स्वामी प्रमोद जी महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि मनुष्य धरती का मालिक भी बन जाए, तो भी सुखी जीवन नहीं जी सकता। जैसे बालक को जितना मनाओ, लेकिन मां के गोद में ही वह सुरक्षित-निश्चिंत महसूस करता है। वैसे ही परमात्मा हमारे परम पिता हैं, उसी की एकमात्र भक्ति से हमें सुख शांति मिल सकती है। गौतम बुद्ध का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यशोधरा ने गौतम बुद्ध से कहा कि भक्ति घर में भी हो सकती थी। अतः कहीं भटकने की जरुरत नहीं है, बस सदुरू की युक्ति जानकर भक्ति करें। मांस मदिरा आदि के सेवन पर उन्होंने कहा कि जैसे गंदे पात्र में भोज्य पदार्थ नहीं रखते, उसी प्रकार शरीर में मांसाहार शराब आदि रहने से हमारा अंतर्मन अशुद्ध हो जाता है, तो परमात्मा कैसे रहेंगे, भक्ति नहीं हो पायेगी। उन्होंने कहा कि शाकाहार और सदाचार बहुत जरूरी है। स्वामी निर्मलानंदजी महाराज ने कहा कि सदा पाप कर्म से बचें, फल की इच्छा त्यागें,खान-पान की बुराईयों से दूर रहें, और हमेशा भक्ति की डोर पकड़े रहें तभी हमें मोक्ष यानी परमात्मा प्राप्त हो सकते हैं। कार्यक्रम में स्वामी लक्ष्मण महाराज, स्वामी बालकृष्ण महाराज, लोदरो बाबा, डॉ डीएन तिवारी, संजय कुमार, सूरज लाल, सुबोध कुमार, सूरजमल प्रसाद, जूरन मुंडा, सगुनदास, जगन्नाथ मुंडा, बीरु कुमार आदि शामिल थे।

केसीबी कॉलेज में इंटरमीडिएट में नामांकन को लेकर प्राचार्य को सौंपी गयी हाइकोर्ट के आदेश की कॉपी

करमचंद भगत कॉलेज में इंटरमीडिएट में नामांकन के लिए जल्द जारी हो अधिसूचना

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। करमचंद भगत कॉलेज में इंटरमीडिएट संकाय के सभी शिक्षक एवं छात्रों ने शनिवार को इंटरमीडिएट में विद्यार्थियों के नामांकन को लेकर प्राचार्य प्रो प्रदीप कुमार अधिकारी को हाईकोर्ट के आदेश की कॉपी सौंपी। शिक्षकों ने बताया कि इस वर्ष रांची विश्वविद्यालय की ओर से अंगीभूत सभी 14 कॉलेजों में इंटरमीडिएट में नए नामांकन पर रोक लगा दी गई थी। जिससे हजारों माध्यमिक पास छात्र छात्राओं की पढ़ाई बंद हो गई थी। उच्च शिक्षा पाने का मार्ग बंद हो गया था। इधर, ग्रामीण क्षेत्रों में

केसीबी कॉलेज के प्राचार्य को हाइकोर्ट की आदेश की कॉपी सौंपते विद्यार्थी व शिक्षक।

छात्रों के समक्ष 11वीं की पढ़ाई को लेकर एक बड़ी समस्या खड़ी हो गई थी। वहीं रांची विश्वविद्यालय के इस फैसले के खिलाफ पुनः नामांकन शुरू करने को लेकर हाईकोर्ट में एक पीआईएल दायर की गई थी। इस संदर्भ में झारखंड हाईकोर्ट ने रांची विश्वविद्यालय को पुनः इंटर में नामांकन लेने का आदेश जारी किया है। इसके बाद से शिक्षक अभिभावक व छात्रों ने राहत की सांस ली। वहीं बेड़ो के करमचंद भगत कॉलेज के शिक्षकों व छात्रों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को प्राचार्य को हाईकोर्ट के आदेश की एक कॉपी सौंपते हुए शीघ्र ही इंटरमीडिएट में नए नामांकन प्रारंभ कराने की रांची विवि से मांग की है। विद्यार्थियों व शिक्षकों ने कहा कि महीनों से मैट्रिक पास छात्र-छात्राओं को इंटरमीडिएट संकाय में नामांकन के लिए भटकना पड़ा। जिससे छात्र एवं अभिभावक निराश व हताश हो चुके हैं। विद्यार्थियों के व्यापक हित में छात्र छात्राओं व शिक्षकों ने इंटरमीडिएट में रांची विश्वविद्यालय द्वारा नामांकन के लिए शीघ्र ही अधिसूचना जारी करने की मांग की गयी। इधर, प्राचार्य ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए रांची विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार से फोन पर वार्ता की और मामले की जानकारी दी। साथ ही विद्यार्थियों को हरसंभव मदद करने का आश्वासन दिया। मौके पर करमचंद भगत कॉलेज के इंटरमीडिएट संघ के शिवेंद्र सौरभ, आशीष भारतेन्दु, बिरसा उरांव, सहजाद खान, रानी कुमारी, मधु एक्का, संतोषी कच्छप, आकाश रक्षित, तीरथ महतो, शिवशंकर साहू, सुकरा उरांव व एबीवीपी के कार्यकर्ताओं विक्रम कुमार, दिवाकर महतो आदि मौजूद थे।

इटकी में शोभा की वस्तु बनी जनमीनार, लोग पानी को तरसे

आजाद सिपाही संवाददाता

इटकी। प्रखंड में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारी एवं अभियंता की लापरवाही का खामियाजा यहां के लोग भुगत रहे हैं। झखड़ा टोली के कई दर्जन पानी के टावर सिर्फ शोभा की वस्तू बनी हुई है। झखड़ा टोली में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा नल से जल के लिए टावर लगाने का काम सात महीना बाद भी पूरा नहीं हो सका है। इस टोली में जगह की कमी के कारण तेजुआ महतो ने यह सोचकर अपनी जमीन पर टावर व बोर्डिंग लगाने की अनुमति दी थी कि पानी उनके दरवाजे पर मिलेगा। तेजुआ के अनुसार मोहल्ले में 200 से 300 फीट का बोरिंग अब फेल हो रहा है। पर यह बोर्डिंग मात्र 60 फिट

किया गया है। तेजुआ महतो के अनुसार इस टावर के काम को करने के लिए प्रतिदिन अलग-अलग व्यक्ति आते रहते हैं। पर पूछने पर कुछ भी स्पष्ट नहीं बताते हैं। ग्रामीणों की मानें तो पानी के टावर में फरवरी से अप्रैल महीने के बीच ही सभी आवश्यक उपकरण लगा दिये गये हैं। पर अब गर्मी जाने को है, लेकिन अब तक पानी नसीब नहीं हो सका है। क्योंकि बोर्डिंग में मोटर नहीं डाला है। ग्रामीणों का आरोप है कि इक्का-दुक्का जगह पर ही पानी मिल रहा है। इस बाबत जानकारी लेने के लिए मुख्य संवेदक से बात करने का काफी प्रयास किया गया, लेकिन बात नहीं हो सकी। ग्रामीणों के अनुसार ठेकेदार मानसून आने के बाद जब खेतों व कुएं में पानी भर जाएगा तब नल को चालू करेगा और उसका काम पूरा हो जाएगा। अपने काम को फाइनल दिखाकर पैसा वसूल लेगा। बाद में ग्रामीणों को परेशानी झेलनी होगी। ठेकेदार के इसी रवैया से ग्रामीणों में काफी रोष है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ आजसू का हल्ला बोल

चान्हो (आजाद सिपाही)। चान्हो प्रखंड में शनिवार को आजसू ने हल्ला बोल कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान रांची जिला परिषद के अध्यक्ष निर्मला भगत के नेतृत्व में प्रखंड के बड़ा बाबू को एक मांग पत्र सौंपा गया। जिसमें प्रखंड और अंचल कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई। मांग पत्र में आंचल में दाखिल खारिज के जो मामले हैं उसे सही तरीके से निपटारा करने की मांग की गई। मनरेगा के लाभुकों को समय पर भुगतान, विद्यार्थियों के जाति आय और आवासीय आदि प्रमाण पत्र को जल्द से जल्द निर्गत करने की मांग की गई। अबुआ आवास योजना में जो अनियमितता है उसे दूर करने की मांग गई। किसानों को खाद बीज की आपूर्ति, खराब पड़े चापानल की मरम्मती, राशन की आपूर्ति, पेंशनधारियों को समय पर पेंशन समेत जो भी जनकल्याणकारी योजनाएं हैं इसका लाभ सही व्यक्ति तक पहुंचे और बिचौलिया हावी न होने पाए। इस अवसर पर जिप सदस्य आशुतोष तिवारी ने कहा कि यहां पर जिला परिषद मुखिया व अन्य जनप्रतिनिधियों की अनदेखी की जा रही है। किसी खास जनप्रतिनिधि के इशारे पर प्रखंड और अंचल में काम होता है। अगर अधिकारियों-कर्मियों का इसी तरह का रवैया रहा तो आजसू क्रमबद्ध तरीके से जोरदार आंदोलन करोगा। जनता के हित के लिए आजसू सदैव आगे रही है और आने वाले दिनों में भी आगे रहेगी। वहीं जिप सदस्य आदिल अजीम ने भी कहा कि चाहे कुछ भी हो अंचल और प्रखंड में जो भ्रष्टाचार व्याप्त है उसे खत्म कर-के रहेंगें। मौके पर जिप सदस्य प्रतिनिधि जगराम उरांव, प्रखंड अध्यक्ष बीडी महतो, जिला उपाध्यक्ष कमलू साहू, जितेंद्र उरांव आदि मौजूद थे।

डीएसपी की कार्रवाई, अवैध बालू लदे दो ट्रैक्टर जब्त

रातू (आजाद सिपाही)। डीएसपी (मुख्यालय-2) अरविंद कुमार सिंह ने शनिवार तड़के बजे थाना क्षेत्र के तिलता ओवरब्रिज के पास छापामारी कर बालू लदे दो ट्रैक्टरों को जब्त कर लिया। वहीं, पुलिस की छापामारी देख कई चालक वाहन लेकर फरार हो गये। जब्त ट्रैक्टरों के चालक से बालू से संबंधित चालान व बिना नंबर के ट्रैक्टर के कागजात की मांग की गई तो वे दिखा नहीं सके। पुलिस दोनों वाहनो को जब्त कर थाना ले आयी है। एक ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़ कर मौके से फरार हो गया। जबकि दूसरे चालक बुढ़मू थाना अंतर्गत नाउज निवासी बंगाली महतो को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मामले को लेकर अंचल अधिकारी रवि कुमार ने रातू थाने में चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। उधर, छापामारी के बाद बालू माफियाओं में हडकंप मचा हुआ है।

उषामातू बीएड कॉलेज में नेत्र जांच शिवर लगा

रातू (आजाद सिपाही)। उषामातू स्थित समर्पण दीप बीएड कॉलेज में शनिवार को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। आइक्यू एसी के आउटरीच प्रोग्राम के तहत भगवान महावीर आई हॉस्पिटल रांची के चिकित्सकों ने सभी के नेत्रों की जांच की। शिविर में सत्र 2022-24 और 2023-25 के प्रशिक्षुओ के साथ ही कॉलेज के शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने अपनी आखों की जांच करायी। कार्यक्रम को सफल बनाने में भगवान महावीर आई हॉस्पिटल के मृत्युंजय शर्मा, डॉ मयुरी भट्टाचार्य, शिवानंद प्रसाद, रियाजुल हक, जूही कुमारी, दुबराज महतो के साथ ही कॉलेज के चेयरमैन अभिषेक सिंह, सचिव नवल किशोर गुप्ता, कोषाध्यक्ष विकास पोद्दार, प्रबंधन समिति के सदस्य जितेंद्र प्रसाद, विशाल सिंह एवं शैलेन्द्र सिंह, प्रभारी प्राचार्य दशरथ महतो, सहायक प्राध्यापक डॉ शशि कुमारी तिर्की, लीना कुमारी और वासिफ शाह आदि की भूमिका सराहनीय रही।

प्रतिभा चयन ट्रायल प्रतियोगिता शुरू

अनगड़ा (आजाद सिपाही)। रांची के खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय अंतर्गत पर्यटन, कला- संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के तत्वावधान में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल स्तरीय (रांची, खूंटी, सिमडेगा, गुमला, लोहरदगा) दो दिवसीय प्रतिभा चयन ट्रायल प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित हो रहा है। विभाग द्वारा आयोजित आवासीय क्रीड़ा केंद्र, सीएम एक्सीलेंस केन्द्र (एकलव्य केंद्र) में फुटबॉल, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, तीरंदाजी एवं हॉकी खेल में रिक्त स्थानों को भरा जाएगा। इस चयन प्रतियोगिता का उद्घाटन जिला खेल पदाधिकारी, रांची शिवेंद्र कुमार ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। आगंतुकों का स्वागत जिला खेल समन्वयक आशीष कुमार बनर्जी ने किया जबकि मंच का संचालन विभाग के वरिष्ठ खो-खो प्रशिक्षक अजय झा ने किया। इस अवसर पर विभाग के प्रशिक्षक भरत कुमार साहू, संजू कुमार, सौरभ कुमार, अंजलूस तिर्की, वीणा केर-केट्टा, करम मुंडा, जेम्स पूर्ति, काली चरण महतो, करुणा पूर्ति, सोना राम चाम्पिया, गोपाल तिर्की, रेमेण्ड मिंज, राजू साहू, तपन कुमार राउत, हरीश कुमार, शिशिर कुमार आदि के साथ विभाग के बिरसी मुंडू, मुकेश कुमार ने काफी सहयोग कर चयन प्रक्रिया को सफल बनाया।

अवैध बालू लदे हाइवा के परिचालन से ग्रामीण एप्रोच रोड हुआ क्षतिग्रस्त

आजाद सिपाही संवाददाता

अनगड़ा। प्रखंड के चतरा पंचायत अंतर्गत बूढ़ीबेड़ा क्षेत्र में बालू माफियाओं द्वारा विगत 15 दिनों से बालू के अवैध परिवहन के लिए ग्रामीण एप्रोच पथ का उपयोग किया जा रहा है। जिससे पथ की हालत काफी खराब होती जा रही है। लगातार हो रहे भारी वाहनों के आवागमन से कई जगह सड़क पर दरारें आ गयी है। वहीं कई जगह पथ टूट कर खड्ड बन गया है। बालू माफिया पुलिस प्रशासन की नजरों से बचने के लिए इन गोपनीय रास्तों का इस्तेमाल कर बालू को गंतव्य तक पहुंचा रहे हैं। इससे ग्रामीण पथ की हालत जर्जर हो रही है। ग्रामीणों की शिकायत है कि राहे प्रखंड की ओर से आने वाला बालू गाड़ी जरगा-पैका पथ पर ना चलकर बानपुर से राढुजारा और होरहाप होते हुए जंगल के रास्ते शहर की ओर निकल रही है। बालू लदे भारी हाईवा के

चलने से राढुजारा से होरहाप के बीच पीसीसी सड़क एवं पुलिया कई जगहों पर क्रेक कर गई है, जो इस बरसात में पुरी तरह बर्बाद हो जाएगी। इस आशंका के मद्देनजर ग्रामीण अपने सड़कों को बचाने के लिए एकजुट हो गए हैं और रात भर जगकर इस मार्ग पर चलने वाले भारी वाहनों को रोक रहे हैं। इस कार्रवाई से बालू माफिया काफी अक्रोशित हो गए हैं। वहीं ग्रामीण इस पथ पर भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगाने के लिए कमर कस चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शहर से महज 25 किमी का अंतराल होने के बाद भी क्षेत्र में शहर और बाजार हाट जाने के लिए कोई रास्ता नहीं था। बीच में सुरक्षित वन क्षेत्र पड़ने के कारण कोई भी सांसद विधायक इस ओर ध्यान नहीं दिए। पूर्व विधायक रामकुमार पहान के प्रयास से यहां पीसीसी रोड बना है। जिसे बालू माफिया बर्बाद करने पर तुले हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वे किसी भी हालत में रोड को बर्बाद नहीं होने देंगे। रोड खराब हो जाने से है एक बार फिर यह क्षेत्र मुख्य पथ से कट जायेगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस रूट पर भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगाने की मांग की है।

चार जंगली हाथियों ने झाड़ी में बिताया दिन, लोग भयभीत

सिकिदिरी (आजाद सिपाही)। हाथी प्रभावित सुरसू एवं टाटी पंचायत में जंगली हाथियों से लोग काफी परेशान हैं। सुरसू मुखिया पति श्यामसुंदर बेदिया का कहना है कि इन दिनों जंगली हाथियों के विचरण का स्थान व समय का अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया है। कुछ दिन पूर्व एक जंगली हाथी को दोपहर के समय सुरसू जंगल के रोड में घुमते देखे गये थे। वहीं चार जंगली हाथी पूटादाग गांव के बगल में डेरा जमाये हुए थे। टाटी सिंगारी बजार टांड़ के बगल में स्थित झाड़ी में चार जंगली हाथियों को देख इसकी सूचना जंगल विभाग को दी गई। सूचना पर वनरक्षी कृष्णा महतो के नेतृत्व में शाम को हाथी भगाव दल को लाया गया। जिसने मशाल जला कर हाथियों को गांव से दूर भगाया गया। मौके पर समाज सेवा सह आजसू के प्रखण्ड उपाध्यक्ष अमर सिंह मुण्डा, समाज सेवा भोला बेदिया, तीजू बेदिया, बीरू लोहरा, मलजू बेदिया, सीताराम बेदिया, रमेश बेदिया, मंगलाचरण बेदिया, शंकर बेदिया आदि मौजूद थे।

5 महीने से नहीं मिल रही पेंशन, परेशानी बढ़ी

नामकुम (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के हजारों पेंशनभोगियों का एकमात्र सहारा वृद्ध, विधवा, दिव्यांग पेंशन पांच महीने से बंद है। पूरे जीवन हाड़तोड़ मेहनत कर जीने व बाल बच्चों को जिलाने वालों की अपनी ही काया अब साथ नहीं देती। लेकिन जान शेष है तो भूख लगती ही है। दवाओं की जरूरत तो रोज पड़ती है। ऐसे में एक हजार रुपए महीने भी मिल जाने पर नगद उधार करके दिन काटते हैं। पर वह भी पांच महीनों से बंद है। शनिवार को आजसू के केंद्रीय सदस्य संजीव सिंह उर्फ छोटू ने कहा कि झारखंड सरकार पिछले पांच माह से वृद्धा, विधवा व दिव्यांग लोगों को पेंशन नहीं दे रहा है। प्रखंड के राजाउलातू पंचायत में भ्रमण के दौरान ग्रामीणों ने आजसू के केंद्रीय सदस्य संजीव सिंह एवं नामकुम प्रखंड की पूर्व प्रमुख रीता रजनी कुजूर से शिकायत की। इस पर संजीव ने आजाद सिपाही से बात करते हुए कहा कि पांच माह से पेंशन नही मिलने के कारण विधवा महिला, वृद्ध व दिव्यांग व्यक्तियों को जीवन यापन करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से तत्काल पेंशन भुगतान किए जाने की मांग की है।

भाजपा खिजरी मंडल अध्यक्ष ने पौधरोपण करने के बाद खिलाड़ियों में जर्सी बांटी

नामकुम (आजाद सिपाही)। भाजपा खिजरी मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा की ओर से शनिवार को हहाप पंचायत के खिलाड़ियों के बीच जर्सी का वितरण किया गया। उन्होंने जर्सी वितरण कार्यक्रम की शुरूआत सर्वप्रथम हहाप पंचायत के सपारोम गांव में पौधरोपण कर किया। उन्होंने खिलाड़ियों और ग्रामीणों से कहा कि खेल जीवन का हिस्सा है। सबसे प्रमुख बात यह है कि इससे शरीर स्वस्थ रहता है। यहां के ग्रामीण खिलाड़ी प्लेटफार्म व संसाधन के अभाव में उभर नहीं पा रहे है। इसलिए मेरी ओर से छोटा सा प्रयास खिलाड़ियों को सहायता के रुप में किया गया है। उन्होंने ग्रामीणों से गांव में 100 वृक्ष लगाने एवं गांव के युवाओं को जागरूक करने की अपील की। इस दौरान खिजरी विधानसभा सांसद प्रतिनिधि प्रमोद कुमार सिंह, शंकर सिंह मुंडा, समीर राय, गोरखनाथ सिंह, हरीश कुमार गंझू, गरुर स्वासी, नितेश मुंडा, बंधु मुंडा, सुमित मुंडा, सिकंदर मुंडा, गोपाल मुंडा, आकाश मुंडा, विनोद, शुभम व अर्जुन आदि थे।

दर्जनों बाइक जब्त

रातू (आजाद सिपाही)। रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा के आदेश पर शनिवार को पुलिस ने रातू थाना क्षेत्र के तिलता ब्रिज, काठीटांड,रातू चट्टी के अलावा कई जगहों पर वाहन जांच अभियान चलाया। थाना प्रभारी शशिभूषण चौधरी के नेतृत्व में चलाये गए अभियान में चार पहिया, ऑटो व बाईक को रोक कर डिक्की के अलावा बिना हेलमेट, बिना लाइसेंस, वाहनो के कागजात में त्रुटि रहने व त्रिपल लोड बाइक सवारो की जांच की गयी। थाना प्रभारी ने बताया कि क्राइम कंट्रोल के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

खतरे को दावत दे रहा खेत में गिरा 11000 वोल्ड का बिजली का तार

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगड़ी। नगड़ी के पुराना तालाब के समीप खेत में 11000 वोल्ट का बिजली का तार पोल सहित गिर गया है। जिससे करीब 500 उपभोक्ताओं के घर में अंधेरा छा गया। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग के अधिकारी एवं कर्मियों की लापरवाही को देखते हुए प्रतित हो रहा है कि अगले-दो-तीन दिनों के भीतर उक्त पोल व तार की मरम्मति हो पाएगी। ग्रामीणों ने

बताया कि लगभग एक सप्ताह पहले 11 हजार वोल्ड का करंट प्रवाहित बिजली का खंभा खेत में काफी ढुल गया गया। इसकी सूचना बिजली विभाग के कर्मियों को भी दी गयी, लेकिन सात दिन बीत जाने पर भी अधिकारियों ने उन ओर ध्यान नहीं दिया। शनिवार को नगड़ी क्षेत्र में दिनभर बारिश होने के कारण उक्त खंभा अचानक पूरी तरह गिर गया। हालांकि इस दौरान किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बतातें चलें कि इसी तरह के घटना तीन-चार साल पहले इसी तार से जलकर नगड़ी के उरांव टोली निवासी व्यक्ति की मौत हो चुकी है।

बेड़ो में झांफकोफेड ने 60 महिलाओं के बीच बांटा टूल किट

टूल किट से पेड़ पौधों को नष्ट होने से बचाया जा सकता है: चंद्रशेखर तिवारी

आजाद सिपाही संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड के हरिहरपुर जामटोली गांव स्थित सांस्कृतिक भवन में शनिवार को झांफकोफेड कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की ओर से लघु वनोपज के विनाश-विहीन विदोहन के मॉर्डन टूल्स किट का वितरण किया गया। लैम्पस अध्यक्ष चरवा उरांव के प्रयास से प्रखंड के 60 महिलाओं को यह टूल किट उपलब्ध हुआ है। जिसमें सरना, सीरासीता, जीवन, जागृति शक्ति, गेंदा व सूरज महिला सखी मंडल को 10-10 टूल किट दिया गया। झाम्फकोफेड के चंद्रशेखर तिवारी ने टूल किट के बारे में बताया कि इस किट से पेड़ पौधों को नष्ट होने से सुरक्षित रखा जा सकता है।

महिलाओं को टूल किट देते हुए झांफकोफेड के पदाधिकारी व अन्य।

वहीं, तकनीकी प्रबंधक नीलम कुमारी ने कहा कि उक्त किट के माध्यम से महिलाऐं वनोपज को संग्रहित करने के साथ ही अपनो घरो के आस पास आम ईमली जैसे फलो को सुरक्षित तोड़कर सकते है। झारखंड राज्य जहां पर जंगल झाड़ो मे वनोपज को लोग संसाधन के अभाव में उसे सुरक्षित संग्रह तक नहीं कर पाते है। जिससे वनोपज का पूरा लाभ लोगों को नहीं मिल पाता था। ऐसे में यह किट क्षेत्र की महिलाओं के लिए वरदान साबित होगा। वहीं, लैम्पस अध्यक्ष चरवा उरांव ने कहा कृषि में महिलाओं का योगदान महत्वपूर्ण है। गांव से पलायन की समस्या दूर करने के लिए गांवों को सुविधा संपन्न बनाना होगा। मुखिया लक्ष्मी कोया ने कहा कि महिलाएं आत्मनिर्भर बनेगी तो समाज सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि टूल किट वितरण से आर्थिक और सामाजिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। मौके पर ग्राम प्रधान राम प्रसाद, 12 पड़हा राजा विशाल उरांव, उप मुखिया जसमनी, बुधराम लोहरा, महाकाल लोहरा, गोयंदा उरांव, दिलीप उरांव, सुनीता मिंज, सुमित्रा कुजूर, पंकज कुजूर, गंदुरा कुजूर सुरेंद्र उरांव, सोहन लोहरा, लाखो महतो, जतरु उरांव, पंचम उरांव, तेम्बा उरांव आदि मौजूद थे।

रातू में जिला स्तरीय हैंडबॉल प्रतियोगिता

रातू (आजाद सिपाही)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर रातू के चट्टी में हैंडबॉल संग के तत्वाधान में रांची जिला स्तरीय दो दिवसीय हैंडबॉल बालक-बालिका प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कुल 8 टीमों ने भाग लिया। हैंडबॉल प्रशिक्षक विष्णु कुमार की देखरेख में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसके फाइनल में बालक वर्ग रांची की टीम ने रातू टीम को 20-19 से हरा दिया। जबकि बालिका वर्ग में रातू हैंडबॉल ट्रेनिंग सेंटर ने रांची टीम को 15-10 से पराजित किया। बेस्ट प्लेयर का अवार्ड सूरज और अर्चना कुमारी को दिया गया। विजेता व उप विजेता टीम को प्रखंड खेल सलाहकार तैयब अंसारी द्वारा ट्रॉफी एवं मेडल देकर सम्मानित किया गया।

बेड़ो में वर्षा से लबालब भरे खेत, किसानों में हर्ष

बेड़ो (आजाद सिपाही)। बढ़ती गर्मी एवं तपिश से लोगों को शनिवार को राहत मिली। पिछले एक सप्ताह से प्रखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में लोग उमस भरी गर्मी से बेहाल थे। पर इस दिन दोपहर में झमाझम बारिश होनी शुरू हो गई, जिसके बाद उमस भरी गर्मी से बेहाल हो रहे लोगों को राहत मिल गई। वहीं, तीन घंटे हुई लगातार बारिश से नदी और खेतों में लबालब पानी भर गया। खेतों में भरे लबालब पानी से किसानों के चेहरे खिल उठे। किसानों ने कहा कि आज की हुई बारिश से किसान अब अपना फसल बोने की सारी तैयारी के साथ धान की खेती के लिए पीड़ा करेंगे। इसी तरह बारिश होगी तो किसान अपना फसल सही समय रोपनी कर अधिक अनाज उपज कर सकेंगे।

कार्रवाईः पथ निर्माण कार्य के दौरान की गयी आगजनी की घटना में थे शामिल

हैदरनगर से चार माओवादी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू पुलिस ने नक्सली गतिविधियों के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। हैदरनगर थाना क्षेत्र के संडेया से डंडिला तक पथ निर्माण कार्य के दौरान नक्सलियों द्वारा आगजनी की घटना को बिते दिनों अंजाम दिया गया था। जिसमें शामिल चार नक्सलियों को हैदरनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने घटना का उद्भेदन करते हुए प्रेस विज्ञप्ति जारी की है। जिसमें बताया गया है कि प्रतिबंधित संगठन भाकपा माओवादी ने नितेश यादव के नेतृत्व में इस घटना को अंजाम दिया है। घटना में शामिल हरिहरगंज थाना के तुरी टोला

पुलिस की गिरफ्त में विभिन्न आपराधिक घटनाओं में शामिल नक्सली।

निवासी मृत्युंजय यादव उर्फ दुखन उर्फ अरुनजय (31), हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के डंडिला ग्राम निवासी सुरेश रजवार (58) को पहले गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा लोकसभा चुनाव के दौरान हैदरनगर में वोट बहिष्कार के पोस्टर चिपकाने के मामले में भी पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी। इस घटना में शामिल हैदरनगर थाना क्षेत्र के सड्या टोला निवासी ब्रिज देव रजवार (65) और हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के घघरा कामगारपुर निवासी कामेंद्र राम (35) को गिरफ्तार किया गया है। नक्सलियों के पास से पांच मोबाइल फोन, तीन हजार रुपये नगद और लोकसभा चुनाव बहिष्कार से संबंधित तीन पोस्टर बरामद किया गया है। बतातें चलें कि 26 जून की रात 10 बजे सड्या ग्राम में आंगनबाड़ी के समीप नक्सलियों ने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बन रही सड़क निर्माण में लगे एक जेसीबी और दो ट्रैक्टरों सहित अन्य वाहनों को आग के हवाले कर दिया था। यह कार्य हुसैनाबाद के विधायक कमलेश कुमार सिंह के छोटे भाई बिनु सिंह करवा रहे थे। हैदरनगर थाना ने इस बाबत कांड संख्या 52/24 के तहत भादवि की धारा 147, 148, 149, 385, 387, 435, 427, 506 एवं 17 सीएलए व 10/13 यूएपी के तहत करवाई की है। वहीं, छापामारी दल में मुकेश कुमार (अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी) हुसैनाबाद, आशुतोष प्रताप नारायण पुलिस निरीक्षक हुसैनाबाद, रामशंकर पटेल थाना प्रभारी हुसैनाबाद, अफजल अंसारी थाना प्रभारी हैदरनगर, पंकज कुमार तिवारी थाना प्रभारीमोहम्मदगंज, संजय यादव, पिकेट प्रभारी,एसआई विवेक कुमार हैदरनगर,हैदरनगर मोहमदगंज की टीम शामिल थी।

भाजपा मंडल अध्यक्षों के घर जाकर अरुणा शंकर ने किया उन्हें सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने निर्धारित सम्मान कार्यक्रम के तहत रामगढ़ भाजपा मंडल अध्यक्ष शंभू पासवान, बरगढ़ मंडल अध्यक्ष बजरंग प्रसाद एवं भंडरिया मंडल अध्यक्ष राजेश्वर ठाकुर के घर जाकर उन्हें एवं उनके परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया। प्रथम महापौर ने कहा कि मैं जहां भी जा रही हूं मुझे भाइयों के प्यार के साथ माताओ, बहनों का प्यार, सम्मान

और बुजुर्गों का आशीर्वाद भी मिल रहा है। मैं जल्द केंद्र सरकार की योजनाओं को प्रचारित करने के लिए डाल्टनगंज विधानसभा के सभी पंचायत में चौपाल लगाऊंगी, ताकि केंद्र सरकार द्वारा दिए जा रहे लाभ की जानकारी जन-जन को हो सके।

जिंदा रहने के लिए पौधरोपण बेहद जरूरी: कौशल

पर्यावरण संरक्षण अभियान की शुरूआत करने पत्नी के साथ विदेश रवाना हुए पर्यावरणविद
- पर्यावरण धर्म के तहत यात्रा का शुभारंभ करने से पूर्व डीसी को पौधा देकर किया स्वागत
- दिल्ली के स्कूलों में पौधरोपण कर पर्यावरणविद ने बच्चों को पर्यावरण धर्म के प्रति किया जागरूक

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के टाउन हॉल में गुरुवार और दिल्ली के पहाड़गंज के राजकीय कन्या विद्यालय में शनिवार को विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल व पंचायत डाली बाजार की मुखिया पूनम जायसवाल ने निःशुल्क पौधा वितरण सह रोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि निःशुल्क पौधा वितरण व रोपण के 57वां वर्ष और पर्यावरण धर्म व वन राखी मूवमेंट के 47वां वर्ष पूरा होने पर इस वर्ष भी पांच देशों और देश के 10 राज्यों में अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान लोगों को पर्यावरण धर्म व वन राखी मूवमेंट की जानकारी उपलब्ध कराते हुए कहा कि पौधरोपण कर हम प्रदूषण दूर कर पर्यावरण व प्रकृति की रक्षा करेंगे। इतना ही नहीं इस अभियान के तहत लोगों को जलवायु परिवर्तन, भीषण गर्मी और जल संकट पर

पलामू डीसी शशि रंजन को पौधा देते पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल।

काबू पाने के तरीकों को बताकर जागरूक किया जाएगा। ताकि ग्लोबल वार्मिंग के कहर से उन्हें बचाया जा सके। साल 2023 में इस अभियान का शुभारंभ सिंगापुर और मलेशिया में पौधा रोपण और वृक्षों पर रक्षाबंधन कर किया गया था। इस वर्ष रशियन कंट्री के अजहरबाजान की राजधानी बाकू से पौधा रोपण व रक्षाबंधन कर अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष का भी चयन किया जाएगा, ताकि पर्यावरण धर्म का प्रचार अभियान पूरे विश्व में किया जा सके। कौशल किशोर ने पर्यावरण धर्म के तहत उपहार स्वरूप देख के पांच प्रजाति के 10 पौधे अजरबाईजान के लोगों को देंगे। जिसमें कल्पतरु, सफेद चंदन, लाल चंदन, कपूर और थाईलैंड प्रजाति के आम का पौधा शामिल है। पर्यावरण धर्मगुरु कौशल ने कहा कि लोगों को जिंदा रहने व आने वाले पीढ़ी को जल संकट, भीषण गर्मी, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण जैसी महान शत्रु से मुक्ति पाना है तो उन्हें पर्यावरण धर्म के 8 मूल ज्ञान मंत्रों को दुनिया के सभी लोगों को अपने दिनचर्या में शामिल करना होगा। विद्यालय के इंचार्ज रुचि बजाज ने इस नेक कार्य के लिए पर्यावरणविद् कौशल और मुखिया पूनम को बधाई दी। उन्होनें कहा कि कौशल किशोर जायसवाल जैसा सपूत को जन्म देकर झारखंड की धरती पवित्र हो गयी है। कार्यक्रम में सूरज कुमार जायसवाल, स्कूल की शिक्षिका पिंकी, विधि, अंजू, सुमन, प्रतिभा और निशा आदि उपस्थित थीं।

अवैध रूप से संचालित ईंट भट्ठा से तीन लाख पक्की ईंट व एक टन कोयला जब्त

पलामू डीसी के निर्देश पर अवैध ईंट भट्ठा के विरुद्ध डीएमओ ने की छापामारी ईंट भट्ठा संचालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू डीसी शशि रंजन के निर्देश पर जिला खनन पदाधिकारी आनंद कुमार ने अवैध रूप से संचालित हो रहे अवैध चलंत चिमनी ईंट भट्ठा के खिलाफ शनिवार को नावा जयपुर थाना क्षेत्र में छापामारी किया। इस दौरान तिसिबार मौजा में अवैध

रूप से संचालित चलंत चिमनी ईंट भट्ठा के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए भट्ठा में तीन लाख पक्का ईंट एवं एक टन कोयला जब्त किया। लगे हाथ थाने में मिथिलेश साव के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि अवैध ईंट भट्ठा संचालकों के विरुद्ध इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

पलामू के 54वें डीडीसी शब्बीर अहमद ने ग्रहण किया प्रभार

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के 54वें डीडीसी के रूप में शनिवार को शब्बीर अहमद ने पदभार ग्रहण किया। निवर्तमान डीडीसी रवि आनंद ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने सभी डीआरडीए व विकास शाखा के कर्मियों से परिचय प्राप्त किया। पदभार ग्रहण करने के बाद सब्बीर अहमद ने कहा कि निवर्तमान डीडीसी के कार्य को आगे बढाना, विभाग से संबंधित योजना को जिला ग्रामीण विकास अभिकरण की टीम व बीडीओ के साथ मिलकर गति दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि अबुआ आवास योजना के लक्ष्य को प्राप्त करना और उसे धरातल पर उतारना प्राथमिकता रहेगी।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी पलामू की सिंचाई परियोजना : अमित तिवारी

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू के जिला अध्यक्ष अमित तिवारी ने मानसून आने में हो रही देरी पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि पलामू कि सिंचाई परियोजना बद इंतजामी, लाल फीताशाही एवं भ्रस्टाचार की भेंट चढ़ गई है। रख रखाव के अभाव में पलामू की सारी सिंचाई परियोजना दम तोड़ रही है। पलामू के किसान लगातार अकाल एवं सुखाड़ से परेशान हो रहे हैं। उनकी आर्थिक हालात बद से बदतर होती जा रही है, लेकिन सरकार इस दिशा में कोई सार्थक प्रयास नहीं कर रही है। समय पर ना ही खाद्य, बीज झारखंड सरकार किसानों को उपलब्ध करा रही है ना ही उनके द्वारा उत्पादित अनाज को ही खरीद रही है।

किसानों को सरकार से उचित समय पर राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा, जिसका फायदा बिचौलिये उठा रहे हैं। केंद्र की योजना किसान सम्मन निधि से हजारों किसानों को जानबूझकर वंचित किया जा रहा है। कहा कि पलामू में बने सैकड़ो सीरियल चेक डैम लिफ्ट इरीगेशन भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ चुके हैं। उससे किसानों को सिंचाई का लाभ नहीं मिल रहा है। जानकारी लेने पर विभाग यह बताने की स्थिति में नहीं है की सीरियल चेक डैम से लिफ्ट इरीगेशन से कितने जमीन की सिंचाई हो रही है और कितने जमीन की सिंचाई होनी थी। ठेकेदार और विभाग के इंजीनियरों की मिलीभगत से सारी योजनाओं का निर्माण नहीं बल्कि लूट हो रही है। सिंचाई योजनाओं को जानबूझकर लटकाया जा रहा है। राज्य सरकार द्वार खाद्य, बीज का वितरण समय पर नहीं कर पा रही है। चेताते हुए कहा कि सरकार की अव्यवस्था के कारण किसानों एवं मजदूरों को जो समस्या हो रही है उसे लेकर भाजपा जल्द ही किसान मजदूर के हित में सड़क पर उतर कर आंदोलन करेगी।

सात वांछित गिरफ्तार, भेजे गये जेल

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। हरिहरगंज थाना क्षेत्र के अलग-अलग मामले में फरार चल रहे सात आरोपितों को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा। उनकी पहचान ग्राम ढाब कला निवासी रामराज राम, उदेश्वर विश्वकर्मा, प्रमोद विश्वकर्मा, ग्राम कोक्रो निवासी मनीष कुमार सिंह उर्फ मृदुल सिंह के अलावे हरिहरगंज शहर के न्यू एरिया निवासी बादल कुमार, मनीष कुमार शर्मा उर्फ आकाश कुमार और मनोज कुमार के रूप में हुई है। इस संबंध में पुनि सह थाना प्रभारी चन्दन कुमार ने बताया कि सातों वांछित अलगॉ-अलग आपराधिक मामलो में फरार चल रहे थे। जिन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया गया।

हेमंत सोरेन के जेल से बाहर आने पर झामुमो कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटी

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को अदालत से बेल मिलने पर हुसैनाबाद में झामुमो के वरीय नेता एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान व डॉ एजाज आलम ने अन्य नेताओं-कार्यकर्ताओं के साथ खुशी का इजहार करते हुए मिठाई बांटी और आतिशबाजी की। उन्होंने संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। वहीं झामुमो कार्यालय में पार्टी नेता वशिष्ठ कुमार सिंह उर्फ बबलू सिंह ने कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया। झामुमो नेताओं ने कहा कि भाजपा के षड्यंत्र का पोल खुल गया है। न्यायपालिका ने निष्पक्षता का परिचय देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ किसी तरह का साक्ष्य नहीं मिलने पर उन्हें नियमित बेल दे दिया। झामुमो

नेताओं-कार्यकर्ताओं ने कहा कि जेल का ताला टूटा, हेमंत भईया छूटा। कहा कि लोकसभा झांकी है, विधानसभा अभी बाकी है। मौके पर नेहाल असगर, नगर अध्यक्ष मुन्ना कुमार देव, राजेश सिंह, विवेकानंद सिंह, अशोक सिंह, राम बच्चन बैठा, ग्यादुद्दीन सिद्दीकी, सदाम हुसैन, इजहार अंसारी, सुरेंद्र चौधरी, सीताराम सिंह, पिंटू गुप्ता, श्रवण राम, जगदीश राम, अमरेंद्र कुमार के अलावा कांग्रेस के नदीम खान आदि मौजूद थे।

सीसीएल सीएमडी ने बीएंडके क्षेत्र का निरीक्षण कर दिया उत्पादन बढ़ाने का निर्देश

सभी के सहयोग से सीसीएल हासिल करेगा 100 मिलियन टन कोयला उत्पादन का लक्ष्यः सीएमडी

कोयला उत्पादन की धीमी गति पर जतायी नाराजगी, उत्पादन बढ़ाने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

बेरमो। सीसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक निलेंदु कुमार सिंह ने शनिवार को सीसीएल बीएंडके क्षेत्र के कारो और एकेकेओसीपी (खासमहल) परियोजना का निरीक्षण किया। उन्होंने कोयला उत्पादन में आ रही बाधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने बाधाओं को दूर कर कोयला उत्पादन व डिस्पैच बढ़ाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान सीएमडी ने क्षेत्र के महाप्रबंधक के रामकृष्ण व उपस्थित अन्य पदाधिकारियों से वस्तुस्थिति की जानकारी ली। इस अवसर पर सीएमडी ने भी कारो प्वाइंट पर संबंधित पदाधिकारियों से मिलकर उत्पादन, उत्पादकता व डिस्पैच की जानकारी ली और खदान विस्तार में आ रही समस्याओं से भी अवगत हुए।

इधर, बीकेबी ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड आउटसोर्सिंग कोल फेस पर पहुंच कर परियोजना के पदाधिकारियों व कंपनी कर्मचारियों से वार्ता की। जिसके बाद उन्होंने कोयला उत्पादन की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दिया। सीएमडी ने हर हाल में वार्षिक लक्ष्य को पूरा करने का निर्देश दिया। इसके बाद उन्होंने परियोजना के खदानों का दृष्टिकोण से निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए। सीएमडी ने कहा कि मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे पुनः कोल इंडिया के सीसीएल परिवार में आने का अवसर मिला है। सीसीएल में 14 एरिया हैं और इस वित्तीय वर्ष में 100 मिलियन टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। सीसीएल ने जिस तरह से तैयारी की है, मुझे आशा ही नहीं, बल्कि पूरा विश्वास है कि 100 मिलियन टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य प्राप्त करेगा। विस्थापन नीति की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें चार महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखा गया है। लंबित मामलों का कंपनी नियमानुसार शीघ्र निपटारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश की ऊर्जा जरूरतों को देखते हुए अधिक उत्पादन करने के लिए सीसीएल के सभी एरिया में निरंतर प्रयास किया जा रहा है। इस बीच सीएमडी ने कारो देवी मंदिर में पूजा भी की। उसके बाद कारो के विस्थापितों ने देवी मंदिर में सीएमसी से बातचीत करते हुए जमीन के बदले नौकरी, मुआवजा, पुनर्वास की मांग की। कहा यदि हम लोगों को वाजिब अधिकार नहीं मिलेगा तो माइंस नहीं चलने देंगे। अब तक पीओ के कहने पर मकान खाली किए लेकिन नौकरी मुआवजा पुनर्वास और रोजगार नहीं मिला। जबकि जमीन से कोयला निकाला जा रहा है। इस दौरान सीएमडी ने कहा माइंस बंद करना है बंद कर दीजिए उससे हमको कोई फर्क नहीं पड़ता है। लेकिन आपका अधिकार जो है वह मिलना चाहिए मैं भी चाहता हूं। आपलोगों का अधिकार मिलेगा। विस्थापितों की मांगें उन्होंने नोट करवाया। विस्थापितों ने कहा कि विस्थापित नेताओं के माध्यम से प्रबंधन को मांग उठवाए हैं तो सीएमडी ने कहा कि क्या नेताओं से मांग मिल जाएगा। इस मौके पर जीएम के रामकृष्ण, पीओ खासमहाल केएस गायवाल, कारो पीओ एसओ केझा और करगली वाशरी पीओ वीएन पांडेय, एसओ ईएंडएम गौतम मोहंती, एरिया सेफ्टी ऑफिसर सतेन्द्र प्रसाद, यूनियन नेता और ग्रामीण भी उपस्थित थे।

मृत सहायक अध्यापक के आश्रित को दी गयी सहायता राशि

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड क्षेत्र के राजकीय मध्य विद्यालय लक्सेरा के मृत सहायक अध्यापक अवध किशोर राम के आश्रितों को सहायक अध्यापक संघ ने सहायता राशि प्रदान की। विदित हो कि लोकसभा चुनाव प्रशिक्षण के दौरान लू लगने से मेदिनीनगर सदर अस्पताल से बेहतर इलाज के लिए रांची ले जाने के क्रम में अवध किशोर राम की मौत हो गई थी। शनिवार को सहायक अध्यापक संघ ने मृतक के पैतृक गांव बैराव पहुंचकर उनकी पत्नी को एक लाख 39 हजार रुपए की सहयोग राशि सौंपी। साथ ही

यथासंभव मदद का भरोसा भी दिलाया। मौके पर हुसैनाबाद के अनुमंडलीय अध्यक्ष पप्पू पटेल, आंकलन सफल सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा हुसैनाबाद के अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, सचिव बैद्यनाथ पासवान, मीडिया प्रभारी अनिल पासवान, उपाध्यक्ष रामप्रवेश राम, कोषाध्यक्ष अविनाश सिन्हा, रजनीश कुमार, अनिल कुमार सिंह, अभय राम, वीरेंद्र पाल, पप्पू पासवान, विनय शर्मा, कृष्ण कुमार राम, रमेश राम, विनोद कुमार, अभिषेक कुमार सिंह, दिलीप भगत, संजीव कुमार, अशोक पासवान, रामचंद्र राम, उपेंद्र ठाकुर आदि मौजूद थे।

विशेष लोक अदालतः एक लाख 63 हजार 441 विवादों का मौके पर ही निष्पादन

एक अरब 66 करोड़ 34 लाख 63 हजार रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण

हाथी के कुचलने, करंट लगने से हुई मौत व गाय के मालिक को मिला मुआवजा

30 दिनों के भीतर हो मुआवजा संबंधी विवादों का निस्तारण : न्यायाधीश

आजाद सिपाही संवाददाता

विशेष लोक अदालत में गणमान्य लोगों की मौजूदगी में पीड़ितों को दिया जा रहा मुआवजा।

धनबाद। झारखंड विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से धनबाद के कोयला नगर स्थित बीसीसीएल सामुदायिक भवन शनिवार को एक दिवसीय भू अधिग्रहण, राजस्व संग्रहण, पुनर्वास से संबंधित मुकदमों के निपटारे को लेकर विशेष लोक अदालत आयोजित हुआ। जिसमें झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सह झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद, न्यायाधीश आनंदा सेन, न्यायाधीश प्रदीप कुमार श्रीवास्तव बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उनकी अगुवाई में विभिन्न तरह के विवादों का मौके पर ही निस्तारण करते हुए एक अरब 66 करोड़ 34 लाख 63 हजार रुपए की परिसंपत्तियों के अलावा नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। वहीं एक लाख 63 हजार 441 विवादों का मौके पर ही निष्पादन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर की गई, जिसके बाद नालसा का थीम सांग हुआ। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश राम शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। जिसके बाद न्यायमूर्ति आनंदा सेन ने कहा कि भू अधिग्रहण से संबंधित विवाद के मामले ज्यादा बढ़ते जाते हैं। उसका निपटारा करते हुए जल्द से जल्द उन्हें पुनर्वासित करने और समुचित मुआवजा दिलाना हम लोगों का सामाजिक दायित्व और कर्तव्य है। वहीं, न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा कि मुआवजा का अर्थ केवल यह नहीं कि उन्हें रुपए का भुगतान कर दिया जाए, बल्कि मुआवजा का अर्थ यह भी है कि सामाजिक सुरक्षा के तहत उनके परिवार के जीवन यापन और उन्हें रहने के लिए छत की व्यवस्था करना है। न्यायाधीश ने धनबाद डीसी एवं बीसीसीएल सीएमडी से अनुरोध किया कि वह मुआवजा संबंधित विवादों का निस्तारण 30 दोनों के अंदर करें, ताकि लोगों को समुचित लाभ मिल सके। वह दर -दर की ठोकर खाने से बच जाये। इसके बाद नुक्कड़ नाटक आयोजित हुआ। जिसमें अग्नि प्रभावित क्षेत्रों से विस्थापित किए गए लोगों के दर्द को दिखाया गया। डालसा के प्रयास से उन्हें नया घर मिला। इस अवसर पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए न्यायाधीश ने कहा कि धनबाद में कोयला उत्खनन व भू अधिग्रहण के ज्यादातर मामले पाए गए। जिसमें लोगों को समय पर मुआवजा नहीं मिल पाया था। इस कारण धनबाद को ही विशेष आयोजन के लिए चुना गया। वहीं, छह महीना पहले टुंडी के एक युवक की मौत हाथी के कुचल देने से हो गयी थी। उसकी विधवा रेशोमुनि सरकारी दफ्तरों का चक्कर काट-काट कर थक गई थी पर उसे मुआवजा नहीं मिला था। डालसा ने उसकी सुध ली और मृतक की पत्नी को वन विभाग से चार लाख रुपए मुआवजा का भुगतान कराया। वहीं बिजली के पोल में गाय के सट जाने और उसकी मौत हो जाने के मामले में भी डालसा ने पहल करते हुए गाय के मालिक मंटू यादव एवं अरविंद कुमार को बिजली विभाग से 30-30 हजार रुपए मुआवजा का भुगतान कराया।

भू-अधिग्रहण के मामले में लाभुकों को मिला चेक

राष्ट्रीय राजमार्ग प्रबंधन की ओर से सड़क निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण किए जाने के मामले में महीनों दफ्तर का चक्कर लगाते थक चुके राजबल मुरमुर को दो करोड़ 9 लाख 42 हजार 211 रुपये, जीतन मांझी को 5 लाख 54 हजार 843 रुपए। जिला प्रशासन की ओर से अजय कुमार महतो को 2 लाख 51 हजार 547 रुपए, अर्जुन रवानी को 15 लाख 14 हजार 438 रुपए का भुगतान किया गया। विशेष लोक अदालत में न्यायाधीश द्वारा कलि 44 लोगों को ऑन द स्पॉट नियुक्ति पत्र सौंपा गया। बीसीसीएल ने 40 लोगों की नियुक्ति अनुकंपा के आधार पर की थी। वहीं टाटा द्वारा दो एवं रेलवे की ओर से दो लोगों को नियुक्ति दी गई। नियुक्ति पत्र मिलने पर इबरान अंसारी, अमन चौहान, स्वप्निल कुमार, कपिल चंद्र दास, अश्वनी कुमार, उज्जवल कुमार पासवान और विनीता देवी ने बताया कि वह सरकारी दफ्तरों का चक्कर लगाकर थक चुके थे। पर डालसा ने उन्हें न्याय दिलाया। इस मौके पर झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार की सदस्य सचिव रंजना अस्थाना, डिप्टी सेक्रेटरी अभिषेक कुमार, डीसी माधवी मिश्रा, बीसीसीएल सीएमडी समीरन दत्ता, निदेशक फाइनेंस राकेश सहाय, निदेशक ऑपरेशन एसके सिंह, डीडीसी सादत अनवर, एसएसपी एचपी जनार्नदन, जिला एवं सत्र न्यायाधीश रजनीकांत पाठक, प्रभाकर सिंह, सुजीत सिंह, डीसी अवस्थी, स्वयंभू, कुलदीप, एसएन मिश्रा, प्रफुल्ल कुमार, संजय सिंह, साकेत कुमार, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी आरती माला, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव त्रिपाठी, अवर न्यायाधीश निताशा बारला, स्वेता कुमारी, ऐजोलिना जॉन, नगर आयुक्त, नेशनल हाईवे के निदेशक अरविंद सिंह आदि थे।

धनबाद में अवैध खनन जारी, बालू की हो रही कालाबाजारी

धनबाद (आजाद सिपाही)। झारखंड सरकार और मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन की सख्त हिदायत के बावजूद धनबाद कोयलांचल में बालू का अवैध खनन दिन के उजाले में ही खुलेआम हो रहा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण जिले के बैजरा एवं सिजुआ घाटों को देखने को मिल रही है, जहां से बालू का अवैध खनन कर जमकर कालाबाजारी की जा रही है। इसमें धनबाद के प्रशासनिक अधिकारियों की संलिप्तता भी सामने आ रही है। पर इस मुद्दे को लेकर सभी मौन हैं। सूत्रों की माने तो यहां से बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश तक बॉर्डर पार कर बालू माफिया बालू तस्करी कर मोटी कमाई कर रहे और स्थानीय पुलिस प्रशासन मुकदर्शक बनी सब देख रही है। विगत दिनों धनबाद डीसी के नाम पर प्रति हाईवा सात हजार रुपये की वसूली किये जाने का खुलासा हुआ। उक्त खबर ने मीडिया में खूब सुर्खियां बटोली। तब प्रशासन नींद से जागा और सख्ती बरतते हुए कुछ अवैध बालू ले जाते गाड़ियों को जब्त किया। तब कुछ दिनों के लिए अवैध खनन में कमी आई, लेकिन वह स्थिति पहले की ही तरह हो गयी है। खनन माफिया बेखौफ होकर अपना काम कर रहे हैं।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
MINOR IRRIGATION DIVISION, KODERMA
(2nd Call)

Very Short Notice Inviting e-quotation.

Notice :- WRD/MID, KODERMA-03/2024-25, Date-29.06.2024

Government of Jharkhand through its Public Work Department (PWD) is engaged in framing/ revision of Schedule of Rate and as part of this endeavor, quotations through e-tender are invited for Hire Charges of plant & Machineries annexed as Annexure- I for Construction Work from Reputed Manufacturers/ Owners/ Lesser for respective items. The Hire Charges confirming to specification for inclusion in the schedule of Rate for Government of Jharkhand to be used in different Civil construction/ infrastructure works and repair works shall be submitted online in the website http://jharkhandtenders.gov.in. Details of Plant and Machineries are available on the above e-tender portal. The quotationer may download the documents from the website and quote their rate for hire charges of Plant and Machineries online from 03.07.2024 at 10:30 hrs. to 09.07.2024 at 16:00 hrs. The quotation will be opened on 11.07.2024 at 14:00 Hours.

The Quotation is invited to ascertain and assess the Hire Charges of Plant & Machineries at par with lowest market rate for framing of Schedule of Rate.

Address for Communication: -
Executive Engineer
Minor Irrigation Division, Koderma
Mobile No. :- +91 99391 93214
Email - eemidkod-cemr-jhr@nic.in

Executive Engineer
Minor Irrigation Division, Koderma

PR 328195 Minor Irrigation(24-25)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला

अति–अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं०–09/2024–25
(विधायक योजना मद)

1. विभाग का नाम :– पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड।
2. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, गुमला।
3. परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय :– 08.07.2024 के अपराहन 1.00 बजे तक (छुटटी के दिनों को छोड़कर)
4. निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :– 09.07.2024 को 1.00 बजे अपराहन तक।
5. निविदा खोलने की संभावित तिथि एवं समय :– 09.07.2024 के 3.30 बजे अपराहन ।
6. निविदा परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– (क) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, गुमला। (ख) सहायक अभियन्ता, पेयजल एवं स्व0 अवर प्रमण्डल सं0–1 गुमला।
7. निविदा प्राप्ति का स्थान :– (क) कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता, प्रमण्डल, गुमला।

कार्य की विवरणी

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि लगभग	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	बजार टांड़ कृष्णा राम एवं मदीना मस्जिद, पंजाबी गली गुमला में जलापूर्ति पाईप बिछाने का कार्य 2024–25	7,72,000.00	15,000.00	1250.00	45 Days

निविदा की नियम एवं शर्ते :–कार्यालय सूचना पट पर उपलब्ध है।

कार्यपालक अभियंता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल,
गुमला।

PR 328179 (Drinking Water and Sanitation) 24-25 (D)

कार्यालय, जिला अभियंता, लातेहार

अति अल्पकालीन ई–निविदा आंमत्रण सूचना
ई0–संख्या– ZP/LATEHAR- 08/2024-25

1. कार्य का नामः–

क्र	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र की राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि	NIT रेफरेन्स संख्या
1	प्रखण्ड बालूमाथ पंचायत मासियातु ग्राम भांग में मेन रोड से आंगनबाडी केन्द्र तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	89,10,800	1,78,500	10,000	06 माह	01/2024-25 /ZP/LATEHAR

2. बेवसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :– 04.07.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :–10.07.2024, 5.00 बजे अपराहन् तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 12.07.2024 अपराहन 02:00 बजे।
5. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार परिमाण विपत्र का 02 प्रतिशत राशि अग्रधन की राशि के रूप में जमा करना होगा।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार किया जाएगा।
7. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जाएगा उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी।
8. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः– जिला अभियंता, लातेहार।
9. ई–निविदा प्रकोशठ का दूरभाश संख्या– 6205276661
10. प्राक्कलित राशि बढ़ या घट सकती है।
11. संवेदक को Ucan Certificate संलग्न करना अनिवार्य है।
12. उक्त निविदा में BCD/ जिला परिषद, लातेहार में निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदक निविदा में भाग ले सकते है।
13. विस्तृत जानकारी के लिए बेवसाईट www.jharkhandtendres.gov.in पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
लातेहार।

PR.NO.328187 Rural Development(24-25):D

स्लम क्षेत्र की झुग्गी-झोंपड़ियों में रहने वाले परिवारों की समस्याओं का सर्वेक्षण

धनबाद (आजाद सिपाही)। सिंदरी और धनबाद नगर निगम के वार्ड नंबर 14 के अंतर्गत खरिकाबाद में भारत ज्ञान विज्ञान समिति के आलोक में झारखंड ज्ञान विज्ञान समिति के धनबाद जिला इकाई की ओर से वर्तमान में शहरी क्षेत्रों की चुनौतियों पर स्लम क्षेत्र के झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले परिवारों के आवास, पेयजल, जल जमाव, स्वच्छता, रोजगार, बिजली व शिक्षा आदि समस्याओं को लेकर 100 परिवार का सर्वेक्षण किया गया। पूर्व में इसी वर्ष 24 फरवरी को खरिकाबाद व 25 फरवरी को धनबाद लिंडसे क्लब में भारत ज्ञान विज्ञान समिति के आलोक में धनबाद जिला इकाई की ओर से शहरी क्षेत्रों की चुनौतियों को लेकर बैठक की गई थी। उक्त सर्वे भारत ज्ञान विज्ञान समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ काशी नाथ चटर्जी, प्रो डॉ दीपक कुमार सेन, डॉ अंतरिन चक्रवर्ती के मार्गदर्शन में धनबाद जिले के सिंदरी में प्रियदर्शनी पार्क, बीबीजी कैंप बस्ती, गोराई बस्ती, आजाद नगर, रांगामाटी, नतूनडीह गौशाला और खरिकाबाद में गोंडुडीह ओपी के समीप 8 नंबर, 9 नंबर, तुरिया बस्ती व 10 नंबर खरिकाबाद में 24 जून से शुरूआत की गई थी। इसके साथ ही खरिकाबाद में झारखंड सरकार की ओर से एक जुलाई से मुख्यमंत्री बहन-बेटी स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना को लेकर जन- जागरूकता चलाया गया। उपरोक्त सर्वे को लेकर भारत ज्ञान विज्ञान समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ काशी नाथ चटर्जी ने कहा कि उक्त सर्वे का प्रतिवेदन तैयार होने पर जिले, राज्य व केंद्र सरकार के पास पेश किाय जाए। साथ ही प्रेस वार्ता कर संपूर्ण तथ्यों को रखा जाएगा। इस सर्वेक्षण को करने में सिंदरी में हेमंत कुमार जायसवाल, विकास कुमार ठाकुर, रानी मिश्रा, अनुप्रिया कुमारी, मिठू दास, राज नारायण तिवारी, प्रफुल कुमार स्वैन व रजनीकांत मिश्रा, खरिकाबाद में भोला नाथ राम, रवि सिंह, रविंद्र कुमार राम, खुशी कुमारी, मधेश्वर नाथ भगत और विकाश गुप्ता का सहयोग रहा।

ग्राउंडवाटर रिचार्ज से संबंधित योजनाओं पर विशेष ध्यान दें अधिकारी : डीडीसी

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। डीडीसी सादात अनवर की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय स्थित सभागार में जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक हुई। जिसमें सर्वप्रथम कार्यपालक अभियंता पेयजल-1 एवं 2, राज्य समन्वयक, स्वच्छ भारत मिशन संजय कुमार पांडेय द्वारा पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से डीडीसी सहित बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारियों को धनबाद जिले में ओडीएफ एवं ओडीएफ प्लस के तहत अब तक हुए कार्यों की जानकारी दी गई। इसके अलावा ओडीएफ प्लस के अंतर्गत धनबाद जिले में एस्पायरिंग, राइजिंग व मॉडल के अंतर्गत गांव की हुई रेटिंग की भी जानकारी दी गई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध प्रगति का अनुश्रवण, ग्राम स्तर पर स्वच्छता, ठोस, तरल कचरा प्रबंधन के क्रियान्वयन के लिए ग्राम कार्य योजना तैयार करने, फाइव स्टार श्रेणी में गांव को ओडीएफ प्लस घोषित करने माहवार लक्ष्य का निर्धारण आदि बिंदुओं पर समीक्षा की गयी। डीडीसी ने उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर स्वच्छता, ठोस, तरल कचरा प्रबंधन के क्रियान्वयन के लिए ग्राम कार्य योजना तैयार करें और फाइव स्टार श्रेणी में गांव को ओडीएफ प्लस घोषित करने का शत-प्रतिशत लक्ष्य का निर्धारण करें। बैठक में प्रखंडवार ओडीएफ प्लस सहित अन्य बिंदुओं पर बारी-बारी से समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिया जाए। डीडीसी ने प्रखंडवार विभिन्न योजनाओं की अद्यतन स्थिति की भी जानकारी ली। साथ ही ज्यादा से ज्यादा ओडीएफ प्लस सरंचनाओं यथा सामुदायिक सोकपिट, कम्पोस्ट पीट, ट्रेंच का निर्माण (मल कचरा प्रबंधन) स्वच्छता प्रबंधन करने के निर्देश दिए। बैठक में डीएसडब्लूओ अनिता कुजूर, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह, जिला शिक्षा अधीक्षक भूतनाथ रजवार, बीडीओ, जिला समन्वयक, जिला जल एवं स्वच्छता विभाग के एई, जेई के साथ ही कर्मचारी मौजूद थे।

स्वदेशी जागरण मंच की राष्ट्रीय परिषद की बैठक

बोकारो (आजाद सिपाही)। स्वदेशी जागरण मंच के कार्यकताओं की तीन दिवसीय राष्ट्रीय परिषद बैठक पिछले दिनों लखनऊ में शुरू हुई । एस आर ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन बीकेटी में शुरू हुई राष्ट्रीय परिषद बैठक में भारत के सभी राज्यों से स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारी भाग ले रहे हैं । प्रांत, क्षेत्र एवं राष्ट्रीय स्तर के कार्यकर्ता तीन दिन तक विभिन्न विषयों पर चिंतन मंथन करेंगे । राष्ट्रीय परिषद के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मंच के अखिल भारतीय संयोजक मदुरई तमिलनाडु के आर सुंदरम ने स्वदेशी जागरण मंच द्वारा संचालित गतिविधियों का वर्ष भर का लेखा-जोखा लिया तथा स्वावलंबी भारत अभियान के माध्यम से देश भर में युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित करने हेतु किए जा रहे जन जागरण अभियान की समीक्षा भी की ।

मंच की इस राष्ट्रीय परिषद में शुक्रवार को 'जनसंख्या और अर्थव्यवस्था' विषय पर एक प्रस्ताव भी पारित किया गया। मंच का मानना है कि भारत की बढ़ती जनसंख्या बोझ नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को विश्व की सर्वोच्च अर्थव्यवस्था बनने के लिए कारगर सिद्ध हो सकती है। बशर्ते 37 करोड़ युवा शक्ति को उद्यमिता की ओर जोड़ा जा सके। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए एसआर इंस्टीट्यूट के निर्देशक पवन सिंह चौहान ने कहा कि देश की समृद्धि स्वदेशी से ही संभव है, यदि हम विदेशी और आयातित वस्तुओं पर निर्भर रहे तो हमारे उद्यम समाप्त हो जाएंगे और हम केवल विदेशी कंपनियों के ट्रेडर्स बनकर रह जाएंगे। स्वदेशी जागरण मंच के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख डॉ धर्मेंद्र दुबे ने बताया कि राष्ट्रीय परिषद बैठक में 45 प्रांतों के 300 से अधिक पदाधिकारी भाग ले रहे हैं। राष्ट्रीय परिषद के प्रथम दिवस ह्लवैश्विक बाजार की शक्तियां चुनौती प्रभाव एवं परिवर्तनह्व विषय पर पुस्तिका का विमोचन भी किया गया । स्वदेशी मेला, स्वदेशी शोध संस्थान, स्वदेशी प्रवाह, स्वदेशी मीडिया, पंच परिवर्तन, माय एसबीए पर भी चर्चा हुई । वर्ष 2047 के लिए समृद्ध एवं महान भारत कैसे बने इस हेतु विस्तृत रोड मैप आगामी कार्य योजनाओं का इस परिषद बैठक में निर्धारित किया जा रहा है ।

पुलिस की पाठशाला में महिलाओ की सुरक्षा-अधिकारों पर विशेष चर्चा

महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा को लेकर पुलिस अति गंभीरः डीएसपी

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। देश के नए कानूनों में से एक आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार लाने के उद्देश्य से परिवर्तनकारी संशोधन पेश किए गए हैं, जिसमें समय पर न्याय प्रदान करने, पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण, लैंगिक तटस्थता, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों के लिए कड़े दंड का प्रावधान किया गया है। वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन के निर्देश पर उन्हीं विषयों को लेकर शनिवार को एसएसएलएनटी महिला कॉलेज में धनबाद पुलिस की तरफ ओर से 'पुलिस की पाठशाला' अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान वहां मौजूद छात्राओं को नए कानून के तहत महिलाओं के लिए निहित अधिकारों पर विशेष चर्चा करते हुए उन्हें सुरक्षा से जुड़े पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय 2) संदीप गुप्ता ने बताया कि नए कानूनों में महिलाओं व बच्चों के खिलाफ अपराधों के अनुसंधान को प्राथमिकता दी गई है। दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के मामलों में जांच को दो महीने के भीतर पूरी करने की व्यवस्था की गई है। नए कानून के तहत पीड़िता को अपने मामले की प्रगति पर नियमित रूप से जानकारी पाने का कानूनी अधिकार भी प्रदान किया गया है। डीएसपी ने बताया कि नए कानूनों में ऐसे कई प्रविधान किए गए हैं, जो न्याय की अवधारणा को मजबूत करते हैं। अंग्रेजों के बनाए कानून को खत्म करते हुए पहली बार छोटे अपराधों में सजा के तौर सामुदायिक सेवा का भी प्रविधान किया गया है। पुलिस विवेचना में अब तकनीक का उपयोग अधिक से अधिक होगा। इसके लिए डिजिटल साक्ष्यों को पारंपरिक साक्ष्यों के रूप में मान्यता दी गई है। डीएसपी ने छात्राओं को महिला सुरक्षा, घरेलु हिंसा व यौन अपराध से बचाव को लेकर सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से विस्तृत जानकारी दी। किसी भी आपातकालीन स्थिति में हेल्पलाइन नंबर 100-112 के इस्तेमाल करने को कहा। बताया कि महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा को लेकर पुलिस अति गंभीर है। इस मौके पर पुलिस निरीक्षक सह धनबाद थाना प्रभारी राम नारायण ठाकुर के अलावा एसएसएलएनटी महिला कॉलेज की प्रिंसिपल शर्मिला रानी आदि थीं।

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
(भूमि संरक्षण निदेशालय, झारखण्ड)
कार्यालय –भूमि संरक्षण पदाधिकारी, लोहरदगा

कृषकों, महिला स्वयं सहायता समूहों एवं अन्य को अनुदानित दर पर पम्पसेट एवं छोटे कृषि उपकरण बैंक वितरण की योजना

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (कृषि प्रभाग), झारखण्ड, राँची, वित्तीय वर्ष 2023–24 के **राज्यादेश सं0–56 दिनांक06.11.2023** के आलोक में कृषकों, महिला स्वयं सहायता समूहों तथा अन्य के लिए अनुदानित दरपर **पम्पसेट एवं पाईप तथा छोटे कृषि उपकरण बैंक की स्थापना** की योजना।

पम्पसेट एवंपाईपवितरण की योजना

मनरेगा अंतर्गत निर्मित सिंचाई कूपों के लाभान्वित छोटे और सीमान्त कृषकों/स्वयं सहायता समूहों/महिला सखीमंडल/कृषक समूहतथा साथ हीसाथ भूमिसंरक्षण निदेशालय द्वारा गतवित्तीय वर्षो में तालाबजीर्णोद्धार योजना एवं जलनिधि योजना के तहत् निर्मित परकोलेशन टैंक के लाभान्वितपानीपंचायत के सदस्यों एवं अन्य सिंचाईश्रोत से लाभान्वित कृषकोंकोभीउक्त योजना के तहत् पम्पसेट(1.5–3.0 H.P.तथा3.5–5.0 H.P.)एवं 200 फीटHDPE Pipe(63-75mm)तथा1.0एच0पी0सोलर पम्पसेट(Troly Mounted Movable Type)उपलब्ध करायाजायेगा।

क्र0	पम्पसेट के प्रकार	90%अनुदान	जिलाका लक्ष्य
1	पम्पसेट1.5–3.0 H.P. एवं 200 फीटHDPE Pipe (63-75mm)	अधिकतम 20,000.00 (बीस हजार रूपयेमात्र)	300 संख्या
2	पम्पसेट3.5 – 5.0 H.P. एवं 200 फीटHDPE Pipe (63-75mm)	अधिकतम 30,000.00 (तीस हजार रूपयेमात्र)	20 संख्या
3	1.0एच0पी0 सोलरपम्पसेट(Troly Mounted Movable Type)	अधिकतम 90,000.00 (नब्बे हजार रूपयेमात्र)	06 संख्या

जिन कृषकोंको पूर्वमेंकृषिविभाग (निदेशक समेति/भूमि संरक्षण निदेशालय/कृषि निदेशालय/उद्यान निदेशालय) द्वारा सिंचाई पम्पका लाभ प्राप्त कराया जाचुका हैउन कीपात्रता इस योजना के लिए मान्य नहीं होगी। मनरेगा अन्तर्गत निर्मित सिंचाई कूपों के लाभान्वित प्रखण्ड विकास पदाधिकारी/प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी के कार्यालय में अपनानाम दिनांक 10.07.2024 तक सूचीबद्ध करायेगें।

लाभुककाचयन :–

- इस योजनान्तर्गत छोटे एवं सीमान्त कृषकों/स्वयं सहायता समूहों/महिला सखीमंडल/कृषक समूह/लैम्पस–फैक्सको पम्पसेट के साथ 200 फीट एच0 डी0 पी0 ई0 पाईपतथा 1.00 एच0 पी0 सोलरपम्पसेट (ट्राली मॉउटेड मोबेबल टाईप) कावित रण किया जायेगा।
- मनरेगा अन्तर्गत निर्मित संचाई कूपों के लाभान्वितों कृषकों के साथ भूमिसंरक्षणविभाग द्वारागतवर्षोमेंतालाबजिर्णोद्धार एवं परकोलेशन टैंकनिर्माण के लाभन्वितों पानी पंचायत के सदस्यों को उक्त योजना काला भदिया जायेगा।
- ग्रामीण विकास विभाग से अभिसरण स्थापित करते हुए मनरेगा अंतर्गत निर्मितसिंचाई कूपों के लाभान्वितछोटेऔरसीमान्त कृषकों/स्वंय सहायता समूहों/महिला सखीमंडल/कृषकसमूह के साथ भूमि संरक्षण निदेशालय द्वारागतवित्तीय वर्षो मेंतालाब जीर्णोद्धार योजना एवं जल निधि योजना के तहत निर्मित परकोलेशन टैंक के लाभान्वित पानी पंचायत के सदस्यों एवंअन्य सिंचाई श्रोत से लाभान्वित कृषकों को भीउक्त योजना के तहत पम्पसेट (1.5–3.0 एच0पी0 तथा 3.5–5.0 एच0पी0) एवं 200 फीट एच0डी0पी0ई0 पाईप(63-75mm), 1.0 एच0पी0 सोलर पम्पसेट उपलब्ध कराया जायेगा।
- संबंधित जला के भूमि संरक्षण पदाधिकारी/
- व्यक्तिगत कृषि उपकरणहेतु कृषक अपना आवेदन दिनांक 15.07.2024 तक भूमि संरक्षण कार्यालय लोहरदगा से निःशुल्क आवेदन पत्र प्राप्त कर कार्यालय अवधि में जमाकरें।

उक्त योजना से संबंधित अन्य जानकारियों के लिए निम्न पत्ते पर संपर्क किया जा सकता है।

कार्यालय का पता –भूमि संरक्षण कार्यालय लोहरदगा, वीरबुधू भगत भवन, दुसरा तल्ला, लोहरदगा, पिन कोड–835302, फोन नं0 –7979050693

भूमि संरक्षण पदाधिकारी,
लोहरदगा।

PR 328136 (Lohardaga) 24-25 (D)

संथाल हूल शोषण मुक्त समाज के लिए लड़ी गयी एक बड़ी लड़ाई थी

डॉ कोरनेलियुस मिंज

भारतीय इतिहास में 8 अगस्त 1942 का जो महत्व है, वहीं महत्व 30 जून 1855 ई का भी है। 8 अगस्त 1942 ई को अखिल भारतीय कांग्रेस की एक सभा बंबई में हुई थी। इस सभा में एक प्रस्ताव परित किया गया था, जिसके द्वारा अंग्रेजों से आग्रह किया गया था कि वे भारत छोड़ कर चले जायें। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने इस सभा में 30 मिनट तक भाषण देते हुए करो या मरो का मंत्र दिया था। ठीक इसी प्रकार का संकल्प तत्कालीन बिहार राज्य के संथाल प्रगना जिला के राजमहल क्षेत्र के भोगनाडीह गांव में 30 जून 1855 ई को 10 हजार संथालों के बीच संथाल नेता सिद्धों, कान्हू ने परित किया था। उन्होंने अपने प्रस्ताव के द्वारा यह घोषित किया कि अंग्रेजी हुकूमत उनकी भूमि छोड़ दे। 15 दिन के भीतर अंग्रेज संथालों की भूमि से हट जायें और शांतिपूर्ण तरीके से संथालों को अपनी जमीन पर राज करने दे। सिद्धू कान्हू ने अंग्रेजों को अपनी जमीन से भगाने के लिए अपने साथियों को करो या मरो का महामंत्र दिया। संथाल विद्रोह महाजनों के अत्याचार के खिलाफ उठा था। उग्र संथाल चाहते थे कि अंग्रेजों के सहायक महाजनों को खत्म किया जाये। उनके शोषण, अत्याचार से हमेशा के लिए मुक्ति मिले। इस मुक्ति के लिए अपने प्राणों की आहुति देने के लिए चुन्नी माझी के चार साहसी पुत्र - सिद्धू, कान्हू, चांद और भैरव कूद पड़े। इनका साथ बहन फूलो और झानो ने भी दिया। इन वीर सपूतों को न सिर्फ संथालों का सहयोग प्राप्त हुआ बल्कि सभी वर्गों का समर्थन मिला। सिद्धू के व्यक्तित्व में एक जादू था। उनके व्यक्तित्व से सभी वर्ग के लोग प्रभावित थे। संथाल विद्रोह को सफल बनाने के लिए लोहारों ने उन्हें कुठारी, टांगी एवं लोहे के अस्त्र-शस्त्र बना कर दिया था तो वहीं चमार जाति के लोगों ने उन्हें बड़े-बड़े नगाड़े बना कर दिया था। यही कारण है कि भागलपुर कमिशनर ने 28 जुलाई

1855 ई को अपने एक पत्र में स्वीकार किया था कि संथाल विद्रोह में लोहार, चमार, ग्वाला, तेली आदि जाति के लोगों का सहयोग सिद्धू को प्राप्त है।

शाल की टहनी के माध्यम से पूरे संथाल प्रगना के लोगों को एकत्र होने का संदेश दिया गया। 30 जून 1855 ई को भोगनाडीह में 10 हजार संथाल आये। सभी ने सिद्धू को अपना राजा घोषित किया और संथाल राज्य की स्थापना का संकल्प लिया। विद्रोह में कान्हू को सिद्धू का सलाहकार, चांद को प्रशासक और भैरव को संथाल राज्य का सेनापति बनाया गया। संथालों ने सभा में एक साथ हुंकार भरते हुए नारा दिया - जमीनदार, महाजन, पुलिस और सरकार के कर्मचारियों का नाश हो। संथालों ने निश्चय किया कि वे सरकारी हुकुम को नहीं मानेंगे, न ही सरकार को टैक्स देंगे। संथाल विद्रोह का ही परिणाम कहीं-कहीं 1857 का सिपाही विद्रोह के रूप में सामने आया।

स्वतंत्रता संग्राम के सेनानी सिद्धू कान्हू के नेतृत्व में जो स्वतंत्रता संग्राम हुआ, उसे ही अंग्रेजों ने संथाल विद्रोह कहा। कार्ल मार्क्स ने अपनी पुस्तक नोट्स ऑफ इंडिया हिस्ट्री में संथाल विद्रोह का उल्लेख करते हुए इसे भारत की प्रथम जन-क्रांति कहा। यह सत्य है कि संथाल विद्रोह भारत में पहला जन-क्रांति था। संथाल विद्रोह में जनता के उपर क्रांति थोपी नहीं गयी थी, बल्कि जनता स्वयं क्रांति करने के लिए उत्तेजित थी। विद्रोह में महिलाओं ने पुरूषों का पूरा-पूरा साथ दिया। संथाल विद्रोह ने अंग्रेजी हुकूमत को हिला कर रख दिया। इस विद्रोह में 10 हजार लोग मारे गये। अंग्रेजों ने सिद्धू, कान्हू को फांसी की सजा दी। सिद्धू, के बाद विद्रोह का मोर्चा चांद, भैरव ने संभाला। बाद में उन्हें भी अंग्रेजों ने मार दिया। संथाल हूल का दायरा बहुत बड़ा था। यह वीरभूम से लेकर भागलपुर तक फैला हुआ था। इस हूल की प्रकृति पूर्व के आदिवासी विद्रोहों से भिन्न थी। यह जनता के बीच के आम योद्धाओं के द्वारा खड़ा की गयी लड़ाई थी और जनता की नजर में पूरी तरह विश्वसनीय और प्रासंगिक थी। इस जन विद्रोह को देख कर अंग्रेजी हुकूत समझ गयी थी कि यदि देश की मुख्यधारा का समाज संथालों के साथ हो गया, तो उनके लिए 1855 ई में ही भारत छोड़ने की नौबत आ जायगी। सथाल हूल के परिणाम स्वरूप दामन-ए-कोह को भागलपुर एवं वीरभूम से अलग कर नया जिला संथाल परगना बनाया गया।

संथाल परगना जिले के प्रथम डिप्टी कमिश्नर एशली इडेन नियुक्त किये गये और इस जिले का प्रशासन अंग्रेजों ने विशेष कानून बना कर किया। संथाल हूल ने यह सीख दिया कि जनता के संघर्ष में किसी प्रकार का आत्मसर्मपण और समझौता नहीं होता है। वह समस्या के समाधान तक या कुर्बानी देने तक अपनी पूरी ताकत से चलता है। यह एक जन आंदोलन का रूप था और इसका जन आंदोलन वाला रूप अंत तक बना रहा। संथाल हूल ने कई विद्रोंहों का रास्ता तैयार किया। बिरसा मुंडा के उलगुलान के लिए भी इसने प्रेरणा का काम किया। संथाल हूल एक जन-क्रांति के रूप में हमेशा के लिए इतिहास में दर्ज है।

(लेखक : बिरसा कॉलेज खूंटी के सहायक प्राध्यापक हैं।)

गजपति जिले के मोहना ब्लॉक में बीइओ ने लागू किया 'हेलमेट नहीं तो वेतन नहीं' नियम

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा के गजपति जिले के मोहना ब्लॉक में अब शिक्षकों पर बिना हेलमेट के वाहन चलाने पर जुमार्ना लगाया जा सकता है। मोहना ब्लॉक के ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (बीइओ) ने कहा है कि शिक्षकों पर बिना हेलमेट के वाहन चलाने पर जुमार्ना लगाया जा सकता है।

रिपोर्ट के अनुसार, गजपति जिले के मोहना ब्लॉक के बीइओ नरेंद्र बेहरा ने एक अनोखा नियम बनाया है। उन्होंने कहा है कि स्कूल जाते समय हेलमेट न पहनने पर शिक्षक का एक महीने का वेतन रोका जा सकता है।

बताया जा रहा है कि इस संबंध में 27 जून 2024 को एक

आधिकारिक पत्र भी जारी किया गया था, जिसके तहत नोटिस संख्या 1208/24 जारी किया गया था, जिसमें कहा गया था कि मोहना ब्लॉक के प्राथमिक शिक्षकों को स्कूल जाते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य होगा। अगर कोई इस नियम का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ एक महीने का वेतन रोकने की कार्रवाई की जायेगी। बीइओ ने बताया कि यह नियम शिक्षकों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है। इन दिनों प्रतिदिन शिक्षक अपने वाहन पर सवार होकर स्कूल आ रहे हैं। दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह अनुकरणीय कदम उठाया गया है।

बीइओ ने आगे कहा कि वह चाहते हैं कि सभी शिक्षक भाई सुरक्षित रहें। इससे पहले इसी ब्लॉक के एक शिक्षक की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी, तब उन्होंने हेलमेट नहीं पहना था। यह एक दुखद घटना थी। बीईओ ने कहा कि शिक्षकों को ऐसी किसी भी त्रासदी से बचाने के लिए ही यह अनुकरणीय नियम बनाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह के उल्लंघन के लिए वेतन रोकना भी सख्त है। यह केवल शिक्षकों को जागरूक करने के लिए किया गया है ताकि वे सुरक्षित रहें और किसी सड़क दुर्घटना का शिकार न हों।

मनोज आहूजा ओड़िशा के नये मुख्य सचिव बने

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। आइएएस अधिकारी मनोज आहूजा ओड़िशा का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। ओड़िशा सरकार के पत्र में कहा गया है कि भारत सरकार से प्रत्यावर्तन के बाद मनोज आहूजा को 30 जून से प्रदीप कुमार जेना की सेवानिवृत्ति के परिणामस्वरूप ओड़िशा के मुख्य सचिव और सरकार, सामान्य प्रशासन और लोक शिकायत विभाग के सचिव के रूप में नियुक्त किया जाता है।

मनोज आहूजा को शुक्रवार को ओड़िशा का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया। सामान्य प्रशासन एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा शुक्रवार को जारी अधिसूचना में कहा गया है है कि भारत सरकार से प्रत्यावर्तन पर मनोज आहूजा, आइएएस (आरआर-1990) को प्रदीप

कुमार जेना, आइएएस की सेवानिवृत्ति के परिणामस्वरूप 30 जून से ओड़िशा के मुख्य सचिव और सरकार, सामान्य प्रशासन एवं लोक शिकायत विभाग के सचिव के रूप में नियुक्त किया जाता है। निवर्तमान मुख्य सचिव प्रदीप जेना का छह महीने का विस्तार 30 जून को समाप्त होगा। ओड़िशा सरकार के अनुरोध पर मूल कैडर में प्रत्यावर्तन से पहले आहूजा ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के सचिव के रूप में कार्य किया।

ओड़िशा के याट्स विजेता छात्र भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का दौरा करेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। टाटा स्टील यंग एस्ट्रोनॉमर टैलेंट सर्च (याट्स) के विजेताओं से गठित ओड़िशा के छात्रों का एक दल इसरो का दौरा करेगा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री कृष्णचंद्र पात्रा ने शनिवारको टाटा स्टील युवा खगोलशास्त्री प्रतिभा खोज (वाइएटीएस) विजेताओं के इसरो दौरे का शुभारंभ किया। ओड़िशा सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तहत पठानी सामंथा प्लेनेटेरियम के सहयोग से आयोजित टाटा स्टील की युवा खगोलीय प्रतिभा खोज (वाइएटीएस) 2023 के विजेता शनिवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अंतरिक्ष उपयोग केंद्र (एसएसी) का दौरा करने के लिए यात्रा पर निकले। ओड़िशा के 30 जिलों के 300 से अधिक स्कूलों से चुने गये याट्स के 20 विजेता एसएसी और साइंस सिटी, अहमदाबाद का दौरा करेंगे।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री कृष्णचंद्र पात्रा ने शनिवार को पठानी सामंथा प्लेनेटेरियम में इस यात्रा को हरी झंडी दिखायी और छात्रों को इस यात्रा के लिए बधाई दी। पठानी सामंत प्लेनेटेरियम, भुवनेश्वर के सहयोग से आयोजित टाटा स्टील यंग एस्ट्रोनॉमर टैलेंट सर्च (याट्स) ने खगोल विज्ञान के चमत्कारों के लिए युवा दिमागों को खोलने के 17 साल पूरे कर लिये हैं। इसका उद्देश्य ओड़िशा के छात्रों को महान खगोलशास्त्री पठानी सामंत के योगदान के बारे में शिक्षित करना है। याट्स का उद्देश्य अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में स्कूली छात्रों की प्रतिभाओं की पहचान करना और उन्हें बढ़ावा देना है। ध्वज-उद्घाटन समारोह में उपस्थित ओड़िशा सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की प्रधान सचिव और पठानी सामंत तारामंडल की अध्यक्ष, आइएएस चित्रा अरुमुगम, पठानी सामंत तारामंडल के निदेशक, प्रसन्ना कुमार पात्रा और टाटा स्टील, भुवनेश्वर के चीफ रेजिडेंट एक्जीक्यूटिव (सीआरइ) देबाशीष जेना ने भी अपने प्रेरक शब्दों से छात्रों को प्रोत्साहित किया।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, ओड़िशा सरकार से अन्य उल्लेखनीय उपस्थित लोगों में सिबानी मोहंती, अतिरिक्त सचिव; पूजा मिश्रा, संयुक्त सचिव; उर्मिप्रभा महाराणा, उप सचिव; लक्ष्मीनारायण पाढ़ी, वरिष्ठ वैज्ञानिक और पद्मलोचन दास, अवर सचिव शामिल थे। इस तरह के आयोजन के लिए पठानी सामंत प्लेनेटेरियम और टाटा स्टील को बधाई देते हुए ओड़िशा सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता कल्याण विभाग के मंत्री कृष्ण चंद्र पात्रा ने कहा कि भारत विश्व स्तर पर अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान में बहुत अच्छा काम कर रहा है। मेरा मानना है कि ये बच्चे भी इस क्षेत्र में बड़ा योगदान दे पायेंगे। मैं सभी विजेताओं को बधाई देता हूं और इसरो यात्रा के लिए शुभकामनाएं देता हूं, जहां वे बहुत कुछ सीखेंगे।

ओड़िशा सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की प्रधान सचिव और पठानी सामंत प्लेनेटेरियम की अध्यक्ष चित्रा अरुमुगम, आइएएस ने कहा कि मैं उन 20 प्रतिभाशाली छात्रों को धन्यवाद और बधाई देना चाहती हूं, जिन्हें 80,000 प्रतिभागियों में से चुना गया है, जो अहमदाबाद, गुजरात में इसरो के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र का दौरा करेंगे और उसका अन्वेषण करेंगे। टाटा स्टील पिछले 17 वर्षों से इस नेक पहल का संचालन कर रही है और मुझे यकीन है कि कंपनी एक मजबूत उद्योग के निर्माण की दिशा में अपने प्रयासों को जारी रखेगी।

ओड़िशा के सीएम मोहन माझी ने राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा के मुख्यमंत्री मोहन माझी ने शनिवार सुबह दिल्ली के राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। उनके साथ उपमुख्यमंत्री कनक वर्धन सिंह देव और पार्वती परिदा भी मौजूद थे। उन्होंने अटल स्मारक पर भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहार वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी। ओड़िशा के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद मोहन चरण माझी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और राज्य से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भी मुलाकात की। दिल्ली की अपनी यात्रा के तीसरे दिन वह विदेश मंत्री एस जयशंकर और स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे।

FLORENCE
Group of Institutions
(A Unit of Haji Abdur Razzaque Educational Society)
Irba, Ranchi-835219,Jharkhand
Admission OPEN 2024-25
PLACEMENT Assistance Scholarship Facility Available
PHARMACY D-PHARM
NURSING ANM GNM POST BASIC B.SC. BASIC B.SC./M.SC.
PARAMEDICAL DRESSERS DMLT ECG X-RAY OPHTHALMIC ASST. OT ASSISTANT
Separate Hostel For Boys & Girls
M.: 9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail : fsnirba@gmail.com
Website : www.florenceinstirba.com

2,3 BHK FLAT AVAILABLE
FOR SALE
At Bootymore & Tatisilwai
(Residential & Commercial)
On Road, Project Near & Smart Point Booty More, Ranchi
Contact Now
8521980977

DAS MUSICAL STORES
DAS RUBBER STAMP
Wholesale & Ratails
Dealers of all Musical Instruments
Mob.: 9835164815/ 8825354800/7250933033
MAIN ROAD, RANCHI, OPP. HANUMAN MANDIR
KOKAR , H.B. ROAD, OPP. R.L.S.Y. SCHOOL , RANCHI

BABU DINESH SINGH UNIVERSITY
(Established Under Government of Jharkhand Act - 06, 2023 & Section 2(f) of the UGC Act, 1956, Member of AIU, Delhi)
BDSU
Admission Open : 2024-25
B.TECH CSE | CSE (AI) | CE | EEE | CSE (CYBER SECURITY) 4 Yrs Regular Eligibility : 10+2 / I.Sc
DIPLOMA CSE | EEE | CE | ME | EE 3 Yrs Regular Eligibility : 10th Pass
OTHER PROGRAMES : B. Pharm | D.Pharm | BCA | MCA | BBA | MBA | B.Lib.I.Sc | M.Lib.M.Sc | ITI
Programes Run & Managed by Vananchal Educational & Welfare Trust
B.D.S. | B.H.M.S | B.Sc. Nursing | GNM | ANM | B.Sc. (Medical) | B.Sc. MLT | B.Ed. | D.EL.Ed | M.D. | M.D.S. | M.Sc. (Medical) | PARAMEDICAL
BDSU : FARATHIYA, GARHWA-822114, JHARKHAND
9661462506, 6206297213, 9934688493
bdsu.ac.in | vananchaltrust.org

आर्य बाल उच्च विद्यालय
नयानगर बरकाकाना, रामगढ़ - 829103 (झारखण्ड)
पंजीयन सं - 43/001325
आवश्यकता
प्रधानाध्यापक / प्रधानध्यापिका पद की नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किया जाता है । उक्त पद हेतु अनुभवी योग्यताधारी विद्यालय कार्यालय में अपना आवेदन पत्र दिनांक 31.07.2024 तक जमा कर सकते है ।
आर्य बाल उच्च विद्यालय, नया नगर,बरकाकाना जिला रामगढ़
1) पद का नाम :- प्रधानाध्यापक /प्रधानाध्यापिका
पद संख्या :- 01
2) पद का नाम :- सह - प्रधानाध्यापक / सह - प्रधानध्यापिका
पद संख्या :- 01
योग्यता :- स्नातक (किसी भी संकाय) एवं बी. एड. एम. एड. व अन्य उच्च योगयता ।
आवेदन करने की अंतिम तिथी 31.07.2024
सचिव
आर्य बाल उच्च विद्यालय
नया नगर, बरकाकाना
दिनांक 29.06.2024

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
VERMA PRESS
Verma's® Today®
शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
• Hindi	₹ 140	• Hindi	₹ 140
• English	₹ 140	• English	₹ 140
• Mathematics	₹ 140	• Mathematics	₹ 140
• Science	₹ 140	• Science	₹ 140
• Social Science	₹ 140	• Social Science	₹ 140
• Sanskrit	₹ 120	• Sanskrit	₹ 120
• Hindi – B	₹ 140	• Hindi – B	₹ 80
• Hindi Vyakaran– II	₹ 120	• Hindi Vyakaran– II	₹ 120
• English Grammar– II	₹ 120	• English Grammar– II	₹ 120
• Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	• Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
• Hindi Practical	₹ 55	• Hindi Practical	₹ 55
• English Practical	₹ 55	• English Practical	₹ 55
• Maths. Practical	₹ 65	• Maths. Practical	₹ 55
• Science Practical	₹ 65	• Science Practical	₹ 70
• S. Science Practical	₹ 65	• S. Science Practical	₹ 65
• Sanskrit Practical	₹ 55	• Sanskrit Practical	₹ 55
• Maths. Practical (Combined)	₹ 90	• Maths. Practical (Combined)	₹ 75
• Science Practical (Combined)	₹ 90	• Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
• Mathematics	₹ 200	• Mathematics	₹ 130
• Science	₹ 200	• Science	₹ 200
• Social Science	₹ 200	• Social Science	₹ 130
• Maths. Practical	₹ 80	• Maths. Practical	₹ 80
• Science Practical	₹ 80	• Science Practical	₹ 80
• S. Science Practical	₹ 80	• S. Science Practical	₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !

रत्न विक्रेता जय माता दी रत्न विक्रेता
ज्योतिष ग्रहरत्न केन्द्र
ज्योतिष शास्त्र • वास्तु शास्त्र • हस्त शास्त्र • अंक शास्त्र
पंडित शशि कांत मिश्रा
पता - लाईन टैंक रोड, गोपाल गंज गली, ऑपोजिट-भुतपूर्व वारगेन बाजार, रांची
फोन :- 9334718296, 9835195382, 9431792761

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**